श्रवाण माह, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 183 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शुक्रवार 29 जुलाई 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

अधीर रंजन के बयान पर हंगामें की भेंट चढ़ी लोकसभा की कार्यवाही, नहीं हुआ कामकाज

बरपा हंगामा: संसद में जबरदस्त नोंक-झोंक

स्मृति से सोनिया बोलीं- डोंट टॉक टु मी, केंद्रीय मंत्री का आरोप- कांग्रेस अध्यक्ष ने मुझे धमकाया

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लेकर दिये एक बयान पर सत्तापक्ष भाजपा के सदस्यों ने लोकसभा में जमकर हंगामा किया और कांग्रेस नेता से माफी की मांग की। सदन में हंगामें के कारण कार्यवाही दो बार स्थगित होने के बाद शुक्रवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। स्थगन के बाद शाम 4 बजे सदन की बैठक शुरू होते ही सत्तापक्ष के सदस्यों ने कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी से माफी की मांग को लेकर हंगाना शुरू कर दिया। शोरगुल के बीच ही चौधरी अपनी सीट से उठकर कुछ कहना चाह रहे थे, लेकिन पीठासीन अधिकारी डॉ. किरीट प्रेमजीभाई सोलंकी ने अनुमति नहीं दी। सदन में हंगामा बढ़ता देख बैठक दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले सदन की बैठक 2 बजे दोबारा शुरू होते ही अध्यक्ष ओम बिरला ने शून्यकाल की कार्यवाही प्रारम्भ की। इसी बीच सत्तापक्ष के सदस्य अधीर रंजन चौधरी से अपने बयान के लिए माफी की मांग को लेकर हंगामा करने लगे। भाजपा सदस्य "अधीर रंजन चौधरी माफी मांगो" के नारे लगा रहे थे। सदन में हंगामा बढ़ता देख बिरला ने कार्यवाही 4 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने अधीर रंजन के बयान का जिक्र करते हुए उनसे माफी की मांग की। सदन में उपस्थित कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से ईरानी ने पूछा कि क्या कांग्रेस नेता चौधरी ने उनकी मंजूरी से राष्ट्रपति के लिए अपमानजनक टिप्पणी की। इस बीच सत्तापक्ष के सदस्य कांग्रेस नेता से माफी की मांग करते रहे। सदन में हंगामा थमता न देख बिरला ने बैठक 12 बजे तक स्थगित कर दी। बाद में कार्यवाही को 4 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

बयान पर माफी मांग चुके हैं अधीर रंजन: सोनिया गांधी

नई दिल्ली: कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि उनके पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी ने राष्ट्रपति के प्रति जो टिप्पणी की थी उसपर माफी मांग ली है। सोनिया गांधी ने गुरुवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों की ओर से पूछे गए एक सवाल के जवाब में यह बात कही है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने बुधवार को मीडिया से बातचीत के दौरान राष्ट्रपति को 'राष्ट्रपत्नी' शब्द से संबोधित किया था। जिसके बाद भाजपा ने उनके इस बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए माफी मांगने को कहा था।' हालांकि संसद भवन परिसर में चौधरी ने अपने बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने भूल बस राष्ट्रपति के लिए वह शब्द इस्तेमाल किया था। चौधरी के इस बयान को लेकर भाजपा की महिला सांसदों ने संसद भवन परिसर में प्रदर्शन कर विरोध जताया।

निर्मला सीतारमण ने अधीर के बयान को लैंगिक भेदभाव बताया: केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कांग्रेस नेता अधीर रंजन की टिप्पणी को सेक्सिस्ट यानी लैंगिक भेदभाव बताया। उन्होंने कांग्रेस से देश और राष्ट्रपति से माफी मांगने को कहा। वित्त मंत्री ने राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान कहा कि ऐसा नहीं है कि यह शब्द गलती से अधीर रंजन के मुंह से निकल गया। उन्होंने जानबूझकर ऐसा बोला है।

50 घंटे के धरने पर बैठे निलंबित सांसद, 3 और सस्पेंड

नई दिल्ली: राज्यसभा से गुरुवार को विपक्ष के तीन और सांसद सस्पेंड किए गए। इनमें आम आदमी पार्टी के सांसद सुशील गुप्ता, संदीप पाठक और निर्दलीय अजीत कुमार शामिल हैं। अब तक लोकसभा और राज्यसभा के 27 सांसद निलंबित हो चुके हैं, इसमें चार लोकसभा के और 23 राज्यसभा के हैं। इधर, सस्पेंड हुए सांसद संसद भवन परिसर में गांधी मूर्ति के सामने 50 घंटे का रिले धरना दे रहे हैं। यानी बारी-बारी से 50 घंटे तक सांसद धरना दे रहे हैं। बुधवार सुबह 11 बजे शुरू हुआ धरना शुक्रवार दोपहर एक बजे तक चलेगा। सांसदों के खाने-पीने समेत जरूरी सुविधाओं का इंतजाम विपक्षी पार्टियों ने किया है। ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर के लिए बाकायदा फूड रोस्टर तैयार किया गया है। इसमें दही-चावल, डोसा, हलवा, चिकन और गाजर हलवा तक शामिल है। सोमवार को कांग्रेस के 4 सांसद लोकसभा से पूरे सत्र के लिए सस्पेंड हुए।

डॉलर के मुकाबले 16 पैसे की मजबूती के साथ बंद हुआ रुपया

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की जोरदार खरीदारी और डॉलर इंडेक्स में आई कमजोरी के कारण भारतीय मुद्रा रुपये में आज मजबूती का रुख बना रहा। डॉलर के मुकाबले रुपया आज 16 पैसे मजबूत होकर 79.75 रुपये (अस्थाई) के स्तर पर बंद हुआ। इसके पहले बुधवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 79.91 के स्तर पर बंद हुआ था। इंटर बैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में आज रुपये ने बुधवार की क्लोजिंग भाव की तुलना में 11 पैसे की मजबूती के साथ 79.80 रुपये के स्तर पर कारोबार की शुरूआत की।

अमेरिकी डॉलर की कीमत में आई ओवरनाइट कमजोरी के कारण आज कारोबार की शुरूआत से ही रुपये में मजबूती का रुख बना हुआ था। शुरूआती कारोबार में ही रुपये ने डॉलर पर और 3 पैसे की बढ़त बना ली।

100 करोड़ के घोटाले में फंसे पार्थ चटर्जी से ममता बनर्जी ने मंत्री पद छिना

कोलकाता: 23 जुलाई को अर्पिता मुखर्जी के टॉलीगंज के डायमंड सिटी फ्लैट और 28 जुलाई को उत्तर 24 परगना के बेलघरिया फ्लैट पर ईडी ने छापेमारी की। पहले दिन 26 घंटे की रेड में 21 करोड़ कैश और दूसरे दिन 18 घंटे की रेड में करीब 28 करोड़ कैश ईडी ने बरामद किया था। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने शिक्षक भर्ती घोटाले में गिरफ्तार पार्थ चटर्जी को मंत्री पद से हटा दिया है। पार्थ की गिरफ्तारी के 5 दिन बाद ममता ने ये एक्शन लिया है। दरअसल, बुधवार से गुरुवार तक चली 18 घंटे की रेड में ईडी ने पार्थ की करीबी अर्पिता मुखर्जी के दूसरे घर से 27.9 करोड़ रुपए कैश और 5 किलो गोल्ड जब्त किया।

कैश के बारे में ईडी के सवाल पर अर्पिता ने बताया कि ये सारे रुपए पार्थ चटर्जी के हैं। उन्होंने कहा, 'पार्थ इस घर का इस्तेमाल रुपए रखने के लिए करते थे। मुझे अंदाजा नहीं था कि घर में इतना सारा कैश रखा होगा।' इससे पहले पिछले शनिवार को हुई छापेमारी में अर्पिता के घर से 21 करोड़ रुपए कैश और 1 करोड़ रुपए की ज्वेलरी मिली थी।

भारत को अमेरिका से पहले बैच में मिले दो एमएच-60 रोमियो समुद्री हेलीकॉप्टर

नई दिल्ली। अमेरिका से पहले बैच में दो एमएच-60 रोमियो समुद्री हेलीकॉप्टर गुरुवार को भारत पहुंच गए हैं। लंबी दूरी तक दुश्मन का सफाया करने वाले दोनों हेलीकॉप्टर कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे हैं। तीसरा मल्टीरोल हेलीकॉप्टर अगले माह अगस्त में मिलेगा। भविष्य में भारतीय नौसेना की आंख, कान बनकर यह रोमियो हेलीकॉप्टर लंबी दूरी तक अपने दुश्मन का सफाया करने में सक्षम होंगे। साथ ही इससे भारत-प्रशांत क्षेत्र में भारत की समुद्री युद्ध क्षमता और मजबूत होगी। भारतीय नौसेना अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन से 24 हेलीकॉप्टर 2.6 अरब डॉलर के उस सौदे के तहत खरीद रही है, जो फरवरी, 2020 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत यात्रा के समय हुई थी। इसके बाद अमेरिका के नेवल एयर स्टेशन नॉर्थ आइलैंड में जुलाई, 2021 में एक समारोह के दौरान भारत को 03 एमएच-60आर सीहॉक सौंपे गए थे।

उस समय भारतीय नौसेना के 18 कर्मियों की एक टीम अमेरिका में हेलीकॉप्टरों के उड़ान का प्रशिक्षण लेने के लिए गई थी। इन्हीं हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल एयरक्रू और तकनीकी चालक दल के पहले भारतीय बैच को अमेरिका के पेंसाकोला, फ्लोरिडा और सैन डिएगो में प्रशिक्षण देने के लिए किया गया। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद दोनों हेलीकॉप्टर भारत भेजे गए हैं। तीसरा हेलीकॉप्टर 22 अगस्त को भारत आएगा। नौसेना प्रवक्ता के अनुसार अमेरिकी नौसेना के साथ हुए अनुबंध के तहत सभी 24 हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति 2025 तक पूरी हो जाएगी। अत्याधुनिक मिशन सक्षम प्लेटफार्मों को शामिल करने से भारतीय नौसेना की अभिन्न एएसडब्ल्यू क्षमता को काफी बढ़ावा मिलेगा। मल्टी रोल एमएच-60 रोमियो हेलीकॉप्टर मिलने से भारत को सतह-विरोधी और पनडुब्बी-रोधी युद्ध अभियानों को अंजाम देने की क्षमता मिलेगी। साथ ही भारतीय नौसेना की त्रि-आयामी क्षमताओं में वृद्धि होगी।

हेलीकॉप्टरों को भी कई अद्वितीय उपकरणों और हथियारों के साथ संशोधित किया जाएगा।

भारत में 67% गलत सर्जरी अनुभवी डॉक्टर कर रहे

नई दिल्ली: भारत में गलत सर्जरी से हर साल करीब 5 लाख लोगों की मौत हो जाती है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की स्टडी में इसका खुलासा हुआ है। नेशनल प्रैक्टिशनर डेटा बैंक (एनपीडीबी) के मुताबिक, 67% गलत सर्जरी के केस 40 से ज्यादा उम्र के डॉक्टर के हाथों हुए, जबकि 40 से कम वालों में ऐसे मामले सिर्फ 25% हैं। इसकी वजह अति आत्मविश्वास है, क्योंकि अनुभवी डॉक्टरों को लगता है कि वे गलती नहीं कर सकते, जिससे वे लापरवाह हो जाते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 60 या उससे ज्यादा उम्र के डॉक्टरों से इलाज कराने वाले 12% मरीज भर्ती होने के औसतन 30 दिन के

अंदर जान गंवा देते हैं। जैसे-जैसे डॉक्टर की उम्र बढ़ती जाती है, उनके मरीजों की मृत्यु दर भी बढ़ जाती है। 40 से कम उम्र के डॉक्टरों में ऐसे मरीज 10.8%, 40 से 49 साल के बीच वालों में 11.1% और 50 से 59 साल वालों में 11.3% हैं। अमेरिकन जर्नल ऑफ मेडिसिन का कहना है कि ऐसे डॉक्टर, जिन्हें प्रैक्टिस करते हुए 20 साल हो चुके हैं, उनके गंभीर मरीजों की मृत्यु दर नए डॉक्टरों (5 साल से कम अनुभव) की तुलना में ज्यादा होती है। एक वजह यह भी है कि अनुभवी डॉक्टर नई तकनीकों से खुद को ज्यादा अपडेट नहीं रखते हैं।

समस्या- उम्रदराज डॉक्टर नई-नई तकनीक-शोध से अपडेट नहीं रहते: नई गाइडलाइंस, रिसर्च, मेडिकल एजुकेशन से खुद को दूर करने से उम्र दराज डॉक्टरों की योग्यता कम होती है। 2020 की स्टडी के अनुसार, 14.9% मेडिकल स्टाफ दाएं और बाएं को लेकर ही भ्रमित रहता है, गलत सर्जरी होने की यह भी एक बड़ी वजह है।

केंद्र के प्रयासों से पिछले 8 सालों में किसानों की वार्षिक आय बढ़ी: पीएम

साबरकांठा: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पिछले आठ सालों में किसान की आय बढ़ाने के लिए किए गए प्रयासों की बदौलत गुजरात समेत देश के अलग-अलग हिस्सों में किसानों की आय में बढ़ोतरी देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि पशुपालन, मत्स्य पालन, शहद उत्पादन को बढ़ावा देने से किसानों की आय में काफी वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री ने गुजरात के साबरकांठा के गढ़ोदा चौकी में साबर डेयरी में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद जनसभा को संबोधित करते

हुए कहा कि आज साबर डेयरी का विस्तार हुआ है। आधुनिक टेक्नॉलॉजी से लैस मिल्क पाउडर प्लांट और ए-सेप्टिक पैकिंग सेक्शन में एक और लाइन जुड़ने से साबर डेयरी की क्षमता और अधिक बढ़ जाएगी। साबर डेयरी की परियोजनाओं से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री ने पॉलिथीन पर प्रतिबंध को पशुओं के हित में बताते हुए कहा कि हमने प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया क्योंकि मवेशी इसका उपभोग करते हैं।

8 साल में 22.05 करोड़ लोगों ने सरकारी नौकरी के लिए अप्लाई किया, 7.22 लाख को जॉब मिली

केंद्र ने रोजगार पर लोकसभा में जवाब दिया

नई दिल्ली: 2014 से अब तक सरकारी नौकरियों के लिए 22.05 करोड़ लोगों ने अप्लाई किया था, लेकिन इनमें से सिर्फ 7.22 लाख लोगों को ही नौकरी मिली। इस बात की जानकारी खुद सरकार ने बुधवार को संसद में दी। तेलंगाना से कांग्रेस सांसद अनुमूला रेवंथ रेड्डी ने लोकसभा में ये सवाल पूछा था, जिसके जवाब में कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने जवाब दिया।

लोकसभा चुनावों से पहले हुई सबसे ज्यादा भर्तियां: सरकार के डेटा के मुताबिक, सबसे ज्यादा 1.47 लाख भर्तियां 2019-20 में हुई थीं, जिस साल लोकसभा

चुनाव थे। हालांकि इस साल सबसे कम (1.78 करोड़) लोगों ने अप्लाई किया था। 2014-15 में 1.30 लाख लोगों की सरकारी नौकरियों में भर्ती हुई थी। इसके बाद से लगातार भर्तियों में गिरावट हुई है। सबसे ज्यादा 5.09 करोड़ आवेदन 2018-19 में आए थे।

किस साल कितने आवेदन और कितनी भर्तियां: अपने जवाब में जितेंद्र सिंह ने यह भी कहा कि नौकरियां पैदा करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने नौकरियां पैदा करने की सरकारी स्कीमों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बजट 2021-22 में प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम को लॉन्च किया गया। पांच साल के लिए लागू की गई इस योजना में 1.97 लाख करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इस योजना से 60 लाख नई नौकरियां पैदा होने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि, सरकार की तरफ से लागू की गई प्रधानमंत्री मुद्रा योजना स्व-रोजगार बढ़ेगा। इस योजना के तहत लोगों या छोटे बिजनेस एंटरप्राइजिस को बिना कोई संपत्ति गिरवी रखे 10 लाख रुपए तक का लोन मिल सकेगा।

भारत में पहली तिमाही में सोने की मांग 43 फीसदी बढ़ी: डब्यलूजीसी

नई दिल्ली। डॉलर के मुकाबल रुपये की घटती वैल्यू के बावजूद भारत में पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में सोने की मांग सालाना आधार पर 43 फीसदी ज्यादा रही है। हालांकि, सोने की वैश्विक मांग 2022 में सालाना आधार पर 8 फीसदी घटी है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने गुरुवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। डब्ल्यूजीसी की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2022 में अप्रैल से जून के दौरान भारत में सोने की मांग 170.7 टन रही है, जो 2021 की समान अवधि में 119.6 से 43 फीसदी ज्यादा है। हालांकि, इसकी वैश्विक मांग 2022 में सालाना आधार पर 8 फीसदी घटकर 948.4 हो गई जबकि 2021 की जून तिमाही में यह 1,031.8 टन थी। रिपोर्ट के मुताबिक डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत गिरने के बावजूद जून तिमाही में सोने की मांग सालाना आधार पर ज्यादा रही। डब्ल्यूजीसी की रिपोर्ट के मुताबिक मूल्य के आधार पर भारत में सोने की मांग जून तिमाही में 54 फीसदी बढ़कर 79,270 करोड़ रुपये हो गई, जून 2021 की समान तिमाही में 51,540 करोड़ रुपये थी।

डब्ल्यूजीसी के मुताबिक 2022 के लिए सोने की मांग परिदृश्य का लक्ष्य 800-850 टन का है, जबकि साल 2021 में सोने की कुल मांग 797 टन रही थी।

खबर संक्षेप

मांडा पुलिस द्वारा शांति भंग केअंदेशा में दस अभियुक्त का किया गया चालान

मेजा रोड। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज शैलेश कुमार पाण्डेय द्वारा समाज में शांति व्यवस्था बनाए रखने व अपराध एवम अपराधियो पर अंकुश लगाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक यमुनापार सौरभ दीक्षित के निर्देशन में अपर पुलिसअधीक्षक / क्षेत्राधिकारी मेजा अमिता सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक मांडा अरुण कुमार के कुशल नेतृत्व में उप निरीक्षक हरिश्चंद्रशर्मा एवम उनकी पुलिस टीम द्वारा शांति भंगके अंदेशा में दस अभियुक्त मिठाई लाल बिंदपुत्र स्व रामनाथ, इंद्रमणि पुत्र स्व रामनाथ,कनैया लाल बिंद पुत्र स्व इंद्र बहादुर, राजेशसिंह पुत्र स्व भानु प्रताप सिंह, बृजेश सिंह पुत्रस्व भानु प्रताप सिंह, दिलीप सिंह पुत्र स्व भानुप्रताप सिंह, भारत पुत्र स्व वंश बहादुर सिंह,शिव बहादुर सिंह पुत्र स्व उदय पाल सिंह,विनोद सिंह पुत्र गिरिजा शंकर, परवेज आलमपुत्र नाजिम उल्लाह को धारा 151/107/116सीआरपीसी के तहत किया गया चालान।

जन जन तक पहुंचे पीएम की मन की बात व हर घर तिरंगा : लक्ष्मण आचार्य

अखंड भारत संदेश

छत्रपति शिवाजी डिग्री कॉलेज सहसों में एमएलसी लक्ष्मण आचार्य स्मृति चित्र भेंट करते अनिरुद्ध सिंह पटेल।

सहसों। भारतीय जनता पार्टी गंगापार ने प्रधानमंत्री की मन की बात तथा हर घर में तिरंगा फहराए जाने के लिए विस्तृत चर्चा हुई तथा इस पर रणनीति बनाई गई। इस दौरान आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार तथा संगठन द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव पर आगामी 13 अगस्त से लेकर 15 अगस्त तक मनाया जाएगा। जिससे पूरे देश में यादगार तथा अमर बलिदानियों, वीर जवानों, वीरांगनाओं, महापुरुषों को श्रद्धांजलि देने के लिए आगामी 15 अगस्त को प्रदेश के तीन करोड घरों में तिरंगा झंडा फहराया जाना है। जिसके परिप्रेक्ष्य में गुरुवार को छत्रपति शिवाजी डिग्री कॉलेज सहसों में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य व प्रभारी लक्ष्मण आचार्य जी ने विस्तृत चर्चा कर जिला मंडल बूथ तथा शक्ति केंद्र एवं पदाधिकारियों को इसकी जिम्मेदारी सौंपने सहित कर्मठ कार्यकताओं की सराहना करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। उन्होंने पदाधिकारियों से कहा आगामी 31 जुलाई रविवार को प्रधानमंत्री के मन की बात जन जन तक पहुंचे इसके लिए बूथ स्तर पर योजना बनाकर तिरंगा झंडा के साथ पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी जाय। ताकि अधिक से अधिक लोगों तक प्रधानमंत्री की मन की बात का विचार तथा हर घर में तिरंगा झंडा पहुंच सके। कार्यक्रम के शुभारंभ में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष अनिरुद्ध सिंह पटेल ने प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मण आचार्य को छत्रपति शिवाजी का स्मृति चित्र भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम को जिला अध्यक्ष अश्विनी द्विवेदी, विधायक प्रवीण पटेल, पूर्व विधायक दीपक पटेल, प्रशांत सिंह, जिला उपाध्यक्ष अनिरुद्ध सिंह पटेल ने भी संबोधित किया। इस अवसर शशांक मिश्रा, जीतलाल त्रिपाठी, कविता पटेल, सत्यम हिंदू , रोहित केसरी, अनिल मौर्या, डॉक्टर कमलेश मिश्र, मनोज निषाद, राघवेंद्र सिंह, पप्पू मिश्रा, विमलेश पटेल, आशीष केसरवानी, ब्लाक प्रमुख गंण, संगठन के समस्त मंडल अध्यक्ष एवं पदाधिकारी गंण सहित आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सिविल लाइंस में डॉक्टर को मारने की धमकी

प्रयागराज। सिविल लाइंस के अंसल अपार्टमेंट में रहने वाले रिटायर चिकित्साधिकारी डॉ. अजीत कुमार रस्तोगी को जान से मारने की धमकी मिली है। डॉ. रस्तोगी ने सिविल लाइंस थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। उनका कहना है कि रात में वह अपनी कार से सिविल लाइंस में पत्थर गिरजाघर के आगे बढ़े तो एक शख्स ने हाथ देकर कार रुकवा ली। उस वक्त बारिश हो रही थी। कार का शीशा खोलने पर उस शख्स ने कहा कि समर रस्तोगी के खिलाफ पैरवी मत करो नहीं तो तुम्हारा हाल डॉ. बंसल जैसा होगा। डॉक्टर का कहना है कि वह कार से उतरे तो वह शख्स पैदल निकल भागा। डॉक्टर ने तहरीर में पुलिस को बताया कि उनका एक परिवाद कौशाम्बी कोर्ट में चल रहा है। इस मामले में समर रस्तोगी अंतरिम जमानत पर है। अब उसमें सुनवाई होनी है। डॉक्टर का कहना है कि उनकी जान का खतरा है। सिविल लाइंस पुलिस ने डॉक्टर की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि डॉक्टर से धमकी देने वाले के हुलिया के बारे में जानकारी ली गई है।

न्यूज झरोखा

बच्चों के संरक्षण को गठित होंगी बाल संरक्षण समितियां:ज्योति सिंह

शंकरगढ़। बच्चों को बाल श्रम, मानव तस्करी, यौन शोषण के खतरों से बचाने के लिए ग्राम पंचायत, विकास खंड और जनपद स्तर पर बाल संरक्षण समितियों का गठन किया जा रहा है। बृहस्पतिवार को शंकरगढ़ के ग्राम पंचायत नीबी और लोहगरा में प्रगति ग्रामोद्योग एवं समाज कल्याण संस्थान के सहयोग से बाल संरक्षण समितियों का गठन किया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान शीला शुक्ला, प्रधानाध्यापक अशोक यादव, मुख्य सेविका सुषमा देवी, रन्नो जायसवाल, छाया सिंह, राजकुमारी,छाया शुक्ला, जान्हवी शिवम् पीजीएस के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर सुधीर केहरी आदि लोग उपस्थित रहे। समितियों के गठन के बाद सदस्यों को प्रशिक्षण देते हुए संस्था के जिला समन्वयक सूबेदार सिंह ने बताया कि बाल संरक्षण समितियों की सक्रियता से ही बाल शोषण समाप्त होगा और बाल हितों की रक्षा होगी। ग्राम प्रधान शीला शुक्ला ने कहा कि उनकी पंचायत में गठित बाल संरक्षण समिति पूरे तत्परता से बाल हितों के लिए कार्य करेगी। पीजीएस की अध्यक्ष ज्योति सिंह ने बताया कि बाल संरक्षण के लिए जिले के सभी पंचायतों में ग्राम बाल संरक्षण समितियों का गठन किया जाएगा।

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में मिडिल स्कूल मझिगवां कोरांव के छात्र आर्यन उत्तीर्ण

कोराव। कोराव के पूर्व माध्यमिक विद्यालय मझिगवा न्याय पंचायत महुली के छात्र राष्ट्रीय खोज प्रतियोगिता में आर्यन कुमार पुत्र तुलसीदास ग्राम पैतिहा वर्ष 2021/2022 परीक्षा उत्तीर्ण की। पिछले वर्ष भी उक्त विद्यालय की एक छात्रा राजश्री पांडेय ने वर्ष 2020/2021 में उक्त परीक्षा उत्तीर्ण की थी। अध्यापक गिरीश दुवेदी सहित तमाम लोगों ने बधाई दी है। और उक्त स्कूल के शिक्षण कार्यों की सराहना की है।

महावीर पब्लिक स्कूल में मेधावी हुए मम्मानित

हनुमानगंज। अबूसा सरायइनायत स्थित महावीर पब्लिक स्कूल में सीबीएसई बोर्ड के मेधवियो को गुरुवार को सम्मानित किया गया। संस्था के निदेशक प्रणव त्रिपाठी ने हाईस्कूल व इंटर के मेधवियो को माला पहना कर सम्मानित करते हुए शुभकामनाएं दी और उज्जव भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्या रजनी शर्मा ने बताया कि इस बार भी सीबीएससी बोर्ड में महावीर पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों का दबदबा कायम रहा। हाईस्कूल में आदित्य सिंह 94, अश्वनी गुप्ता 91, प्रतिभा सिंह 87 व इंटर के छात्र आयुष पांडेय 91, अभिषेक विश्वकर्मा 87, अनुष्का मिश्रा 85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने सभी होनहारों को मिठाई खिलाकर बधाई दी।

दो अलग स्थानों से बाइकों की चोरी मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। दो अलग अलग स्थानों से दो बाइकों की चोरी हो गई। पुलिस ने दोनों का अलग अलग मुकदमा दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार वीरेन्द्र सिंह पुत्र बचन सिंह बगरी इटावा निवासी मऊआइमा के ग्राम बांकाजलालपुर में बैंक के पास भाडे के कमरे में रहते हैं। बताया गया है कि कमरे के सामने खडी बाइक अज्ञात चोर उडा ले गए। वीरेन्द्र सिंह ने मऊआइमा थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। उधर मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम कटरादयाराम निवासी ओमप्रकाश गुप्ता पुत्र बिहारी लाल अपनी बाइक से डाकखाना आया था।जब वह वापस लौटा तो बाइक नदारद थी। ओमप्रकाश ने मऊआइमा थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

करछना क्षेत्र में आकाशीय बिजली से शिक्षक की मौत कई झुलसे

अखंड भारत संदेश

इलाज के लिए अस्पताल लाया गया झुलसा युवक

करछना। गुरुवार को सुबह हुई बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से क्षेत्र के डीहा कबरा गांव निवासी एक शिक्षक की मौत हो गई वही करछना के चनैनी गांव में बिजली गिरने से तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जानकारी के मुताबिक कबरा गांव निवासी रघुराज प्रसाद यादव 25 वर्ष पुत्र इंद्र दमन यादव एडवोकेट प्रकाश पब्लिक स्कूल डीहा में शिक्षक का कार्य कर रहे थे दोपहर छुट्टी होने के उपरांत अपने पास के गांव कबरा घर चला गया और थोड़ी देर बाद खेत की तरफ निकल गए और तेज बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से घटनास्थल पर मौत हो गई वही करछना के चनैनी में आज आकाशीय बिजली गिरने से तीन गम्भीर रूप से घायल हो गए हैं जिन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करछना से जिला अस्पताल के लिए भेजा गया है जिस में एक की हालत गम्भीर बताई जा रही है करछना थाना क्षेत्र के चनैनी गांव में आसपास अचानक से तेज बारिश होने लगी जिससे एस एल एल बी इन्टर कालेज के समीप मेवालाल पाल के घर के सभी लोग घर में अन्दर हो गये अचानक से तेज गरज के साथ आकाशीय बिजली मकान पर गिरी जिसमें मेवालाल पाल के बेटे शिवशंकर पाल , श्री राम पाल , व प्रमोद पाल , गम्भीर रूप से घायल हो गए हैं रेशमा पाल व अन्य लोगों भी हल्की चपेट में आ गए हैं जिसके बाद ग्राम प्रधान धितेश तिवारी की मदद से इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया ।

मेजा ऊर्जा निगम में ब्यूटी एण्ड हेयर ड्रेसिंग कार्यशाला

मेजा ऊर्जा निगम में ब्यूटी एंड हेयर ड्रेसिंग कार्यशाला का हुआ समापन

मेजा। मेजा ऊर्जा निगम में बिगत एक माह से चल रहे ब्युटि एंड हैयर ड्रेसिंग कार्यशाला का समापन गुरुवार को किया गया। कार्यशाला का आयोजन इंस्टीट्यूट ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट, लखनऊ द्वारा किया गया जिसमें मेजा ऊर्जा निगम के आसपास के गांवों से युवतियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अपराजिता महिला समाज की अध्यक्षाश्रीमती अनुराधा शर्मा ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने सभी प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यह कार्यशाला प्रतिभागियों के बीच नए पेशेवर कौशल विकसित करेगी जो उन्हें भविष्य में रोजगार के विभिन्न अवसर प्राप्त करने में मदद करेगी। कार्यक्रम मेंअपराजिता महिला समाज की उपाध्यक्षा श्रीमती रुचि कुमार, श्रीमती सुजाता साबत, श्रीमती वंदना शुक्ला, अपर महाप्रबन्धक (मानव संसाधन) अखिल के पी पटनायक, सहायक प्रबंधक (आर एंड आर)दुर्गा प्रसाद और कार्यकारी (सी एस आर) सुश्री अस्मिता असवाल उपस्थित रहीं।

चीफ नोडल अधिकारी व टीम ने किया पौधारोपण

अखंड भारत संदेश

सोरांव। सोरांव तहसील के ग्राम पंचायत बाहर सराय में गुरुवार को भारत सरकार की टीम द्वारा सैकड़ों की संख्या में पौधारोपण किया गया। तथा जल जीवन मिशन योजना के प्रमुख नोडल अधिकारी पीसी मौर्या द्वारा नीम के पौधे लगाकर कार्यक्रम की शुरूआत की इतना ही नहीं खंड विकास अधिकारी सोरांव धीरेंद्र कुमार यादव संग ग्राम पंचायत अधिकारी नरेंद्र सिंह व अखिलेश कुमार द्वारा भी दर्जनों पौधों का रोपण किया गया। इस मौके पर सचिव नरेंद्र सिंह द्वारा कहा गया कि शुद्ध हवा हमें वृक्ष द्वारा ही प्राप्त होती है। वृक्ष हमारे जीवन का आधार होते हैं। वृक्ष के बिना मानव जीवन का धरती पर कोई अस्तित्व ही नहीं हो सकता। अगर हमें पर्यावरण को बचाना है, तो अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना होगा। जिस प्रकार व्यक्ति अपने बच्चे का पालन पोषण करता है। उसी प्रकार वृक्ष का भी करना चाहिए। एक बार आपका बच्चा आपके जीवन से अलग हो सकता है, परंतु एक वृक्ष जीवन भर आपका साथ निभाता है। एक वृक्ष दस पुत्रों के समान होता है। इसलिए वृक्ष हमारे जीवन का एक आधार है जो केवल थोड़ा सा पानी और सूर्य की किरणे मांगते हैं। बदले में फल, सब्जी और पेड़ों की मीठी छाव हमें प्रदान करते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि अपने पूरे जीवन में एक वृक्ष तो जरूर लगाएं। तथा साथ में आए लघु सिंचाई सहायक अभियंता कुमार गौरव वह तकनीकी अधिकारी जल जीवन मिशन योजना रोहित सिंह तथा तकनीकी सहायक मनरेगा वसीम अहमद जेएमआई महेश वर्मा संघ ग्रामीणों ने भी एक- एक पौधे अपने अपने नाम से लगाएं। इस कार्यक्रम में उपस्थित ग्राम प्रधान मनोरमा देवी संग प्रधान पति राम गणेश मौर्य ने वृक्षारोपण के बारे में विस्तार से लोगों को बताए। और सब लोगों को अपने अपने नाम से एक-एक पौधारोपण करने की नसीहत भी दी। जिससे होने वाली ऑक्सीजन की कमी को पौधारोपण से निपटा जा सके। इतना ही नहीं सचिव अखिलेश कुमार द्वारा पौधारोपण की महत्व पर प्रकाश डालें। और कहा कि एक वृक्ष 10 पुत्र समाना अर्थात एक वृक्ष 10 पुत्र के बराबर होता है। इसलिए पेड़ों को न काटे बल्कि प्रत्येक व्यक्तियों को अपने पुत्रों की भांति पौधे की सेवा करनी चाहिए। जिससे होने वाली तमाम बीमारियों से निजात मिल सके। इस मौके पर धर्मेंद्र कुमार, समशेर पटेल संग सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

दुकानदार पर दर्ज हुआ मारपीट का केस

प्रयागराज। सिविल लाइंस स्थित इंदिरा भवन दुकानदार और ग्राहक के बीच हुई मारपीट के मामले में न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज हुआ हैं। अल्लापुर के नवीन केसरवानी पुत्र अशोक केसरवानी का आरोप है कि इंदिरा भवन की एक दुकान से उन्होंने कंप्यूटर लिया था। गारंटी होने के बावजूद दुकानदार ने वापसी नहीं की। इसे लेकर विवाद के बाद दुकानदार और अन्य लोगों ने उसे मारापीटा, धमकी दी और रुपये छीन लिए। नवीन केसरवानी ने न्यायालय में गुहार लगाई तो सिविल लाइंस थाने में गोलू तिवारी व चार-पांच अज्ञात के खिलाफ मारपीट, धमकी और लूट का मुकदमा दर्ज हुआ है। सिविल लाइंस पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बारिश के मौसम में नाक कान व गले के मरीजों की बढ़ जाती है संख्या : डा. अजय शुक्ला

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। बरसात का मौसम आ गया है। शरीर का तापमान भी मौसम बदलने के साथ ही बदल रहा है। ऊपर से अनियमित खानपान की वजह से तेजी से लोग नाक कान व गले की समस्या से ग्रसित हो रहे हैं। गले की संक्रमण से ग्रसित होकरअस्पतालों में आ रहे हैं।बरसात का मौसम आ गया है। शरीर का तापमान भी मौसम बदलने के साथ ही बदल रहा है। ऊपर से अनियमित खानपान की वजह से तेजी से लोग नाक, कान, व गले की समस्या से ग्रसित हो रहे हैं। इस मौसम में सबसे ज्यादा लोग थ्रोट इनफेक्शन गले की संक्रमण से ग्रसित होकर विभिन्न अस्पतालों में आ रहे हैं। इस तरह की समय में आपकी अपनी सजगता ही आपको इन रोगों से मुक्ति दिला सकती है। नाक कान गला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अजय शुक्ला ने बताते हैं कि ओपीडी में हर दिन काफी शिकायत लेकर आ रहे हैं। बदलते मौसम में यदि आप धुआं, धूल, ठंडी चीजों से परहेज कर लें और नियमित रूप से सुबह शाम गरम पानी भाप लें और सोते समय से नमक पानी का गरारा करें तो आप अनेक बीमारियों से बच सकते है।

इन बातों का रखें ख्याल

गर्म पानी का प्रयोग करें। ताजा और गर्म खाना खाएं, शीतल पेय पदार्थ बिल्कुल परहेज करें। बाहर के खाने से परहेज करें। बारिश के पानी में भीगने ने से बचें। बीच-बीच में गर्म और तरल पदार्थ ले फास्ट और जंक फूड से परहेज करें। सुबह शाम योग अथवा प्राणायाम कर सकते हैं। दूध में हल्दी डालकर सेवन करें। ज्यादा समस्या होने पर अपने नजदीकी डॉक्टर से जरूर मिले।

मौसम बदलने सहित कई कारण से होते हैं गले का इन्फेक्श

मौसम बदलने सहित कई कारण से गले में इंफेक्शन हो जाता है। यह संक्रमण वायरल और बैक्टीरियल दोनों होते हैं। किसी खाद्य पदार्थ से एलर्जी होने पर भी यह संक्रमण हो सकता है। बरसात में है ज्यादा हो रहा है। सर्दी फैलाने वाले वायरस के वजह से भी यह होता है। कभी-कभी तंबाकू अथवा अधिक प्रदूषण वाले इलाके में रहने के बाद गले का संक्रमण होना आम है। कई संक्रमण बरसात में और बढ़ जाते हैं। इसके पीछे बैक्टीरियल कारण होते हैं। जो बैक्टीरिया को गढ़ने में ऐसा मौसम सहायक होता है।

जनसुनवाई : ग्राम पंचायत अल्हवा में प्रधान ने सुनी समस्याएं

भूमिहीनो को कृषि कार्य हेतु और आवास वृक्षारोपण के लिए पट्टा दिया जायेगा : शहजादे

अखंड भारत संदेश

सचिवालय भवन अल्हवा कोरांव पर जन सुनवाई कार्यक्रम

कोराव। ग्राम पंचायत अल्हवा ब्लॉक कोरांव प्रयागराज में ग्राम प्रधान ने जनसुनवाई सचिवालय भवन पर आहूत की। जनसुनवाई में ग्राम प्रधान अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे सामाजिक कार्यकर्ता ने अपने अधीनस्थ स्टाफ के साथ सुबह दस बजे से ले कर दो बजे तक लोगों की जन समस्याएं सुनीं। और संबंधित विभाग के अवसरों कर्मियों से वार्ता कर समाधान हेतु आश्वस्त किया। ग्राम प्रधान ने ग्राम सभा में सभी जाति वर्ग के भूमिहीनों की आइडी ली। जिससे उन्हें ग्राम समाज की नवीन परती,बंजर की दुर्पयोग हो रही जमीनों को पात्रों में वितरित कर दी जाएगी। जिनके पास जमीन है उन्हे नहीं बल्कि जिनके बच्चे अधिक हैं,शादी शुदा हैं उन्हे आवासीय भूमि के पट्टे तथा अन्य को नदी,नालों,की जमीनें वृक्षारोपण के लिए आवंटित की जाएगी। श्रम कार्ड धारकों को ब्लॉक से मिली लिस्ट के अनुसार आयुष्मान कार्ड बनाए गए। वरासत और खतौनी में नाम सुधार के लिए लोगों से लेखपाल से संपर्क करने को कहा गया। दिन्यांगों की समस्याओं को ट्राई साइकिल आदि के लिए डिप्टी डायरेक्टर दिभ्यांग जन विभाग प्रयागराज से फोन पर वार्ता की। साथ ही सफाई कर्मी,रोजगार सेवक,पंचायत सहायक,आदि को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

यमुना की तरह गंगा हुई गतिमान

प्रयागराज। प्रयागराज में अब यमुना के साथ गंगा का भी जलस्तर बढ़ने लगा है। कानपुर बैराज से छोड़ा गया पानी का असर अब फाफामऊ और संगम में दिखाई पड़ रहा है। यमुना के जलस्तर में पूर्व की भांति बढ़ोत्तरी हो रही है। गुरुवार सुबह आठ बजे गंगा के जलस्तर में 36 सेमी बढ़ोत्तरी हुई। नैनी में यमुना का जलस्तर 37 सेमी बढ़ा। सुबह आठ बजे गंगा का जलस्तर 78.28 मीटर तथा यमुना का जलस्तर 77.83 मीटर था। गंगा-यमुना का जलस्तर बढ़ने से कछारी क्षेत्र के मोहल्लों में चिंता बढ़ रही है। खासकर बघाड़ा, सलोरी, गंगानगर, म्योराबाद में रहने वाले लोग प्रशासन और सिंचाई विभाग के फ्लड कंट्रोल रूम में फोन कर जलस्तर की जानकारी ले रहे हैं।

दबंगो ने सरकारी सड़क की पुलिया किया बंद

घर मे घुसा पानी,एसडीएम से की शिकायत, देर शाम पुलिस ने जाकर बंद हुई पुलिया को खुलवाकर जल निकासी की समस्या को किया दूर

अखंड भारत संदेश

लालापुर। बारिश का पानी दबंगों ने दबंगई के बल पर प्रधानमंत्री सड़क की पुलिया को मिट्टी से पाट कर जल निकासी बंद कर दिया, जिससे बस्ती के दर्जनों घर मे पानी भर गया।ग्रामीणों एसडीएम बारा को जल निकासी की शिकायत की। लालापुर थाना क्षेत्र के ग्राम बसहरा तरहार के भारतीया बस्ती में उस समय अफरा तफरी मच गई जब गुरुवार दोपहर तेज बारिश का पूरे गांव का पानी इस बस्ती में आकर जमा हो गया।उसी बीच एक सर्प अपनी जान बचाने घर मे घुसने लगा, घर के लोग किसी तरह जान बचाये।जांघ तक सभी के दरवाजे पर पानी भर गया उसी जल भराव से आदमी औरत निकल कर सड़क पर आते है।बच्चों का घर से निकलना बंद हो गया है।बस्ती के लोगों ने परगनाधिकारी बारा से शिकायत की जिस पर देर शाम लालापुर पुलिस ने अपने दल बल के साथ पहुँचकर बस्ती में भरा जल भराव को तत्काल बन्द की हुई सरकारी पुलिया को खुलवाकर जल निकासी की समस्या का निदान किया।

खबर संक्षेप

सांस्कृतिक प्रतिभा खोज आयोजन के प्रथम दिन विभिन्न विधाओं के 18 सांस्कृतिक दलों के द्वारा किया गया प्रतिभाग

प्रयागराज। आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत गुरूवार को विकास भवन के सरस सभागार में आयोजित सांस्कृतिक प्रतिभा खोज आयोजन के प्रथम दिन विभिन्न विधाओं के 18 सांस्कृतिक दलों के द्वारा प्रतिभाग किया गया। सांस्कृतिक दलों के कलाकारों के द्वारा लोक गायन, लोक नृत्य, लोक वादन, आदिवासी नृत्य, आल्हा गायन, लोक नाट्य, रामलीला, रासलीला, भजन एवं कीर्तन, ललित कला आदि का प्रदर्शन किया गया। सांस्कृतिक प्रतिभा खोज आयोजन में शेष बचे हुए सांस्कृतिक दलों का आडिशन/प्रदर्शन 30 जुलाई, 2022 को किया जायेगा।

मंडलायुक्त ने की मंडलीय उद्योग बंधु समिति की बैठक

सभी विचाराधीन प्रकरणों का जनपदों के डीएम से समन्वय स्थापित करते हुए अति शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश

अखंड भारत संदेश

मण्डलीय उद्योग बंधु समिति की बैठक करते मंडलायुक्त

प्रयागराज। मंडल आयुक्त संजय गोयल की अध्यक्षता में मंडलीय उद्योग बंधु समिति की बैठक संपन्न हुई जिसमें उद्योग बंधुओं से संबंधित समस्याओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। सर्वप्रथम निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त प्रकरणों के निस्तारण संबंधित विवरण की अद्यतन स्थिति के बारे में जानकारी लेते हुए मंडल आयुक्त ने सभी विचाराधीन प्रकरणों का जनपदों के जिलाधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए अति शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। अभी तक पोर्टल पर 4871 प्रकरण प्राप्त हुए हैं जिनमें से 4454 का निस्तारण कर दिया गया है। शेष विभिन्न विभागों एवं उद्यमियों के स्तर पर लंबित हैं जिनके शीघ्र निस्तारण हेतु मंडल आयुक्त द्वारा यह निर्देश दिए गए हैं।बैठक में शासन द्वारा संचालित रोजगार परक योजनाओं, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम एवं एक जनपद एक उत्पाद योजना की समीक्षा भी की गई जिसमें वित्तीय वर्ष 2022-23 में निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष अभी तक कितना ऋण स्वीकृत एवं वितरित किया जा चुका है उसके बारे में भी चर्चा की गई। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत 254 के लक्ष्य के सापेक्ष 129 आवेदनों को स्वीकृति दी जा चुकी है जिसमें से 88 को ऋण भी दिया जा चुका है। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत 290 के लक्ष्य के सापेक्ष 75 को स्वीकृति एवं 50 को ऋण वितरित किया जा चुका है। एक जनपद एक उत्पाद योजना के अंतर्गत 164 के लक्ष्य के सापेक्ष 35 को स्वीकृति एवं 23 को ऋण वितरित किया जा चुका है।इंडस्ट्रियल एसोसिएशन प्रयागराज द्वारा औद्योगिक क्षेत्र नैनी से जुड़ी समस्याओं के निराकरण हेतु मंडलायुक्त ने औद्योगिक क्षेत्र में किसी भी तरह का विद्युत ब्रेकडाउन ना हो यह सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए शटडाउन की स्थिति में उद्यमियों को पहले से ही अवगत कराने को कहा। साथ ही पूरे औद्योगिक क्षेत्र में जल निकासी हेतु सभी नालों की सफाई कराने हेतु एक कार्य योजना बनाकर 15 दिन के अंदर उनके समक्ष प्रस्तुत करने को कहा।बैठक में जॉइंट डायरेक्टर इंडस्ट्रीज लालजीत के साथ नटवरलाल भारतीय, सदस्य व्यापार कल्याण बोर्ड एवं उद्योग बंधु भी उपस्थित रहे।

सोना तस्करी में कन्नौज के इत्र कारोबारी पीयूष जैन की जमानत मंजूर

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोने की तस्करी के आरोप में कन्नौज के इत्र कारोबारी पीयूष जैन की करोड़ों रुपये की सशर्त जमानत स्वीकार कर ली है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ ने बुधवार को दिया है। हाई कोर्ट ने कस्टम एक्ट की धारा 135 के तहत लखनऊ के डीआरआई थाने में दर्ज मामले में दाखिल जमानत अर्जी पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया था, जो बुधवार को सुनाया गया। कानपुर नगर के स्पेशल सीजेएम के यहां दाखिल परिवाद के अनुसार डायरेक्टर जनरल जीएसटी अहमदाबाद की यूनिट ने कन्नौज में जैन स्ट्रीट स्थित पीयूष जैन की इंडस्ट्री में छापा मारकर विदेशी मार्क की 32 सोने की छड़ बरामद की। 24 कैरेट गोल्ड से बनी 23 किग्रा वजनी इन छड़ों की कीमत 196.57 करोड़ आंकी गई। आरोप है कि पीयूष जैन इनकी कोई रसीद नहीं दिखा सके। जांच के बाद स्पेशल सीजेएम कानपुर नगर की अदालत में परिवाद दाखिल किया गया।जमानत के समर्थन में कहा गया कि याची के विरुद्ध विदेशी सोने की तस्करी में शामिल होने का कोई साक्ष्य नहीं है। बरामदगी का कोई स्थानीय गवाह भी नहीं है और केवल विदेशी मार्क होने से यह नहीं कहा जा सकता है कि सोना तस्करी का है। सुनवाई के बाद कोर्ट ने पासपोर्ट जमा करने, ट्रायल कोर्ट की अनुमति के बगैर देश न छोड़ने, साक्ष्यों से छेड़छाड़ न करने आदि की शर्तों पर जमानत मंजूर कर ली।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत अपात्र लाभार्थियों के चयन के लिए दोषी पाए गए 34 ग्राम पंचायत सचिव

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिला विकास अधिकारी भोलानाथ कनौजिया ने बताया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 में अपात्र पाए गए 160 अपात्र लाभार्थियों के चयन के लिए दोषी 34 ग्राम पंचायत सचिवों/ग्राम विकास अधिकारियों के विरूद्ध विभागीय/अनुशासनीक कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए गए है। उन्होंने यह भी बताया है कि उक्त के क्रम में दोषी पाए गए 34 ग्राम पंचायत सचिवों/ग्राम विकास अधिकारियों के विरूद्ध आरोप पत्र भी निर्गत किया गया है। दोषी पाये जाने वाले ग्राम सचिवों/ग्राम विकास अधिकारियों में विकास खण्ड उरूवा के रंजय प्रसाद एवं धनंजय यादव, शंकरगढ़ के रविकुमार सोनकर, करछना के कमल सिंह एवं अमित कुमार, बहादुरपुर के अजय कुमार पाण्डेय, कौंधियारा के वीरेन्द्र सिंह एवं मनोज कुमार, कोरांव के विनीत कुमार पाठक, सैदाबाद की नेहा कामले, हण्डिया के अरूण कुमार, होलागढ़ के देवेन्द्र प्रताप सिंह, फूलपुर के विनोद कुमार, जसरा के विनोद कुमार, सहसों के अजय कुमार राना, उरूवा के भानु प्रताप एवं सुजीत कुमार, मउआईमा के मग्धे सरोज, शंकरगढ़ के पंकज सिंह, करछना के शिवओम चैधरी एवं महेश कुमार, माण्ड के संजीव कुमार एवं बृजेन्द्र कुमार शुक्ल, बहादुरपुर के शेखर कुमार श्रीवास्तव एवं रामलाल, श्रृंगवेरपुर धाम के अनिल कुमार सिंह, कोरांव के सत्येन्द्र कुमार पाण्डेय एवं आनन्द मोहन सिंह, बहरिया के राजेश कुमार शुक्ल, सैदाबाद के बृजेश कुमार सरोज, कौड़िहार के आकाश लाल प्रजापति, जसरा के राजीव कुमार मिश्र, यशवन्त सिंह यादव एवं जितेन्द्र कुमार गौड़ है, जिनके विरूद्ध आरोप पत्र निर्गत किया गया है।

नाबालिग लड़की को बालिका गृह में रखने का आदेश रद

मां के हवाले करने का दिया हाई कोर्ट ने आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पीड़ित नाबालिग लड़की को जिला बाल कल्याण समिति द्वारा राजकीय बाल गृह में रखने के आदेश को कानून की मंशा के खिलाफ करार देते हुए रद् कर दिया है। साथ ही 15 साल की लड़की को उसकी मां की अभिरक्षा में सौंपने का निर्देश दिया है।नाबालिग की इच्छा भी देखनी चाहिए कमेटी को हाई कोर्ट ने कहा है कि जुवेनाइल जस्टिस कानून बच्चे के हित में कमेटी को अधिकार देता है। उसकी इच्छा भी देखनी चाहिए। बेहतर हित को देखते हुए आदेश दिया जाना चाहिए। लड़की ने मां के साथ जाने की इच्छा जताई फिर भी कमेटी ने उसकी इच्छा के विपरीत राजकीय बाल गृह में भेज दिया। कोर्ट ने पीड़िता को मां को सुपुर्द करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह ने नाबालिग लड़की की तरफ से मां की पुनरीक्षण याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है।

बाहुबली का बेटा 3 साल से पुलिस और सीबीआई को दे रहा है चकमा

प्रयागराज। अतीक अहमद का बड़ा बेटा 3 साल से पुलिस और उइकको चकमा दे रहा है। उमर भी देवरिया जेल कांड में अतीक के साथ सह आरोपी है है बिल्डर मोहित जैसवाल ने लखनऊ में अपहरण करके देवरिया जेल में पीटने और उसकी कम्पनी को हड़पने का आरोप लगाया था जिसका पूरा केस उइकहैंडल कर रही हैं। अतीक के छोटे बेटे अली पर जीशान ने रंगदारी और धमकी का मुकदमा दर्ज कराया था तब से अली फरार है उस पर सरकार ने 50 हजार का इनाम रखा है। जिस तरह से दोनों भाई पुलिस को चकमा दे रहे है उससे साफ है कि उनको मूवमेंट की खबरे पहले ही मिल जा रही है क्योंकि कोलकाता में जब रळक्रने रेड की थी तो कुछ देर पहले ही दोनों भाई उस जगह से हटे थे, पहले अतीक अहमद सरकार के लिए सिर दर्द थे अब दोनों बेटे सरकार के लिए सिर दर्द बने है। हालांकि प्रयागराज जोन के आईजी राकेश सिंह का कहना है कि दोनो को पकड़ने का हर सम्भव प्रयास किया जा रहा है। उमर अहमद बाहुबली नेता अतीक अहमद का बड़ा बेटा, अली अहमद अतीक अहमद का छोटा बेटा , उमर पर 2 लाख का इनाम है और अली पर 50 हजार का इनाम उमर को उइक ढूंढ रही और अली को वढ रळक्र लेकिन दोनो ही टीमो ने अतीक के बेटों को पकड़ने का काफी प्रयास किया लेकिन दोनों पुलिस और जांच एजेंसियों को किसी फिल्मी विलेन की तरह छकाते रहे, रळक्रने तो पंजाब और पश्चिम बंगाल तक की खाक छानी लेकिन दोनों शातिर भाइयो का कोई सुराग नही मिला।

भाषा चिंतन की भारतीय परंपरा विषयक एकल व्याख्यान माला आयोजित

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। हिन्दुस्तानी एकेडेमी के तत्वावधान में एकेडेमी स्थित गाँधी सभागार में डॉ उदयनारायण तिवारी स्मृति व्याख्यानमाला के अन्तर्गत ह्यभाषा चिंतन की भारतीय परंपरा विषयक एकल व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती जी की प्रतिमा एवं डॉ उदयनारायण तिवारी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम के प्रारम्भ में एकेडेमी के सचिव देवेन्द्र प्रताप सिंह ने आमंत्रित अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ, स्मृति चिह्न और शॉल देकर किया। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी से आये प्रो. प्रभाकर सिंह ने डॉ उदयनारायण तिवारी के भाषा अध्यापन के क्षेत्र में योगदान पर प्रकाश पर डालते हुए कहा ह्य भारतीय भाषा चिंतन की परंपरा बेहद समृद्ध और समावेशी है। ह्यपाणिनी को भारतीय भाषा चिंतन की परंपरा का पितामह कहा जा सकता है। हिन्दी भाषा चिंतन पर संस्कृत भाषा चिंतन का गहरा असर है। औपनिवेशिक युग में भारतीय भाषा चिंतन की समावेशी परंपरा को छिन्न-भिन्न कर प्रस्तुत किया गया। नागरी प्रचारिणी सभा काशी, भारतीय भाषा परिषद, प्रयाग और हिन्दुस्तानी एकेडेमी से जुडे.भारतीय भाषा चिंतकों ने भारतीय भाषा चिंतन की परंपरा का पुनर्नवीकरण किया। भारतीय भाषा चिंतन को वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रदान करने वाले चिंतकों में कामता प्रसाद गुप्त, किशोरी दास बाजपेई, रामविलास शर्मा, धीरेन्द्र वर्मा, बाबूराम सक्सेना और उदय नारायण तिवारी का नाम प्रमुख है। अद्यतन यह परंपरा हरदेव बाहरी से होते हुए रामकिशोर शर्मा तक आती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. राम किशोर शर्मा (पूर्व विभागाध्यक्ष - हिन्दी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) ने कहा कि ह्यभारतीय भाषा चिंतन में काशी और प्रयाग के विद्वानों का महती योगदान रहा है। काशी से श्याम सुंदर दास और प्रयाग से धीरेंद्र वर्मा इसके वाहक रहे हैंह्व। कार्यक्रम के प्रारम्भ में अतिथियों का स्वागत करते हुए एकेडेमी के सचिव देवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि डॉ उदयनारायण तिवारी का भाषा-विज्ञान के क्षेत्र मे विशेष योगदान था उनकी स्मृति में हिन्दुस्तानी एकेडेमी प्रत्येक वर्ष 28 जुलाई को डॉ उदयनारायण तिवारी स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन करती है इसी क्रम में आज व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया है। हिन्दुस्तानी एकेडेमी का हमेशा से यह प्रयास रहता है कि साहित्य के प्रत्येक क्षेत्र के विद्वानों के कृतित्व एवं व्यक्तित्व को आम जनमानस तक पहुँचाया जाय। व्याख्यानमाला का संचालन एकेडेमी की प्रकाशन अधिकारी ज्योतिर्मयी ने किया। कार्यक्रम के अन्त में धन्यवाद ज्ञापन एकेडेमी के सचिव देवेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित विद्धानों में राम नरेश तिवारी ह्यपिण्डीवासाह्व, डॉ. सभापति मिश्रा, डॉ. श्लेष गौतम, डॉ. विनम्रसेन सिंह, डॉ. शन्ति चौधरी, एम.एस. खान, विवके सत्याशु, डॉ. पुर्णिमा मालवीय सहित शोधार्थी एवं शहर के गणमान्य आदि उपस्थित रहे।

मनचाहे जिले में नियुक्ति का रास्ता साफ, हाईकोर्ट ने बीएसए को दिया नोड्यूज देने का आदेश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। सहायक अध्यापक भर्ती 2018 में चयनित व कार्यरत सहायक अध्यापकों के लिए राहत भरी खबर है। इलाहाबाद हाईकोर्ट कोर्ट ने कहा है कि संबंधित बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यरत चयनित अध्यापकों को चयन प्रक्रिया में शामिल होने के लिए अनापत्ति प्रदान करें और उन्हें मेरिट के आधार पर काउंसिलिंग में शामिल होने देने व मनचाहे जिले में नियुक्ति की अनुमति दी जाए। यह कार्यवाही चार हफ्ते में पूरी की जाए।यह आदेश न्यायमूर्ति सुनीत कुमार ने रोहित कुमार व 56 अन्य, अतुल मिश्र व 61 अन्य, राघवेन्द्र प्रताप सिंह व 14 अन्य, दीपक वर्मा व 77 अन्य, रूबी निगम व 25 अन्य की याचिकाओं को स्वीकार करते हुए दिया है। हाईकोर्ट के इस आदेश का लाभ उन्हें भी मिलेगा, जो कोर्ट नहीं आ सके, किंतु शासनादेश से प्रभावित हैं। कोर्ट ने चार दिसंबर 20 के शासनादेश के पैरा 5(1) को मनमाना पूर्ण, विभेदकारी, अतार्किक करार देते हुए रद्द कर दिया है। इस शासनादेश में चयन में शामिल होने के लिए अनापत्ति पर रोक लगाई गई है। जबकि याचियों की ओर से कहा गया है कि इस शासनादेश से प्रभावित सभी अभ्यर्थियों को चयन प्रक्रिया में 1981 की सेवा नियमावली के तहत शामिल होकर पसंद के जिले में नियुक्ति पाने का अधिकार है।याचियों का कहना था कि वे विभिन्न जिलों में सहायक अध्यापक पद पर कार्यरत हैं। उनका चयन 2018 की भर्ती में भी हुआ है। उन्हें काउंसिलिंग में शामिल होने के लिए बीएसए द्वारा अनापत्ति प्रमाणपत्र नहीं दिया जा रहा है। वे मेरिट के आधार पर पसंद के जिले में नियुक्ति पाना चाहते हैं।सरकार व बोर्ड का कहना था कि शासनादेश में अध्यापकों को फिर से उसी पद पर चयनित करने से काफी पद खाली हो जाएंगे। यदि पसंद के जिले में नियुक्ति पानी है तो अंतर्जनपदीय तबादला नीति के तहत आवेदन दे सकते हैं। इस पर याचियों का तर्क था कि संविधान के अनुच्छेद 14 व 16 के तहत उन्हें भर्ती में शामिल होने और मेरिट पर नियुक्ति पाने का अधिकार है। अनापत्ति पर रोक संविधान के मूल अधिकारों के खिलाफ है। कोर्ट ने अनापत्ति पर रोक को विभेदकारी व मनमाना पूर्ण तथा कानून व सेवा नियमावली के अधिकार क्षेत्र से बाहर माना और रद्द कर दिया है। अब सभी चयनित अध्यापकों को मेरिट के आधार पर नियुक्ति पाने का रास्ता साफ हो गया है।

स्कूलों और दुकानों में छापेमारी, अनाधिकृत किताबें बेचने वाले 13 दुकानदारों को नोटिस

प्रयागराज। माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव के नेतृत्व में यूपी बोर्ड के अफसर बुधवार को माध्यमिक स्कूलों और किताब की दुकानों पर एनसीईआरटी की किताबों की उपलब्धता की जांच करने पहुंचे। इस दौरान 13 दुकानदारों को अनधिकृत प्रकाशन की किताबें बेचने पर नोटिस दिया गया। जरूरी पुस्तकें नहीं मिलने पर प्रधानाचार्यों से भी स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है। सचिव डॉ. दिव्यकांत शुक्ल ने बताया कि शहर के 35 माध्यमिक स्कूलों, जीआईसी, जीजीआईसी फाफामऊ, महिला सेवा सदन, सीएवी आदि में जांच की गई। इस दौरान बच्चों के पास अनधिकृत प्रकाशन की एनसीईआरटी की पुस्तकें मिलीं। इस संबंध में प्रधानाचार्यों से स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है।इसके साथ ही शहर के 13 दुकानदारों राई बुक डिपो, गोपाल पुस्तक भंडार, गंगा बुक डिपो, अग्रवाल बुक डिपो, अमित बुक स्टॉल, पूर्वांचल बुक डिपो, विद्यार्थी बुक सेंटर, एजुकेशनल बुक सेंटर, आरबी बुक सेलर, राजेश पुस्तक भंडार, पुस्तक महल, मुन्ना पुस्तक भंडार एवं कल्लू पुस्तक भंडार को अनधिकृत प्रकाशन की बुक्स रखने के लिए को नोटिस दिया गया। इनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई भी की जा रही है।

स्वच्छता अभियान : चौकी प्रभारी ने लोगों को किया जागरूक

अखंड भारत संदेश

जारी। गुरुवार को स्वच्छता अभियान के तहत विकास खंड जसरा के जारी कस्बे में एनएचआई प्रोजेक्ट मैनेजर वीरभान सिंह एवं चौकी प्रभारी शैलेन्द्र कुमार यादव के नेतृत्व में जारी बाजार के ग्राम वासियो व व्यापारियों से डोर टू डोर लोगो से मिलकर साफ सफाई रखने की अपील की जारी चौकी प्रभारी शैलेन्द्र कुमार यादव ने स्वच्छता ही सेवा के बारे में जागरूक किया। कहा कि हमें घर व आसपास सफाई रखनी है। आसपास जमा गंदगी से कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। स्वच्छता अपनाकर कई संक्रमणों से बच सकते हैं। स्वच्छता से अच्छे स्वास्थ्य के साथ हमें साफ वातावरण भी मिलता है। जिससे तन और मन प्रफुल्लित होता है। इसलिए, सभी को आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने में सहयोग करना है सावन महीना चल रहा है हाइवे से गुजरने वाले कावड़ियों का झुंड पैदल यात्रा कर रहा है रोड पर फेंके गए कूड़े कचरे से लोग चुटहिल हो जाते है घर एवं दुकानों से निकलने वाले कचरो को आप कूड़ा करकट की गाड़ी आपके दरवाजे आकर खड़ी हो जाएगी आप कूड़ा उसमें रख दे इधर उधर सड़क पर अनावश्यक कचरा ना फैलाएं स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है इस स्वच्छता अभियान में प्रधान प्रतिनिधि बिहारी लाल जायसवाल , रंजीत गुप्ता , मोती लाल कुरील , बबलू केशरवानी , विकास गुप्ता ,रोहन केसरवानी , विनोद केसरवानी, नीरज श्रीवास्तव ,एन एच आई के कर्मचारी एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

खनन से बने तालाब में राख भरने की दे दी अनुमति, जांच का आदेश

अखंड भारत संदेश

स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद राख भंडारण पर रोक लगा दी गई है

एनजीटी ने केंद्रीय वन एवं पर्यावरण तथा प्रदूषण नियत्रंण विभाग को जांच का भी आदेश दिया गया

प्रयागराज। अफसरों ने पत्थर खनन से बने तालाब में ही पॉवर प्लांट की राख भरने की अनुमति दे दी। इससे भूजल तथा वायु प्रदूषण का खतरा बन गया। स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद राख भंडारण पर रोक लगा दी गई है। एनजीटी ने केंद्रीय वन एवं पर्यावरण तथा प्रदूषण नियत्रंण विभाग को जांच का भी आदेश दिया है। बारा के पुरा बैजनाथ गांव के पास स्थित पहाड़ी में करीब साढ़े पांच एकड़ में गिट्टी खनन का पट्टा दिया गया था। खनन के बाद वहां बड़ा तालाब बन गया। इसकी गहराई भी 30 से 35 फीट बताई जा रही है। इस बीच खनन विभाग ने उस तालाब में पॉवर प्लांट की राख भरे जाने की अनुमति दे दी। चूंकि, तालाब गहरा है और उसमें पानी भरा रहता है। ऐसे में खतरनाक रसायनों वाली राख भरे जाने से आसपास के क्षेत्रों में भूजल को भी खतरा बन गया। इसके अलावा राख से वायु प्रदूषण का भी खतरा बन गया। स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत एनजीटी से की। इसे गंभीरता से लेते हुए एनजीटी के निर्देश पर केंद्रीय वन पर्यावरण जलवायु परिवर्तन विभाग के उप निदेशक की अध्यक्षता में जांच टीम गठित की गई। इसमें केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं स्थानीय अफसरों को भी शामिल किया गया।टीम ने जांच शुरू कर दी है। वहीं एनजीटी में शिकायत के बाद खनन विभाग ने भी तालाब में राख भंडारण पर रोक लगा दी। वरिष्ठ खान अधिकार केके राय का कहना है कि गढ्ढे से पानी निकाले बगैर ही राख भरे जाने की शिकायत हुई है। शिकायत के बाद इस पर रोक लगा दी गई है। जांच रिपोर्ट का इंतजार है। रिपोर्ट तथा एनजीटी के आदेश के क्रम में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल के प्रिंसिपल व स्टाफ पर केस

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता अमित कुमार पांडेय ने झलवा धूमनगंज स्थित एक स्कूल के प्रिंसिपल और स्टाफ राजा तिवारी के खिलाफ केस दर्ज कराया है। झलवा के रहने वाले वकील अमित पांडेय का बेटा इंटर का छात्र है। अधिवक्ता का आरोप है कि छोटी सी बात पर स्कूल के प्रिंसिपल और राजा तिवारी ने उनके बेटे को बेरहमी से पीटा। इससे छात्र जख्मी हो गया। जब शिकायत लेकर परिजन स्कूल पहुंचे तो उनसे भी मारपीट कर बदसलूकी की गई। धूमनगंज पुलिस ने स्कूल प्रिंसिपल और राजा तिवारी के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है। छात्र और स्कूल स्टाफ का बयान दर्ज किया जाएगा।

जिले में मिले कोरोना के 11 नए संक्रमित

प्रयागराज। जिले में गुरुवार को कोरोना के 11 नए संक्रमित मरीज पाए गए। जबकि 14 मरीज संक्रमण से ठीक हुए हैं। इसी के साथ अब सक्रिय संक्रमितों की संख्या 72 तक पहुंच चुकी है। विभाग ने गुरुवार को कुल 2096 लोगों का स्वास्थ्य जांच करवाया था। इससे एक दिन पहले बुधवार को एक दिन में कोरोना के 14 नए संक्रमित मिले थे। इस दिन मरीजों की संख्या 75 तक पहुंच गई थी।

कार्यालय ग्राम पंचायत-बदौर, कोरांव, प्रयागराज

पत्रांकः- 01/ग्राम पंचायत-निविदा/2021-2022- दिनांक 27-06-2022

अल्पकालिन निविदा सूचनाः-

पंचम राज्यवित/पन्द्रहवां वित्त योजना एवं मनरेगा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बदौर के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदारो से अद्योलिखित विवरण के अनुसार कार्य कराने हेतु दिनांक 28-06-2022 से 10-07-2022 तक सील बन्द लिफाफो में निविदा आंमत्रित की जाती है। जो दिनांक 15-07-2022 को दोपहर 01 बजे गठित समिति के समक्ष खोली जायेगी, निविदा/प्रपत्र 10 रूपये का स्टाम्प पेपर के साथ कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। किसी एक अथवा समस्त निविदा को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा, निविदा प्रपत्र ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। नियम व शर्तों की जानकारी ग्राम पंचायत अधिकारी से प्राप्त की जा सकती है।

क्र0 सं0	योजना	कार्य का विवरण	स्वी.लागत (लाख में)	कार्य पूर्ण करने का समय
1.	पंद्रहवा/पंचम एवं मनरेगा योजना	ग्राम पंचायत बदौर पंचायत भवन निर्माण कार्य	10.27	03 माह

वेद प्रकाश सिंह
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत, बदौर
वि0खं0 कोरांव, प्रयागराज

शशिलेंद्र सिंह
ग्राम पंचायत अधिकारी
ग्राम पंचायत, बदौर
वि0खं0 कोरांव, प्रयागराज

स्वर्णप्राशन बच्चों के लिये इम्युनिटी बूस्टर का करेगा काम: जिलाधिकारी

52 आंगनबाड़ी केन्द्र पर बच्चों को दवा पिलाकर किया शुभारम्भ

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। आयुर्वेद विभाग एवं बाल विकास विभाग की पहल पर पुष्य नक्षत्र में जनपद के 8 विकास खण्ड के 52 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर स्वर्णप्राशन शिविर आयोजित किया गया जिसमें आयुर्वेद चिकित्सकों द्वारा 3155 बच्चों का स्वर्णप्राशन कराने का कीर्तिमान बनाया गया। प्रतापगढ़ प्रदेश का पहला जिला है जहां एक साथ 52 केन्द्रों पर स्वर्णप्राषन अभियान चलाया गया।

स्वर्णप्राशन के पहले चरण में मंगरौरा में 10 आंगनबाड़ी केन्द्र, सदर में 15, मानधाता में 10, शिवगढ़ में 4, बाबागंज में 1, पट्टी में 1, बाबा बेलखरनाथधाम में 1 तथा बिहार विकास खण्ड में 10 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों को स्वर्णप्राशन की खुराक दी गयी। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल एवं मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया ने चिलबिला कोट स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र पर बच्चों को इम्युनिटी वर्धक आयुर्वेदिक दवा पिलाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि स्वर्णप्राशन अभियान बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के उद्देष्य से किया गया प्रयास सराहनीय है।

बच्चे को दवा पिलाते जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल।

स्वर्णप्राशन से बच्चों में होने वाले कुपोषण की समस्या को कम किया जा सकता है जिससे समय से वजन और लम्बाई बढ़ने के साथ मानसिक विकास भी सम्भव होगा। स्वर्णप्राषन बच्चों के लिये इम्युनिटी बूस्टर का काम करेगा। मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया ने कहा कि आयुर्वेद से जुड़े हमारे ऋषि मुनियों ने हजारों वर्ष पूर्व वायरस और बैक्टीरिया जनित बीमारियों से लड़ने के लिये एक ऐसा रसायन तैयार किया था जिसे स्वर्णप्राशन कहा जाता है। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डा0 सरोज शंकर राम ने बताया कि स्वर्णप्राशन स्मरणशाक्ति और धारणशाक्ति बढ़ाने वाले शुद्ध स्वर्णभस्म के निश्चित अनुपात में गाय के घी व शहद के साथ ड्रॉप के रूप में हमारे चिकित्साधिकारियों द्वारा तैयार किया गया है। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी पवन कुमार यादव, बाल विकास परियोजना अधिकारी रवीन्द्र कुमार उपाध्याय, डा0 रंगनाथ शुक्ल, डा0 आषीष कुमार त्रिपाठी, डा0 अवनीष पाण्डेय, डा0 शशेन्द्र कुमार, डा0 पवन कुमार मिश्रा सहित अन्य चिकित्साधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डा0 धर्मेन्द्र ओझा द्वारा किया गया।

हर घर तिरंगा फहरा कर मनाएं आजादी का अमृत महोत्सव

जिला उमरवैश्य समाज सभा की बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला उमरवैश्य समाज सभा की एक बैठक उमरवैश्य धर्मशाला में समाज सभा के अध्यक्ष गुलाबचंद की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से हर घर तिरंगा फहराने के अभियान में समाज की सक्रिय भूमिका निभाने पर जोर दिया गया।

समाज सभा के संरक्षक रोशनलाल उमरवैश्य ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के तत्वाधान में 11 से 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा फहराने की अपील जिलाधिकारी ने की है। समाज सभा हर सामाजिक कार्यों में व राष्ट्रहित में सदैव अग्रणी भूमिका निभाता चला आ रहा है। इसी क्रम में जिले में समाज के सभी पदाधिकारियों से अनुरोध है कि आप सब अपने-अपने घरों में तिरंगा फहराने के साथ-साथ यह जिम्मेदारी भी निभाए कि अपने-अपने गांवो में कोई भी घर बिना तिरंगा के ना रहे।

जो झंडा खरीदने में सक्षम ना हो उनको हमारे समाज के पदाधिकारियों से अनुरोध है कि तिरंगा खरीद कर उन घरों में तिरंगा फहराने में अपना योगदान देने की कृपा करें और सभी अपने-अपने घरों में लाइट लगाकर 75 वर्ष आजादी के अमृत महोत्सव के मायने बताने की कृपा करें। समाज सभा के अध्यक्ष गुलाब चंद ने कहा कि समाज के लोग सभी इस अभियान में जुड़ कर अपने-अपने घरों में तिरंगा फहराने के साथ अपने-अपने गांव व बाजारों में भी तिरंगा फहरा कर आजादी दिलाने वाले महापुरुषों को याद कर आने वाली पीढ़ी को आजादी का महत्व बताने की कृपा करें। बैठक में शोभनाथ, डॉ श्याम, देवेंद्र कुमार गुप्ता, विवेक कुमार, मदन लाल, राम जी, लक्ष्मी नारायण, श्री राम, हनुमान प्रसाद, छेदीलाल, संतोष कुमार, देवानंद, रमेश चंद्र, दीपक कुमार, विश्वनाथ, रामविलास, राजकुमार, राम अजोर, कैलाश चंद्र, आदर्श कुमार आदि मौजूद रहे।

जिला उमरवैश्य समाज सभा की बैठक में मौजूद पदाधिकारीगण।

विद्यालय का ताला तोड़कर चोरी मिड डे मिल का समान व अनाज चोरी

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के कम्पोनिट विद्यालय खनवारी में बुधवार की बीती रात अज्ञात चोरों ने विद्यालय के रसोइया का ताला तोड़कर अंदर रखा गैस सिलेंडर,गैस चूल्हा, कड़ाही, 2 बोरी गेंहू, 2 बोरी चावल, 2 भगौना 2 कुर्सी चुरा ले गये। सूचना पर मौके पर 112 पुलिस पहुची जो पूछताछ कर वापस चली गई। घटना की जानकारी दूसरे दिन गुरुवार की सुबह बच्चो के स्कूल पहुचने पर हुई। विद्यालय में चोरी से स्टाफ में हड़कम्प मच गया। घटना की सूचना ग्राम प्रधान सुशील कुमार शुक्ल ने प्रभारी प्रधानाध्यापक दिनेश कुमार गुप्ता को दी। मौके पर पहुँचे प्रधानाध्यापक दिनेश गुप्ता ने घटना की तहरीर संग्रामगढ़ पुलिस को दी पुलिस जांच में जुटी हुई है।

केसरी नंदन धाम पर हर मंगलवार होगा मेले का आयोजन

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी तहसील क्षेत्र के भरोखन गांव में स्थित केसरी नंदन धाम में आगामी 2 अगस्त से प्रत्येक मंगलवार को विशाल मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें क्षेत्रीय दुकानदारों से मेले में सहभागिता करने की अपील की गई है। पट्टी तहसील क्षेत्र के पट्टी रेडीगारापुर मार्ग पर भरोखन गांव में स्थित केसरी नंदन धाम धार्मिक आस्था का केंद्र है। केसरी नंदन धाम के संस्थापक सुरेश प्रताप राठौर ने बताया कि केसरी नंदन धाम की बढ़ती हुई महिमा और चमत्कार की वजह से कई भक्तों की मनोकामना पूरी हुई है। भक्तों के सुझाव पर आगामी 2 अगस्त से प्रत्येक मंगलवार को विशाल मेले का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर छात्र छात्राओं के बीच निबंध प्रतियोगिता तथा खेल का आयोजन किया जा रहा है जिसमें उन्हें उचित पुरस्कार भी दिया जाएगा। मेले में उन्होंने क्षेत्रीय दुकानदारों को आमंत्रित करते हुए मेले को सफल बनाने की अपील भी किया।

आधा दर्जन आरोपियों ने पत्नी को पीटकर किया जख्मी

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पुरानी रंजिश की वजह से आधा दर्जन आरोपियों ने घर पर पहुंचकर पति और पत्नी को लाठी-डंडों से जमकर मारा पीटा जिससे पति का सिर फट गया तो वही पत्नी को भी गंभीर चोटे आई। दोनों गुरुवार को पट्टी कोतवाली पहुंचकर आरोपियों के विरुद्ध शिकायती पत्र देकर मामले में इंसाफ की गुहार लगाई है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के डेईडीह धौरहरा गांव के रहने वाले राजेश सरोज पुत्र रामफेर अपनी पत्नी के साथ पट्टी कोतवाली पहुंचे और तहरीर देकर बताया कि बुधवार की देर शाम उसके पड़ोसी आधा दर्जन लोग रंजिश की वजह से उसके घर पर पहुंच गए और भद्दी भद्दी गालियां देने लगे जब इसका विरोध किया तो जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए सभी लोग लाठी-डंडों से हमला बोलकर बुरी तरीके से उसको जख्मी कर दिए। बीच-बचाव करने आई उसकी पत्नी ममता को भी आरोपियों ने नहीं छोड़ा और उसे भी मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी । इलाज कराने के बाद गुरुवार की दोपहर पीड़ित पत्नी सहित पट्टी कोतवाली पहुंचा और मामले में इंसाफ की गुहार लगाई है पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। जनपद के थाना कोतवाली नगर के उ0नि0 पुष्पराज सिंह मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश, वांछित, वारण्टी अभियुक्त के दौरान थाना स्थानीय के मु0अ0सं0 210/2022 धारा 323, 504, 506, 324, 307, 308 भादवि से संबंधित एक वांछित अभियुक्त अमन सिंह पुत्र रामबहादुर सिंह निवासी सदर मोड़ पुरानी आबकारी थाना कोतवाली नगर, जनपद प्रतापगढ़ को थाना क्षेत्र कोतवाली नगर के सदर मोड़, पुरानी आबकारी के पास से गिरफ्तार किया गया।

आखिकार सफाई कर्मी लगाकर काटा गया जंगली बबूल का पेड़

बाबा बेलखरनाथ धाम के रास्ते में सड़क पर लटक रहा था पेड़

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सावन मेला प्रारंभ होने से पहले सड़क के किनारे जंगली बबूल के पेड़ हटाए जाने को लेकर स्थानीय ग्रामीणों द्वारा विरोध प्रदर्शन भी किया गया था, मेला 15 दिन बीत चुका है लेकिन वन विभाग और पीडब्ल्यूडी के कान पर जूं तक नहीं रेंगी।

मेला समिति के शीतला प्रसाद सिंह उर्फ मदन सिंह द्वारा खंड विकास अधिकारी से इस मामले की शिकायत की दर्जनों सफाई कर्मी लगाकर सड़क के किनारे लटक रहे बबूल के जंगली पेड़ों को काट कर हटाया गया जिससे कंवारिया और श्रद्धालुओं को आने जाने में किसी प्रकार की कोई समस्या ना उत्पन्न हो और पैरों में कांटे ना चुभे। गुरुवार की सुबह 9 बजे से लेकर दोपहर एक बजे तक दर्जनों सफाई कर्मी करनपुर खूझी गांव से लेकर जगदीश गढ़ चैराहे बाबा बेलखरनाथ धाम जाने वाली सड़क के किनारे बारिश से जंगली बबूल का पेड और अधिक लटक रहा था इससे बाईक चार पहिया वाहनों को आने जानें में दिक्कत हो रही थी। महीनों तक चलने वाले सावन मेले को लेकर मीडिया और सोशल मीडिया पर लगातार खबरें प्रकाशित की गई थी लेकिन विभाग द्वारा इसमें कोई लाभ नजर नहीं आया इसलिए सड़क के किनारे लटक रहे जंगली बबूल के पेड़ को हटाने की जहमत नहीं उठाई। सप्ताह भर इंतजार करने के बाद सफाई कर्मी को लगाकर जंगली बबूल के पेड़ को हटाया गया।

जंगली बबूल को काटते सफाई कर्मी।

प्रेषित आवेदन पत्रों का हो निरस्तारण: जिलाधिकारी

डीएम ने जिला उद्योग बन्धु, व्यापारी बन्धु एवं श्रमिक बन्धु के साथ की बैठक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में कलेक्टेज्ट सभागार में जिला उद्योग बन्धु, व्यापारी बन्धु एवं श्रमिक बन्धु की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उपायुक्त उद्योग दिनेष कुमार चैरसिया द्वारा ऋण योजनाओं क्रमषः प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद योजना की अद्यतन प्रगति से अवगत कराया गया। जिलाधिकारी द्वारा भारतीय स्टेट बैंक में प्रेषित आवेदन पत्रों पर कार्यवाही न करने पर नाराजगी व्यक्त की गई और एलडीएम को निर्देष दिया गया कि प्रेषित आवेदन पत्रों को शाखा प्रबन्धकों एवं आवेदकों के साथ आगामी शनिवार को एक बैठक आयोजित किया जाये एवं बैठक में निस्तारित प्रकरणों से उसी दिन उनको अवगत कराया जाए। बैठक में निवेष मित्र पोर्टल की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने सभी विभागों से समस्त स्वीकृति/अनापत्ति प्रमाण पत्र/अनुमोदन आनलाइन पोर्टल के माध्यम से ही जल्द से जल्द कराने का निर्देष दिया। उपजिलाधिकारी सदर एवं कुण्डा के अन्तर्गत 02 प्रकरण निस्तारण अवधि से ऊपर हो जाने पर इनको जल्द से जल्द निस्तारित कराने का निर्देष दिया गया।

बैठक में व्यापारियों द्वारा विद्युत विभाग से सम्बन्धित प्रकरण उठने पर अधिषासी अभियन्ता विद्युत रानीगंज के अनुपस्थित रहने पर चर्चा नही की जा सकी जिससे जिलाधिकारी ने अधिषासी अभियन्ता विद्युत के बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने पर स्पष्टीकरण जारी करने का आदेष दिया गया। इसके अतिरिक्त व्यापारियों द्वारा पार्किंग की समस्या एवं अतिक्रमण हटाने की समस्या उठायी गयी जिस पर जिलाधिकारी ने अधिषासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मुदित सिंह को नियमित रूप से अतिक्रमण हटाने हेतु एक टीम बनाने का निर्देष दिया। अतिक्रमण के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी को निर्देषित किया गया कि नो वेण्डिंग जोन में किसी तरह का अतिक्रमण न होने पाये। अतिक्रमण हटाने के पूर्व पहले माइक से इसकी घोषणा कर दी जाये तथा लोगों से संवाद स्थापित करने के बाद अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया जाये। पार्किंग के सम्बन्ध में जिलाधिकारी द्वारा अधिषासी अधिकारी मुदित सिंह को निर्देषित किया गया कि सभी व्यापार मण्डल के प्रमुखों के साथ विचार विमर्ष कर वैकल्पिक प्रस्ताव प्रस्तुत करें।

श्रमिक बन्धु की बैठक में सहायक श्रमायुक्त द्वारा बताया गया कि कारखानों में तथा वाणिज्यिक अधिष्ठानों में कार्य करने वाले श्रमिकों के लिये श्रम कल्याण परिषद उत्तर द्वारा 8 योजनायें संचालित की जा रही है। जिलाधिकारी ने सहायक श्रमायुक्त को निर्देषित किया कि कारखाना संचालकों तथा उद्योग व्यापार मण्डल के साथ पृथक से बैठक करके योजनाओं की जानकारी उपलब्ध करायें तथा इसका व्यापक प्रचार प्रसार करायें। जिलाधिकारी ने कहा कि कारखाना वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में कार्य करने वाले श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी जो शासन द्वारा निर्धारित की गयी है अनिवार्य रूप से इसका भुगतान किया जाये। बैठक में पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विष्वकर्मा, एलडीएम अमित वाजपेयी, उपायुक्त उद्योग दिनेष कुमार चैरसिया, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार, उपायुक्त जीएसटी राम भुवन सहित बैंकों के जिला समन्वयक और प्रबन्धक, उद्यमी अनुराग खण्डेलवाल, रोषनलाल ऊमरवैष्य, उमा प्रकाष अग्रहरि आदि उपस्थित रहे।

धर्म सम्राट स्वामी करपात्री की जयंती कल

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सर्वोदय सद्भावना संस्थान द्वारा धर्म सम्राट स्वामी करपात्री जी का अवतरण दिवस संत दिवस के रूप में श्रावण मास शुक्ल पक्ष की द्वितीया दिन शनिवार 30 जुलाई को दिन में तीन बजे से रामानुज आश्रम में मनाया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए संस्थान के अध्यक्ष धमार्चार्य ओम प्रकाश पांडे अनिरुद्ध रामानुज दास ने कहा है कि कार्यक्रम में संतो एवं गणमान्य व्यक्तियों का सम्मान भी संपन्न होगा।

दहेज हत्या के अभियोग में वांछित दो अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जनपद के थाना कंधई के उ0नि0 मृत्युंजय पाण्डेय मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश, वांछित, वारण्टी अभियुक्त के दौरान थाना स्थानीय के मु0अ0सं0 342/2022 धारा 304बी, 323, 498ए भादंवि व धारा 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम से संबंधित दो वांछित अभियुक्त अरविन्द कुमार बहेलिया पुत्र रामकुमार बहेलिया व रामकुमार बहेलिया पुत्र स्व0 शिवशंकर बहेलिया निवासीगण ताला थाना कंधई, जनपद प्रतापगढ़ को उनके घर से गिरफ्तार किया गया।

आरबीट्रेशनन वादों के निस्तारण हेतु 07 अगस्त को होगा विशेष लोक अदालत का आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अनुपम दूबे ने बताया है जनपद न्यायाधीष/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजय शंकर पाण्डेय के निर्देषन में 07 अगस्त 2022 (रविवार) पूर्वान्ह 10 बजे से आरबीटेज्शन वादों के निस्तारण हेतु विषेष लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। आरबीटेज्षन विषेष लोक अदालत के सम्बन्ध में प्रत्येक थाना, तहसील, ब्लाक में प्रचार प्रसार हेतु सूचना प्रेषित की जा रही है कि वह अधिक से अधिक आरबीट्रेशन वादों का निस्तारण विषेष लोक अदालत में करायें। उन्होंने कहा है कि जिन वादकारियों के मुकदमे आरबीटेज्षन के हैं, वह अपना निस्तारण आयोजित विषेष लोक अदालत में आपसी सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित करा सकते हैं। वादकारी अपने न्यायालय में सम्पर्क कर अपने वादों को विषेष लोक अदालत में सन्दर्भित कराकर लोक अदालत का लाभ उठाएं।

आलोक पाण्डेय के परिजनों से मिलने पहुंचे सवर्ण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना के बिबियापुर (परियावां) निवासी आलोक पाण्डेय उर्फ शानू की की 16 जुलाई को मानिकपुर से दुकान बन्द कर वापस घर को लौटते समय परसई मिश्रपुर रोड पर आम की बाग के सामने पल्सर सवार दो बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी, जिसमे गुरुवार की सुबह मृतक आलोक पांडे उर्फ शानू के परिजनों से अखिल भारतीय सवर्ण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित आशुतोष शुक्ला, राष्ट्रीय संरक्षक जगतगुरु बाबा आशुतोषाम्वर जी महाराज एवं राष्ट्रीय संरक्षक महादेव जी बाबा प्रदेश अध्यक्ष दीपक पांडे प्रदेश उपाध्यक्ष राज श्रीवास्तव लखनऊ जिला अध्यक्ष आदर्श रंजन अवस्थी पीड़ित परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना दिया और कहा कि हम सभी आपके साथ हैं। हृदय विचारक घटना की कड़ी निंदा करते हुए आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने का पीड़ित परिजनों को आश्वासन दिया और घटना के संबंध में पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल व नवाबगंज थाना प्रभारी सुधीर कुमार से घटना की कार्रवाई की जानकारी किया। अखिल भारतीय सवर्ण महासभा के इलाहाबाद जिला अध्यक्ष जौनपुर जिला अध्यक्ष के साथ सुनील दीपांशु अजय तिवारी, लालजी मिश्रा, आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

आलोक पाण्डेय के घर पहुंचे सवर्ण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष।

सात माह से संविदा स्वास्थ्य कर्मियों का रुका है वेतन, स्वास्थ्य कर्मी भुखमरी के कगार पर

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला अस्पताल में कार्य कर रहे 27 संविदा स्वास्थ्य कर्मियों को सात माह से वेतन नहीं मिला है जिससे इन संविदा कर्मियों को घर चलाने में भारी मुष्किलों का सामना करना पड़ रहा है। बताया जाता है कि जनवरी 2022 से इन लोगों को वेतन नहीं मिला है।

इस बारे में जानकारी करने पर पता चला कि जनवरी से अप्रैल तक का तो एक संस्था से इन सभी को वेतन मिलना है जबकि मई 2022 से जिला अस्पताल राजकीय मेडिकल कालेज से सम्बद्ध हो जाने के बाद भी अभी तक इन्हें वेतन नहीं मिला है। एक संविदा कर्मी से पूछने पर उसके आंखों में आंसू आ गए। उसने बताया कि इस बारे में बोलने पर सेवा से अलग कर देने की धमकी दी जाती है। इस संवाददाता ने जब राजकीय मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा0 आर्य देश दीपक से पूछा तो उन्होंने बताया कि शासन से बजट के लिये प्रयास किया जा रहा है। बजट मिलते ही सभी संविदा कर्मियों को वेतन मिल जाएगा।

बालिकाओं को स्वावलम्बी बनायेगी कन्या सुमंगला योजनाः सीडीओ

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी ईषा प्रिया ने बताया कि मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना कन्या भ्रूण हत्या को समाप्त करने, लैगिंक अनुपात स्थापित करने, बाल विवाह की कुप्रथा को रोकने तथा बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं षिक्षा को प्रोत्साहन देने के उद्देष्य से संचालित की गयी है।

इस योजना का लाभ समाज के सभी वर्गो की बालिकाओं को उपलब्ध कराने से बालिकाओं को स्वावलम्बी बनाने में सहायता मिलेगी तथा बालिका के जन्म के प्रति समाज में सकारात्मक सोच विकसित होगी। मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के पात्र लाभार्थियों के चिन्हांकन एवं आनलाइन फीडिंग की समीक्षा की जिसमें पाया गया।

अवैध देसी बम के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जनपद के थाना कोतवाली नगर के उ0नि0 श्री घनश्याम सिंह मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान थाना क्षेत्र कोतवाली नगर के भंगवा रेलवे क्रासिंग के पास से एक व्यक्ति सद्दाम पुत्र स्व0 अब्दुल अजीज निवासी जेल रोड कोतवाली नगर, जनपद प्रतापगढ़ को 04 अदद अवैध देसी बम के साथ गिरफ्तार किया गया। उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के संबंध में थाना कोतवाली नगर पर मु0अ0सं0/2022 धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम का अभियोग पंजीकृत किया गया है।

खबर संक्षेप

जलाभिषेक करने गए कांवरिये की हुई मौत

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली के विजयीपुर मजरा सैनी निवासी अर्जुन पटेल पुत्र शिव नंदन 21 जुलाई को घर से साथियों सहित बैजनाथ धाम जलाभिषेक के लिए निकला था जलाभिषेक के बाद साथी कावड़ियो से अर्जुन बिछड़ गया साथियो की माने तो काफी खोज बीन के बाद भी मुलाकात न होने पर 25 जुलाई को सभी साथी मायूस लौट आए लेकिन अर्जुन नहीं लौटा जिस पर परिजनों ने खोजबीन शुरू की परिजनों को कल देर शाम अर्जुन के मुगलसराय के पास ट्रेन से गिरने की सूचना मिली। जानकारी के बाद परिजन मुगलसराय पहुंचे जहां रेलवे पुलिस ने बताया कि अर्जुन ट्रेन से गिर गया है और उसकी मौत हो गई है डेडबॉडी घर पहुचते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

वेतन न मिलने से आक्रोशित संविदा कर्मियों ने दिया धरना

कौशांबी। उत्तर प्रदेश बिजली कर्मचारी संघ के बैनर तले संविदा कर्मचारियों ने धरना प्रदर्शन कर आवाज बुलंद की है कर्मचारियों ने कहा कि बीते 4 महीने से भोपाल की एक कंपनी द्वारा 8 हजार से 10 हजार रुपए महीने 15 से 25 तारीख तक वेतन दिया जाता है जो नियम विरुद्ध है कर्मचारियों ने कहा कि उन्हें जून महीने से वेतन नहीं मिला है पूर्व में कर्मचारियों ने अधिशासी अभियंता अधीक्षण अभियंता को पत्र देकर 3 दिन में वेतन दिलाने का समय दिया था लेकिन 6 दिन बीत गए अभी तक कर्मचारियों को वेतन भुगतान नहीं मिल सका है संविदा कर्मियों ने कहा कि वेतन नहीं मिला तो हमें मजबूर होकर अधिकारियों के कार्यालय का घेराव करना पड़ेगा। कार्यक्रम में शिव मणि त्रिपाठी रईस अंसारी घनश्याम भग्गू मौजी लाल महेंद्र मनीष मुनीश फूलचंद रमेश छोटेलाल सुमित सुरेश राजकुमार धनंजय लालता रामनरेश सहित तमाम कर्मचारी मौजूद रहे।

दहेज हत्या का अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना महेवाघाट पुलिस बल द्वारा डीपी एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्ता रामसखी पत्नी गिरजा शंकर निवासी अलवारा थाना महेवाघाट को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्ता को न्यायालय भेज दिया है।

दुष्कर्म का वांछित गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना सराय अकिल पुलिस बल द्वारा पॉक्सो एक्ट व 3(2)5) एससी/एसटी एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त शहंशाह पुत्र मो० नसीम निवासी यूसुफपुर थाना सराय अकिल को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

अधिकारी मना रहे बिजली महोत्सव और जनता कर रही चक्का जाम

अखंड भारत संदेश

भरवारी कौशांबी। सरकार के निर्देश पर 28 जुलाई को बिजली महोत्सव मनाया जा रहा है बिजली विभाग द्वारा भरवारी कस्बे के रावण मैदान में बिजली महोत्सव मना कर विभाग का गुणगान किया जा रहा था वहीं बिजली विभाग के कारनामे से त्रस्त जनता का आक्रोश फूट पड़ा और जनता ने मूरतगंज में चक्का जाम कर नारेबाजी शुरू कर दी इससे बिजली विभाग के अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए लगातार छ दिनों से लाइट नही होने से मूरत गंज में दो जगह पर जनता द्वारा चक्का जाम कर विभाग के विरुद्ध नारेबाजी शुरू कर दी गई चक्का जाम लगभग घंटो से चल रहा हैं एक तरफ पूरा देश बिजली महोत्सव मना रहा हैं वही मूरत गंज की जनता बिजली पानी की समस्या को लेकर चक्का जाम कर रही है यह कैसा खेल जहा पर बिजली महोत्सव मनाने के लिए जिला के लाइन मैन से लेकर हर विभाग के एक्सीयन एसी चीफ तक भरवारी में डटे हो वही पांच किलोमीटर की दूरी पर जनता लाइट पानी के लिए हाहाकार मचा रही हैं काफी देर तक जनता को समझाने बुझाने के बाद सड़क का जाम हटवाया गया है।

कार्यक्रम की शुरूआत पूर्व ब्लाक प्रमुख जितेंद्र सोनकर ने दीप प्रज्वलित कर किया विद्युत विभाग के अधिकारियों द्वारा मुख्य अतिथि जितेंद्र सोनकर को माल्यार्पण कर स्वागत किया गया कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए अधीक्षण अभियंता सुशील श्रीवास्तव ने विद्युत विभाग की उपलब्धियों के बारे में बताया इस मौके पर पूर्व सभासद राजेश अग्रहरि सभासद तोहिददुर रहमान सभासद आफताब अहमद नफीस अहमद सतीश तिवारी आदि लोग मौजूद थे कार्यक्रम में जिलाधिकारी और मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर के न आने से सभी के चेहरे पर उदासी छा गयी थी इस मौके पर अधीक्षण अभियंता सुशील कुमार श्रीवास्तव डी एन प्रसाद एक्सीयन चायल अंकित कुमार एक्सीयन कौशाम्बी राकेश कुमार एक्सीयन टेस्ट धीरज यादव एसडीओ मंझनपुर अशोक कुमार ए ई आर मंझनपुर रोहित कुमार आदेश कुमार एसडीओ भरवारी केएल यादव एसडीओ बीके तिवारी सराय अकिल जे ईमहिन्दर वर्मा भरवारी विन्रम पटेल जे ई मंझनपुर सहित तमाम विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

दीप प्रज्वलित करते पूर्व प्रमुख

चक्का जाम करते ग्रामीण

आईजीआरएस एवं सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर दिया जाए विशेष ध्यान : एडीएम

कौशाम्बी। अपर जिलाधिकारी जयचन्द्र पाण्डेय द्वारा उदयन सभागार में सम्बन्धित अधिकारियों के साथ आई0जी0आर0एस0 एवं सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा की गयी। बैठक में अपर जिलाधिकारी ने आई0जी0आर0एस0 के तहत प्राप्त शिकायतों की विभागवार विस्तृत समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को आई0जी0आर0एस0 पर प्राप्त शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण 31 जुलाई तक अवश्य निस्तारित करने के निर्देश देते हुए कहा कि टाइप आख्या ही अपलोड किया जाय। उन्होंने कहा कि तहसील दिवस में भी प्राप्त शिकायतो के निस्तारण में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाय।इस अवसर पर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट राजेश श्रीवास्त, सभी उप जिलाधिकारीगण, जिला विकास अधिकारी विजय कुमार एवं ई0-डी0एम0 कीर्त कुमार सहित अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

निराश्रित गोवंशों को संरक्षित करने के लिए गोआश्रय स्थलों में भेजवाना सुनिश्चित करे : सीडीओ

कौशाम्बी। मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त खंड विकास अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद के कई क्षेत्रों में पर्याप्त वर्षा हो जाने के कारण खरीफ की फसल का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है, किन्तु यह देखा जा रहा है कि अभी भी अनेक क्षेत्रों में आवारा गोवंश सड़को पर व खाली मैदानों में घूम रहें हैं और ये निराश्रित पशु किसानों की फसल को नष्ट कर सकतें हैं। उन्होंने कहा कि इस सम्बन्ध में आपको निर्देशित किया जाता है कि पूर्व में मनरेगा द्वारा बनवाये गये निराश्रित गोवंशों को संरक्षित करने के लिए गोआश्रय स्थलों में भेजवाना सुनिश्चित करें। इस कार्य को अभियान चलाकर पूर्ण किया जाना है, गर्मी के दिनों में इन गोआश्रय स्थलों में संरक्षित पशुओं की बड़ी संख्या में छोड़ दिया गया था, किन्तु अब फसल का समय आ गया है इसलिए इन्हें गोआश्रय स्थलों में पहुँचाया जाय। 01 सप्ताह के बाद यदि किसी विकास खण्ड में निराश्रित गोवंश घूमते हुए पाये जायेंगें तो उस क्षेत्र के ग्राम पंचायत अधिकारी ग्राम विकास अधिकारी, पशु व खण्ड विकास अधिकारी को उत्तरदायी मानते हुए कठोर कार्यवाही की जायेगी।

स्वर्णप्राशन की दी गई दूसरी खुराक

कौशाम्बी। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ अनीता सिंह के मार्गदर्शन में राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, पश्चिम शरीरा एवं आरोग्य भारती काशी प्रान्त की कौशाम्बी इकाई के संयुक्त तत्वावधान एवं झण्डू फार्मा के सहयोग से गुरुवार को राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, पश्चिम शरीरा में निःशुल्क स्वर्णप्राशन शिविर का दूसरा चरण आयोजित किया गया। जन सामान्य को जागरूक करने के लिए प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर भूपेंद्र मणि त्रिपाठी ने अपने आठ वर्षीय पुत्र 'आद्यांश त्रिपाठी' को सबसे पहले स्वर्णप्राशन कराया। डॉक्टर त्रिपाठी द्वारा 33 नौनिहालों को आज स्वर्ण प्राशन की प्रथम खुराक तथा 20 बच्चों को दूसरी खुराक दी गई। डॉक्टर त्रिपाठी ने बताया की आयुर्वेद में प्रत्येक माह के पुष्य नक्षत्र में स्वर्ण प्राशन कराने का विधान है।जन्म से लेकर 16 वर्ष तक की आयु के बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया जा सकता है। स्वर्ण प्राशन के प्रयोग से बच्चे स्वस्थ, बुद्धिमान एवं परम मेधावी बनते हैं, उनका पाचन तंत्र मजबूत बनता है तथा रोगों से लड़ने की क्षमता भी बढ़ती है। अगस्त माह में पुष्य नक्षत्र के दिन पुनः स्वर्ण प्राशन कराया जाएगा। डॉक्टर भूपेंद्र मणि त्रिपाठी आयुर्वेद में एमडी हैं और कौशांबी जनपद में आयुर्वेद के प्रचार प्रसार के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। झंडू फार्मा की ओर से शिवाकांत दुबे, फार्मासिस्ट एल.बी.सिंह एवं चिकित्सालय के कर्मठ कर्मचारी सुखलाल ने आज के कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना अमूल्य सहयोग दिया।

मुख्यालय छोड़ने वाले अधिकारी कर्मचारियों पर मुख्य विकास अधिकारी की नजर टेढ़ी

अखंड भारत संदेश

कार्यालय में अधिकारी बैठना सुनिश्चित करें वरना उन पर कठोर कार्यवाही की जाएगी

सीडीओ ने कहा कि अधिकारी आमजन और जनप्रतिनिधियों का फोन भी रिसीव नहीं करते हैं यह भी उचित नहीं है

कौशाम्बी। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा प्रदेश शासन ने पूर्व में इस प्रकार के निर्देश जारी किये हैं कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारियो को उनके मुख्यालय पर ही आवासित रहकर अपने दायित्व का निर्वाहन करना है किन्तु यह देखा जा रहा है कि कई अधिकारी कर्मचारी अभी भी प्रतिदिन सायंकाल मुख्यालय छोड़कर प्रयागराज अथवा अन्य स्थानों पर चले जाते हैं। यह आपत्तिजनक है उन्होंने कहा कि मुख्यालय छोड़कर जाने वाले अधिकारी और कर्मचारी शीघ्र ही मुख्यालय पर निवास बना ले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के निवास की स्थिति का सत्यापन कराया जायेगा, और आदेशों के उल्लंघन पर आयुक्त ग्राम्य विकास को इस सम्बन्ध में कार्यवाही हेतु संस्तुति भेजी जायेगी। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि मुझे इस बात की भी शिकायत भी मिल रही है कि कुछ अधिकारी 10:00 बजे से 12:00 बजे, तक जनता की शिकायतों को सुनने व निस्तारण करने के लिए कार्यालय में उपलब्ध नही रहते हैं। जिससे उन कार्यों के लिए जो कि विकास खण्ड स्तर से ही हो जाने चाहिए थे लोग जनपद स्तर पर मुख्य विकास अधिकारी और जिलाधिकारी के पास प्रार्थना पत्र लेकर आते हैं जो गलत है और अपने कार्यालय में अधिकारी बैठना सुनिश्चित करें वरना उन पर कठोर कार्यवाही की जाएगी। जिन विकास खण्डों के पास कार्यक्रम अधिकारी का अथवा विकस खण्ड का अतिरिक्त प्रभार है. वे उन विकास खण्डों में बैठने के लिए दिन निर्धारित करे तथा उसे अपने कक्ष के सामने पेण्ट करायें तथा अपनी उपस्थिति की दशा में दिवस अधिकारी नामित करें जिसमे आमजन को वापस न होना पड़े उन्होंने कहा कि साथ ही यह भी ज्ञान में लाया गया है कि कुछ अधिकारी आमजन और जनप्रतिनिधियों का फोन भी रिसीव नहीं करते हैं यह भी उचित नहीं है। हम और आप सभी जनता के प्रति उत्तरदायी अधिकारी है, जन सामान्य का फोन रिसीव करना और उनकी बात का शिष्ट भाषा में उत्तर देना व कार्य कराये जाने की प्रक्रिया का समुचित परामर्श देना हम सबका दायित्व है। भविष्य में उपरोक्त शिकायतों का अवसर आप के स्तर से नहीं दिया जायेगा। यह मेरी अपेक्षा है। अन्यथा विपरीत संज्ञान लेने हेतु बाध्य होना पड़ेगा।

न्यूज झरोखा

पशु बाड़े की छत गिरने से 4 जानवर की मौत पांच जानवर गंभीर रूप से घायल

कौशाम्बी। पश्चिम शरीरा थाना अंतर्गत पुनवार गांव निवासी देवी चरण पुत्र बोडीलाल गांव के बाहर छत डालकर दर्जनों जानवर बंधे रहते हैं बृहस्पतिवार दोपहर अचानक घर की छत भरभरा कर नीचे बने जानवरों के ऊपर आ गिरी जिससे नीचे बंधी जानवर दो भैंस दो गाय की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई पांच अन्य जानवर मलबे में दबे होने के कारण पांच जानवर घायल हो गए हैं सूचना पर पहुंचे पश्चिम सरीरा थानेदार भवानी सिंह फायर फाइटर की टीम अशोक कुमार यादव ने घंटों कड़ी मशक्कत के बाद मलबे में दबे पांच जानवरों को बचा लिया है वहीं इस घटना को लेकर परिजनों में कोहराम मचा हुआ है मामले की जानकारी राजस्व विभाग को भी दे दी गई है।

ओसा मुख्य मार्ग गड्ढे में तब्दील लोग हो रहे हादसे का शिकार

कौशाम्बी। जनपद मुख्यालय का व्यस्त मार्ग ओसा महेवाघाट मार्ग में ओसा के पास सड़क में जगह-जगह गड्ढे है जिससे सड़कों पर आए दिन वाहन पलट जाते हैं बाइक सवार गिर जाते हैं हादसे के शिकार लोग चोटिल हो जाते हैं लेकिन उसके बाद भी लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने सड़क के गड्ढे की मरम्मत कराने का प्रयास नहीं किया है कुछ समय पूर्व इस सड़क का निर्माण किया गया था लेकिन घटिया निर्माण के चलते समय से पूर्व सड़क खराब हो गई है जिसका खामियाजा आम जनता भुगत रही है लोगों ने अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए सड़क की मरम्मत कराए जाने की मांग की है।

अ.भा. युवा कुशवाहा महासभा के अध्यक्ष बने अमृत लाल मौर्य

अझुवा कौशाम्बी। अखिल भारतीय युवा कुशवाहा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमन सिंह कुशवाहा ने अमृत लाल मौर्य को कौशाम्बी जिलाध्यक्ष बनाया है ।अमृतलाल मौर्य कौशाम्बी जिले के बगहा कनवार गांव के निवासी हैं ,एक बेहद मिलनसार व्यक्तित्व के मालिक हैं जिनका क्षेत्र के युवाओं में बहुत ही अच्छा प्रभाव है जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर अमृत लाल मौर्य ने कहा कि महासभा ने जो उन्हें जिम्मेदारी दी उस पर शत प्रतिशत खरे उतरने का प्रयास करेंगे महासभा द्वारा दिये गए सिद्धांतों को अक्षरशः पालन कर महासभा को मजबूत करेंगे जिलाध्यक्ष बनने की जानकारी पर उनके समर्थकों ने उन्हें फूल माला पहनाकर स्वागत करते हुए एक दूसरे का मुंह मीठा कराया है इस अवसर पर उमेश मौर्य, दिलीप मौर्य सहित उनके दर्जनों समर्थक मौजूद रहे।

डीएम का निर्देश नहीं मानते बेरूवा पेट्रोल पंप संचालक

चरवा कौशांबी। बोतल में पेट्रोल देने पर जिलाधिकारी ने पूरी तरह से रोक लगाई है लेकिन निदेर्शों का पालन होता नहीं दिख रहा है कुछ रुपए कमाई की लालच में पंप संचालक अधिकारियों के निदेर्शों की धज्जियां उड़ाने में संकोच नहीं कर रहे हैं चायल तहसील क्षेत्र के भानु प्रताप सिंह फिलिंग स्टेशन बेरूवा में जिला अधिकारी के निर्देश की धज्जियां उड़ाई जा रही है एचपी के इस पेट्रोल पंप में खुलेआम बोतल में पेट्रोल दिया जा रहा है पेट्रोल पंप की जांच करने वाले अधिकारी अंजान बने हुए हैं पेट्रोल ले जाने वाले लोग पेट्रोल का उपयोग कहां करते हैं यह जांच का विषय है हिंदुस्तान पेट्रोलियम कंपनी के अधिकारी भी पेट्रोल पंप संचालक की मनमानी पर रोक नहीं लगा पा रहे हैं। ग्राहकों की मानें तो इस पंप में मिलावट खोरी और नाप में कमी भी आम बात हो गई है नाप के समय मीटर जंप कर रहा है। सूत्रों की मानें तो मशीनों में चिप लगाई गई है लेकिन बांट माप अधिकारी से लेकर पूर्ति विभाग के अधिकारियों ने भी पंप की जांच कर अव्यवस्था में सुधार करने का प्रयास नहीं किया है।

गाली गलौज कर मजदूर को लात घूसों से पीटा

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के चक बादशाहपुर गांव निवासी महावीर सरोज पुत्र पृथ्वीपाल इलाहाबाद में मजदूरी करते हैं और मनौरी में साइकिल खड़ी करके वह प्रतिदिन इलाहाबाद जाते हैं 27 जुलाई को वह वापस इलाहाबाद से लौटे और मनौरी से अपने साइकिल लेकर बलीपुर टाटा गांव पहुंचा था वहां पहले से 3 लोग मौजूद थे जो मुर्गा कटवा रहे थे जिस पर तीनों लोगों ने मजदूर को रोक लिया और कहा कि मोबाइल क्यो जला रहा है जब मजदूर ने कहा कि अपना मोबाइल जला रहा हूं तो तीनों लोगों ने उसे गाली गलौज करते हुए लात घूसों से पीटा है आरोप है कि जेब में रखा ढाई हजार नगद आधार कार्ड और काम की पर्ची छीन लिया है मामले की शिकायत चरवा पुलिस से की गई है।

छात्रवृत्ति मास्टर डाटा की अंतिम तिथि 22 अगस्त

कौशांबी। जिला समाज कल्याण कार्यालय द्वारा जानकारी दी गई है कि उच्च शिक्षण संस्थान में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों को मास्टर डाटा छात्रवृत्ति आवेदन करने की शासन ने अंतिम तिथि 22 अगस्त निर्धारित की है उन्होंने समस्त छात्रों और उनके अभिभावकों से कहा कि वह छात्रवृत्ति मास्टर डाटा का आवेदन 22 अगस्त के पूर्व कर ले जिससे उन्हें छात्रवृत्ति का लाभ मिल सके बता दें कि कक्षा 11 वा 12 से ऊपर के छात्रों के लिए यह योजना है।

कुछ ही माह पूर्व बनायी गई नाली हुई धराशायी, जिम्मेदारों की खुली पोल

अखंड भारत संदेश

विदेशी-इलाहाबादी ठेकेदार का एक और कारनामा, यदि हुई जांच तो होगी रिकवरी

अझुवा कौशाम्बी। प्रदेश सरकार नगरीय निकायों को विकास की पटरी पर दौड़ाना चाहती है वहीं नगर पंचायत अझुवा के जिम्मेदार चहेते ठेकेदार से मानक विहीन कार्य करवा कर मालामाल होना चाहते हैं ।यूं तो नगर पंचायत अझुवा आदर्श नगर पंचायत पंडित दीन दयाल उपाध्याय नगर पंचायत के तमगे से नवाजी गयी है लेकिन भ्रस्टाचारी जिम्मेदारों के चहेते ठेकेदारों से विकास त्राहि त्राहि कर रहा है उसकी बानगी देखने के लिए नगर पंचायत अझुवा के वार्ड नं 2 अम्बेडकर नगर दलित बस्ती में जाये तो बेहतर होगा यहां के बाशिंदों के अनुसार अभी 2 माह पहले बनी मानक विहीन गुणवत्ता विहीन नाली निर्माण करवाकर ठेकेदार और नगर के जिम्मेदारों ने अपनी तिजोरी भरने का प्रयास किया है जो अल्प समय मे धराशायी हो गयी,अब इसमें भी रिपेयरिंग के नाम पर खेल होगा। यहां यह कोई नई बात नही है यहाँ केवल कमीशन का खेल होता है कहने को तो नगर के चहुओर नाली सड़कों का जाल बिछाया गया जो वर्ष अंतराल पर धराशायी हो जाते हैं जिम्मेदार भ्रस्टाचार कर लाखों डकार जाते हैं लेकिन क्या गुणवत्ता की जांच जिम्मेदार करते हैं। वार्ड के निवासियों ने जिलाधिकारी से नगर में हो रहे भ्रस्टाचार की जांच की अपील की है।

ध्वस्त नाली

अधूरी नाली बनाकर भाग गया ठेकेदार गांव में भरा पानी

कौशांबी। चायल तहसील क्षेत्र के चरवा नगर पंचायत के सिरसी में लोक निर्माण विभाग से नाली निर्माण का कार्य लाखों की लागत से कराया गया था नाली को आगे पुल में मिलाना था जिससे गांव का पानी बाहर निकल सके लेकिन अधूरी नाली निर्माण कर ठेकेदार काम छोड़कर भाग गए हैं पुल में नाली नहीं मिलाई गई है जिससे नाली का पानी गांव में भरा रहता है और ग्रामीणों को आने जाने में दिक्कतों से जूझना पड़ता है पूर्व में कई बार ग्रामीणों ने मामले की जानकारी विभागीय अधिकारियों को दी लेकिन उसके बाद भी काम छोड़ कर भाग जाने वाले ठेकेदार की नकेल नहीं कसी गई है सूत्रों की मानें तो विभागीय अधिकारियों से ठेकेदार की जमकर कमीशन खोरी होती है जिससे अधूरा काम करने वाले ठेकेदार पर विभाग के अधिकारी कार्यवाही नहीं कर सके ग्रामीणों ने आला अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए नाली को पुल तक मिलाए जाने की मांग की है।

84 मृतक कृषकों के वारिसों को दी गई आर्थिक सहायता

कौशाम्बी। राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा जनपद कौशाम्बी को मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना का बजट प्राप्त हुआ है जिसमें वित्तीय वर्ष-2022-23 में उत्तर प्रदेश के कृषकों के लिए संचालित मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना हेतु जनपद को प्रथम किस्त के रूप में कुल चार करोड़ पॉच लाख 20 हजार का बजट आवंटन किया गया है आवंटित धनराशि को प्रदत्त निदेर्शानुसार मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत 84 मृतक कृषकों के वारिसों लाभार्थियों को आर्थिक सहायता दिये जाने के लिए ऑनलाइन भुगतान हेतु कार्यवाही कर दी गयी है ज्ञातब्य है कि मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत प्रति मृतक कृषक के वारिस/लाभार्थी को 05 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान किये जाने का प्राविधान है।

कैम्प लगाकर बनाया जा रहा गोल्डेन कार्ड

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निमार्ण कमर्कार कल्याण बोर्ड के माध्यम से आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तगर्त गोल्डेन केकार्ड बनाये जाने हेतु 25 जुलाई से 14 अगस्त 2022 तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है यह जानकारी श्रम प्रवतर्न अधिकारी महंत प्रजापति ने देते हुए बताया कि जनपद में गोल्डेन कार्ड बनवाने हेतु 34 हजार 788 परिवारों का लक्ष्य आवंटित है उन्होंने बताया कि जनपद के सभी विकास खण्डों में एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में श्रम विभाग स्वास्थ्य विभाग पूर्ति विभाग एवं जनसेवा केन्द्र के सहयोग से 25 जुलाई से 14 अगस्त 2022 तक कैम्प का आयोजन किया जा रहा है।

25 हजार का इनामिया अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना पिपरी पुलिस पुलिस बल व एसओजी टीम द्वारा 25 हजार का इनामिया व गैगेस्टर एक्ट थाना सराय अकिल से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त मनीष पाण्डेय पुत्र कीर्तन लाल पाण्डेय निवासी ईए1/109 एडीए कालोनी नैनी जनपद प्रयागराज को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

बेसिक शिक्षा का पूरा सिस्टम चौपट, नहीं सुधरी व्यवस्था

अखंड भारत संदेश

बार-बार अधिकारी करते रहे सरकारी स्कूल की जांच लेकिन नहीं सुधरी व्यवस्था

सरकारी स्कूल में जमीन में भोजन करते छात्र

पश्चिम शरीरा कौशांबी। शासन से लेकर के जिले और मंडल के अधिकारी शिक्षा व्यवस्था सुधार करने का बार-बार निर्देश दे रहे हैं लेकिन कौशांबी जिले के सरकारी स्कूलों की व्यवस्था में सुधार होता नहीं दिख रहा है शिक्षा विभाग का पूरा सिस्टम चौपट हो गया है विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था पूरी तरह से चौपट है स्वच्छता अभियान की सरकारी विद्यालय में धज्जियां उड़ाई जा रही है दोपहर भोजन मिड डे मील योजना के नाम पर स्कूल के बच्चों के बजाय अध्यापकों के परिजन पुष्ट हो रहे हैं लेकिन व्यवस्था को देखने वाले नजरअंदाज कर भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को बढ़ावा दे रहे हैं जिससे परिषदीय स्कूलों की व्यवस्था जिले में पूरी तरह चौपट है शिक्षा व्यवस्था की हकीकत देखनी है तो सरसावा विकासखंड के महेवा घाट कम्पोजिट विद्यालय चलना होगा

महेवा घाट के कम्पोजिट विद्यालय में बीते तीन दशक से स्थिति नहीं सुधर सकी है प्रत्येक वर्ष कई बार विद्यालय का निरीक्षण अधिकारियों द्वारा किया जाता है और व्यवस्था सुधार करने का निर्देश देकर औपचारिकता निभाई जा रही है जिसका खामियाजा स्कूल के छात्र भुगत रहे हैं महेवा घाट स्थित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय को संयुक्त विद्यालय में शामिल कर दिया गया है इस विद्यालय में मिड डे मील योजना में मानक के अनुसार भोजन नहीं बन रहा है आए दिन अधिकारियों तक चर्चा जाती है लेकिन व्यवस्था में सुधार नही हो सका है स्कूल का सिलेंडर चोरी हो चुका है जिससे रसोइया को चूल्हे में लकड़ी जला कर खाना बनाना पड़ता है बच्चों को भोजन करने के लिए लाखों की लागत से भोजन सेट बनाया गया लेकिन भोजन सेट सूअरों का आश्रय स्थल बन गया है और पूरे भोजनालय में सुअरों का मल मूत्र पड़ा हुआ है जहां गंदगी के बीच बच्चे भोजन करते हैं आखिर स्वच्छ भारत अभियान का मकसद इस विद्यालय में क्यों नहीं सफल हो रहा है यह तमाम सवाल पूरे सिस्टम पर सवाल खड़ा कर रही है विद्यालय में कक्षा 7 और 8 के कमरे झरना बन गए हैं छत में पानी भर जाने के बाद छत टपक रही है और टपक रही छत के नीचे स्कूली छात्र पढ़ाई करते हैं मरम्मत कराने का प्रयास शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने नहीं किया है इस विद्यालय में लाखों रुपए खर्च करके शौचालय मूत्रालय का निर्माण तो कराया गया है लेकिन विद्यालय के शौचालय मूत्रालय में प्रधानाध्यापक ने ताला जड़ दिया छात्रों ने बताया कि बीते कई वर्षों से विद्यालय के शौचालय मूत्रालय का ताला नहीं खोला गया है आखिर शौचालय मूत्रालय में ताला बंद करने का क्या उद्देश्य था बार-बार जांच के बाद भी अधिकारी ताला बंद करने वालों पर मुकदमा दर्ज कराते हुए विभागीय कार्रवाई नहीं कर सके इतना ही नहीं शिक्षा विभाग के स्थानांतरण नीति का भी पालन इस विद्यालय में नहीं हो सका है 16 वर्षों से एक शिक्षक इस विद्यालय में कब्जा जमाए बैठा है स्थानांतरण नीति न होने के पीछे शिक्षा विभाग का कौन अधिकारी दोषी है जिसके चलते 16 वर्षों से एक अध्यापक का स्थानांतरण नहीं हो सका है विद्यालय में पीने की पानी की समस्या थी 463 छात्रों के शिक्षा ग्रहण करने के बीच केवल एक हैंडपंप लगा है जो पर्याप्त नहीं था जिस पर 75 हजार रुपए की धनराशि मंजूर करने के बाद विद्यालय में पानी की टंकी लगाने का निर्देश दिया गया बजट भी स्वीकृति हो गया और चचाओं पर जाए तो खाते थे कई महीने पहले बजट निकाल भी लिया गया है लेकिन अभी तक टंकी लगाए जाने की योजना पूर्ण नहीं हो सकी है 2 हजार रुपए की टँकी खरीद कर विद्यालय के कमरे में रख दी गई है जबकि अन्य सामान जिम्मेदारों के घर पहुंच चुके हैं से यह योजना भी इस विद्यालय में नहीं लागू हो सकी पूरी व्यवस्था चौपट होती रही और खंड शिक्षा अधिकारी धृतराष्ट्र बने मौज करते रहे जांच करने वाले खंड शिक्षा अधिकारी और बेसिक शिक्षा अधिकारी किस तरह से महेवाघाट विद्यालय की मानिटरिंग कर रहे हैं यह सवाल भी उन पर खड़ा हो रहा है यदि योगी सरकार ने महेवाघाट विद्यालय के दुर्दशा की उच्च स्तरीय जांच कराई तो स्कूल की व्यवस्था चौपट करने के मामले में कार्यवाहक प्रधानाचार्य के साथ साथ शिक्षा विभाग के अधिकारियों की भी लापरवाही संलिप्तता उजागर होना तय है लेकिन क्या चौपट व्यवस्था को सुधार करते हुए दोषियों को योगी सरकार दंडित करेगी यह तमाम सवाल व्यवस्था पर खड़े हो रहे हैं।

संपादकीय

सुखद होती भारतीय एथलेटिक्स की तस्वीर

विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में भारतीय खिलाड़ी पिछले कुछ समय से बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। देश को गौरवान्वित करते ऐसे ही खिलाड़ियों में भारतीय एथलीट नीरज चोपड़ा भी शामिल हैं, जिन्होंने टोक्यो ओलम्पिक में इतिहास रचने के एक साल बाद पिछले दिनों अमेरिका के ओरेगन में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। ओलम्पिक खेलों में 121 वर्षों के इतिहास में कोई भी भारतीय एथलीट पदक नहीं जीत सका था और नीरज ओलम्पिक में पदक जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक एंड फील्ड एथलीट बने थे। टोक्यो में स्वर्ण पदक पदक जीतकर नीरज ने भारतीय एथलेटिक्स के एक नए युग की शुरूआत की थी और अब वह विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में भारत का 19 साल का सूखा भी खत्म कर दिया। उल्लेखनीय है कि विश्व चैंपियनशिप में भारत का अब तक का यह दूसरा पदक है, 2003 में लांग जंपर अंजू बॉबी जॉर्ज ने पेरिस में भारत को पहला पदक कांस्य दिलाया था। ओरेगन विश्व चैंपियनशिप 2022 में नीरज चोपड़ा ने क्वालिफिकेशन में 88.39 मीटर के साथ फाइनल में जगह बनाई और पदक राउंड में 88.13 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो करके रजत पदक जीता जबकि 90.54 मीटर की दूरी के साथ एंडरसन पीटर्स स्वर्ण पदक जीतकर विश्व चैंपियन बने, जिन्होंने फाइनल में तीन बार 90 मीटर के मार्क को पार किया। नीरज हालांकि थोड़े से अंतर से स्वर्ण पदक जीतने से चूक गए लेकिन भारत के लिए उनको मिली चांदी भी सोने से कम नहीं है। 18 साल की उम्र में नीरज वर्ष 2016 में आईएएएफ अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर किसी भी इवेंट और किसी भी उम्र के स्तर पर विश्व चैंपियन बनने वाले पहले भारतीय ट्रैक एंड फील्ड एथलीट बने थे और वह बेमिसाल उपलब्धि हासिल करने के बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। पोलैंड में आयोजित उस जूनियर चैंपियनशिप में नीरज ने 86.48 मीटर के विजयी थ्रो के साथ विश्व रिकॉर्ड भी बनाया था। उनसे पहले 84.69 मीटर थ्रो के साथ यह रिकॉर्ड लातविया के जिगिस्मंड्स सिरमाइस के नाम दर्ज था। वैसे 24 दिसम्बर 1997 को हरियाणा के पानीपत जिले के खांद्रा गांव में एक छोटे किसान के घर जन्मे नीरज टोक्यो ओलम्पिक में इतिहास रचने से पहले भी कई बड़ी-बड़ी चैम्पियनशिप जीत चुके हैं। भारतीय सेना के सूबेदार नीरज एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों, एशियन चैंपियनशिप, साउथ एशियन गेम्स तथा विश्व जूनियर चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक अपने नाम कर चुके हैं। 2016 में पोलैंड में जूनियर चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के बाद ही नीरज को सेना में जूनियर कमीशंड ऑफिसर के तौर पर नियुक्ति दी गई थी। मार्च 2021 में उन्होंने इंडियन ग्रैंड प्रिक्स-3 में 88.07 मीटर जैवलिन थ्रो के साथ अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया था। जून 2021 में पुर्तगाल के लिस्बन शहर में हुए मीटिंग सिडडे डी लिस्बोआ टूर्नामेंट में नीरज ने स्वर्ण पदक जीता था।

सेना को जातिवाद से जोड़ने की राजनीति

डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी

सेना में अग्निवीरों की भर्ती में जाति और धर्म के बारे में पूछे जाने पर कंट्रोवर्सी चल रही है। विपक्षी नेताओं के आरोप हैं कि जाति और धर्म के बारे में पहली बार पूछा गया। उधर, सरकार का कहना है कि यह व्यवस्था पहले से लागू है और सेना की भर्ती से जाति या किसी भी धर्म का कोई लेना-देना नहीं। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने अग्निपथ योजना से जुड़े तमाम कानूनी विवादों को दिल्ली हाई कोर्ट को सौंप दिया है। अब देश में कोई भी अन्य अदालत अग्निपथ के मामलों की सुनवाई नहीं कर सकती। आखिरी फैसले तक पहुंचने से पहले सर्वोच्च अदालत दिल्ली हाईकोर्ट का अभिमत जानना चाहती है, लेकिन हमारी सियासी जमात में राष्ट्रीय जनता दल, आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस ने अग्निपथ भर्ती योजना को जातिवाद से जोड़ दिया है। शिक्षा और बौद्धिक विवेक के स्तर पर अधकचरी राजनीति ने सवाल करने शुरू किए हैं कि जब सेना में आरक्षण की व्यवस्था ही नहीं है, तो भर्ती के आवेदकों से जाति प्रमाण-पत्र क्यों मांगे जा रहे हैं? विपक्ष के आरोप और सरकार के जवाब की अगर गहराई में जाए तो पता चलता है कि सेना में कास्ट, कम्युनिटी और रीजन बेस्ड रेजिमेंट्स यानी सैन्य दल अंग्रेजों ने बनाए थे, जो आज भी कायम हैं। हालांकि, सेना की भर्ती में जाति, धर्म, समुदाय का कोई रोल नहीं होता। खुद आर्मी ने 2013 में सुप्रीम कोर्ट में एफिडेविट जमा करते हुए कहा था कि सेना में जाति, क्षेत्र और धर्म के आधार पर भर्ती नहीं होती। वहीं रेजिमेंट्स में एक ही क्षेत्र से आने वाले लोगों को जस्टिफाई करते हुए कहा था कि ऐसा एडमिनिस्ट्रेटिव और ऑपरेशनल रिक्वायरमेंट्स के चलते किया जाता है। सरकार के प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो, यानी पीआईबी ने 10 दिसंबर 2021 को बताया कि सेना में अभी कुल 27 इंफ्रेंट्री रेजिमेंट्स (पैदल चलने वाला सैन्यदल) हैं। इनमें सबसे पुरानी 1705 में बनी पंजाब रेजिमेंट है। राजद नेता तेजस्वी यादव ने तो यहां तक खोखले आरोप लगाए हैं कि चार साल के कार्यकाल के बाद जिन 25 फीसदी अग्निवीरों को पात्रता और योग्यता के आधार पर चुना जाएगा, संघ और भाजपा जाति-धर्म देखकर सैनिकों की छंटनी कर सकें, लिहाजा जाति प्रमाण-पत्र लिए जा रहे हैं। सेना में जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र, नस्ल आदि के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाता। सभी जवान एक साथ रहते हैं, एक साथ देश के लिए लड़ते हैं और एक साथ ही, एक ही प्रकार का खाना खाते हैं, यह निष्कर्ष हमारा नहीं, बल्कि उन जनरलों का है, जिन्होंने सेना में दशकों खपाए, युद्धों और ऑपरेशनों का नेतृत्व किया और असंख्य युवाओं की भर्तियां भी करते रहे।

महात्मा गांधी का सामाजिक प्रयोग

गिरीश्वर मिश्र

आजकल विभिन्न राजनीतिक दलों के लोक लुभावन पैंतरों और दिखावटी सामाजिक संवेदनशीलता के बीच स्वार्थ का खेल आम आदमी को किस तरह दुखी कर रहा है यह जगजाहिर है। परंतु आज से एक सदी पहले पराधीन भारत में लोक संग्रह का विलक्षण प्रयोग हुआ था। इंग्लैण्ड, दक्षिण अफ्रीका और भारत में जीवन का अधिकांश हिस्सा बिताने के बाद उम्र के सातवें दशक में पहुंच रहे अनुभवी-परिपक्व गांधीजी ने आगे के समय के लिए वर्धा को अपनी कर्मभूमि बनाया था। नागपुर से 75 किलोमीटर की दूरी पर स्थित वर्धा अब रेल मार्गों और कई राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ चुका है। तब महात्मा गांधी ने धूल-मिट्टी-सने और खेती-किसानी के परिवेश वाले इस पिछड़े ग्रामीण इलाके को चुना और गाँव के साधारण किसान की तरह श्रम-प्रधान जीवन का वरण किया। इसके पीछे उनकी यह सोच और दृढ़ विश्वास था कि भारत का भविष्य देश के गाँवों के सशक्त होने में निहित है। उनकी दृष्टि में स्वतंत्रता का प्रयोजन सिर्फ राजनैतिक सत्ता-परिवर्तन तक सीमित न होकर पूरे भारतीय समाज की सर्वोन्मुखी उन्नति या सर्वोदय था। गांधीजी ने यह संदेश भी दिया कि सामाजिक जीवन को समग्रता में देखने की आवश्यकता है और शिक्षा, स्वास्थ्य, राजनैतिक चेतना, आजीविका और सामाजिक जीवन सभी एक-दूसरे से अभिन्न रूप से गुंथे हुए हैं, इस काम में समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलना होगा और इसकी पद्धति विकेन्द्रित होगी। राजनीतिक जीवन का उनका सघन अनुभव सामाजिक परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ने के लिए धकेल रहा था। वह राजनीति के प्रयोजन को व्यावहारिक स्तर पर पुनर्परिभाषित कर रहे थे। सन 1930 में दांडी सत्याग्रह के दौरान गांधीजी को लगा कि स्वतंत्रता आंदोलन का केंद्र भौगोलिक दृष्टि से भारतवर्ष के मध्य में होना चाहिए। इसका समाधान तब मिला जब सेठ जमनालाल बजाज के आग्रह पर गांधीजी 1934 में वर्धा पहुँचे। आरंभ में जमनालाल जी द्वारा दिए गए एक बड़े भूखंड पर अखिल भारतीय ग्रामोद्योग संघ की शुरूआत की ताकि गावों की हस्त-कलाएं और हुनर, खेती से जुड़े कुटीर उद्योग, सफाई और अस्पृश्यता-निवारण आदि सामाजिक- आर्थिक कार्यों को अमलीजामा पहनाया जा सके। यह स्थान "मगनवाड़ी"

के रूप में विख्यात हुआ। ग्रामीणों को खादी, चरखा चलाने, हिसाब-किताब करने, दुग्ध उत्पादन, तेल निकालने और अन्य आर्थिक कार्यों के लिए प्रशिक्षण दिया जाने लगा। निश्चय ही यह सब स्वावलंबन के सहारे स्वदेशी और सर्वोदय के आंदोलन को जमीनी स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए शुरू किया गया एक क्रांतिकारी सामाजिक प्रयोग था। इस तरह वर्धा राष्ट्र-निर्माण के लिए रचनात्मक कार्यक्रमों की प्रयोगशाला बन गया। मगनबाड़ी में दो साल बड़े काम के रहे पर गांधीजी गाँव में रहने वाले एक सीधे-साधे किसान की जिंदगी जीना चाहते थे। कस्बे के किनारे मगनबाड़ी से दस किलोमीटर दूर एक निर्जन से इलाके में "सेगाँव" नामक स्थान पर आश्रम स्थापित करने का निश्चय हुआ। जमनालाल जी द्वारा दी गई जमीन पर आश्रम का निर्माण हुआ। सन 1936 में 67 वर्ष की आयु वाले गांधीजी सेगाँव पहुंचे और वहीं स्थायी रूप से रहने लगे। उन्होंने इसका नाम बदल कर 1940 में "सेवा ग्राम" (सेवा करने के लिए स्थान) रख दिया। वहीं कस्तूरबा और अपने कई अनुयायियों के साथ कुछ कुटियों में वे रहे। सार्वजनिक रसोई में दलित अस्पृश्य लोगों को लगाया गया ताकि लोगों के मन से अस्पृश्यता की घृणा की बाधा पार हो। महादेव देसाई, प्यारे लाल और राजकुमारी अमृत कौर ने सचिव का दायित्व संभाला। गांधीजी की कुटी की छत बांस, चटाई और खपड़े दीवारें मिट्टी से पुतीं थीं। खिड़कियां और दरवाजे भी बांस के थे। खजूर के पत्तों से चटाई बनी थी। बांस की आलमारी थी। गांधीजी ने सत्य, अहिंसा (दूसरों से प्रेम), ब्रह्मचर्य, अस्तेय (चोरी न करना), अपरिग्रह (जरूरत से ज्यादा सामान न रखना), शारीरिक श्रम, अस्वाद (स्वाद पर नियंत्रण), अभय, सर्वधर्म-समभाव, स्वदेशी और अस्पृश्यता-निवारण को आश्रम-व्रत नियत किया था। आश्रम का लक्ष्य गया रखा था- बिना घृणा के मातृभूमि की सेवा, दूसरों को दुःख दिए बिना अध्यात्म का विकास, साधन और साध्य की पवित्रता और आत्म-निर्भरता। आश्रम में गांधीजी एक अनुशासित दिनचर्या के अनुसार कार्य करते थे। वे समय के बड़े पाबन्द थे। वे सुबह 4.00 बजे बिस्तर से उठ जाते थे और 9.00 बजे रात को सोने जाते थे। सोमवार को मौन रहते थे। प्रातःकाल और संध्या समय प्रार्थना होती थी जिसमें सभी धर्मों की प्रार्थनाएं होती थीं। नरसीदास का भजन "वैष्णव जन तो तेने कहिए" और भगवद्गीता का द्वितीय अध्याय गांधीजी को बड़े प्रिय थे। सेवाग्राम की कार्यपद्धति सर्वोदय पर टिकी थी। गांधीजी का दृढ़ विचार था कि व्यक्ति का कल्याण सर्व के कल्याण में निहित है और श्रमशील जीवन ही श्रेष्ठ है। गांधीजी ने सात सामाजिक पापों के प्रति आगाह किया था- सिद्धांत विहीन राजनीति, श्रम बिना धन, नैतिकता बिना व्यापार, चरित्र बिना शिक्षा, विवेक बिना सुख, मानवता बिना विज्ञान तथा त्याग बिना पूजा। गांधीजी ने एक व्यापक रचनात्मक कार्यक्रम आरंभ किया था जो सामुदायिक एकता, अस्पृश्यता निवारण, शराबबंदी, खादी, ग्रामोद्योग, ग्रामीण स्वच्छता, शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा, स्त्री, स्वास्थ्य शिक्षा, देशी भाषा, राष्ट्रभाषा, आर्थिक समानता, किसान, श्रम, आदिवासी, कुष्ठ रोग, विद्यार्थी जीवन की समस्याओं से जुड़ा था। सेठ जमनालाल बजाज का गांधीजी के विचारों और कार्यों में अगाध विश्वास था और गांधीजी का भी उन पर बड़ा स्नेह था। उनको वे अपना पांचवां पुत्र कहते थे। दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद गांधीजी के जीवन और कार्यों ने जमनालाल जी के मन पर अमिट छाप छोड़ी थी। साबरमती आश्रम में वे पत्नी और बच्चों के साथ कुछ दिन रहे जहां गांधीजी की राष्ट्र-भक्ति, सीधी-सादी जीवन-चर्या, नीतियां और कार्यक्रम आदि का साक्षात अनुभव किया और बेहद प्रभावित हुए। जमनालाल जी के आवास-परिसर बजाजबाड़ी में पंडित जवाहर लाल नेहरू, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, मौलाना अबुल कलाम आजाद, सरदार वल्लभ भाई पटेल, सीमांत गांधी खान अब्दुल गफ्फार खान, आचार्य कृपालानी, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, सरोजिनी नायडू आदि आते रहे। बजाजबाड़ी के निकट गांधी चौक पर बाल गंगाधर तिलक, महात्मा गांधी और इस क्षेत्र के प्रख्यात संत साने गुरूजी, संत गाडगे जी महाराज और संत तुकड़ो जी महाराज आदि के सार्वजनिक व्याख्यान होते थे। बापू के आग्रह पर

> गांधीजी का दृढ़ विचार था कि व्यक्ति का कल्याण सर्व के कल्याण में निहित है और श्रमशील जीवन ही श्रेष्ठ है। गांधीजी ने सात सामाजिक पापों के प्रति आगाह किया था- सिद्धांत विहीन राजनीति, श्रम बिना धन, नैतिकता बिना व्यापार, चरित्र बिना शिक्षा, विवेक बिना सुख, मानवता बिना विज्ञान तथा त्याग बिना पूजा। गांधीजी ने एक व्यापक रचनात्मक कार्यक्रम आरंभ किया था

सेगांव में उनकी कुटी का निर्माण लकड़ी, मिट्टी, ईंट-गारे के स्थानीय संसाधनों से किया गया। एक बंजर भूमि में कामचलाऊ बांस आदि से बनी झोपड़ी में रहे, जब तक आदि निवास नहीं बन गया। जब भीड़ बढ़ने लगी तो वह एक दूसरी कुटी में चले गए। फिर कुछ और कुटियाँ भी बनीं। एक सार्वजनिक रसोई भी बनी। सहजता, आध्यात्मिकता और आदर्श की भावना से ओत-प्रोत देश-सेवा को समर्पित यह आश्रम उस समय भारत की राजधानी सरीखा था। वाइसराय लिन लिथिगो ने गांधीजी के साथ संपर्क बनाने के लिए टेलीफोन की हॉटलाइन लगवाई थी। वे एक रात गांधीजी के साथ स्वयं भी आश्रम में रहे। सामान्य जीवन शैली अपनाते हुए जीवन का अभ्यास किया, जिसमें जरूरत भर का तो हो पर लोभ न हो। सन 1936 में हिन्दी भाषा को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रभाषा प्रचार समिति गठित की जो तब से अनवरत कार्यरत है। अंग्रेजी शिक्षा के कटु आलोचक गांधीजी ने हस्त-कौशल पर आधृत सात साल की आयु तक निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा तथा मातृभाषा में शिक्षा पर जोर दिया। उनकी "नई तालीम" में हृदय, मस्तिष्क और हाथ तीनों के उपयोग पर बल दिया गया। सेवा ग्राम में रचनात्मक कार्यक्रमों की प्रयोगशाला खड़ी हो गई और नैतिक व सांस्कृतिक मूल्यों को कार्य रूप दिया जाने लगा। यहाँ के प्रसिद्ध लक्ष्मी नारायण मंदिर में दलितों के साथ प्रवेश किया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की बैठकें यहाँ होती रहीं। यहीं 1942 में शुरू हुए प्रसिद्ध "अंग्रेजों भारत छोड़ो" के निर्णायक आंदोलन का फैसला लिया गया था। सन 1946 में गांधीजी यहाँ से दंगाग्रस्त नोआखाली में शांति बहाल करने निकले, फिर वापस नहीं आए। गांधीजी ने अहिंसक असहयोग आंदोलन को स्वदेशी की अवधारणा से जोड़ा और विदेशी सामग्री का बहिष्कार किया। खादी वस्त्र का उपयोग बढाया, राजनीति की सामाजिक प्रासंगिकता स्थापित किया तथा आत्मबल व नैतिकता को व्यावहारिक आदर्श बनाकर दिखाया। महात्मा गांधी के इस वर्धा प्रयोग में सेठ जमनालाल बजाज ने तन, मन और धन के साथ गांधीजी के रचनात्मक कार्यों में भरपूर सहयोग किया और उसमें शामिल हुए। यह प्रयोग लोक संग्रह की अद्भुत मिसाल है और लोक धर्मी शासन के लिए बहुत सारे संकेत भी देता है। आज जब आजादी के अमृत महोत्सव की बात हो रही है तो हमारे राजनीतिक दलों को आत्म निरीक्षण करना चाहिए कि वे किस तरह सही अर्थों में लोक की ओर अभिमुख हो सकेंगे।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

मुफ्त की संस्कृति पर लगाम लगाना जरूरी

ललित गर्ग

मुफ्त की रेवड़ियां बांटने वाली राजनीति देश के विकास की एक बड़ी बाधा है, यह आम जनता को अकर्मण्य एवं कामचोर बनाने के साथ-साथ राजनीति को दूषित करती है। जो नेता इसे परोपकार मानते हैं, वे देश की जनता को गुमराह करते हैं। यह सरासर प्रलोभन एवं चुनावों में अपनी जीत को सुनिश्चित करने का हथियार है और नेताओं की जीत का ताकतवर मोहरा है। जीत के लिए जनता से मुफ्त सामान का वादा, राज्य के खजाने पर भारी आर्थिक असंतुलन का कारण है। अब इस मुफ्त संस्कृति एवं रेवड़िया बांटने के राजनीतिक प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट ने उचित ही सवाल उठाते हुए केंद्र सरकार से यह स्पष्ट करने को कहा है कि चुनावों के दौरान राजनीतिक पार्टियों की ओर से मुफ्त में चीजें बांटने या ऐसा करने का वादा करने को वह कोई गंभीर मुद्दा मानती है या नहीं? अदालत ने केंद्र को वित्त आयोग से यह भी पता लगाने को कहा कि पहले से कर्ज में डूबे राज्य में मुफ्त की योजनाओं पर अमल रोका जा सकता है या नहीं? प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी उन राजनीतिक दलों पर निशाना साधा जिन्होंने चुनावी घोषणाओं में देश की जनता को मुफ्त की चीजों का लालच देकर वोट हासिल करने की साजिश की है। निश्चित ही मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का बढ़ता प्रचलन देश के विकास के लिए हानिकारक है। श्रीलंका आज बबार्दी के जिस कगार पर पहुँचा है तो इसका सबसे बड़ा कारण जनता को मुफ्त की रेवड़ियां बांटना ही है। लोकतन्त्र में यह मुफ्त बांटने की मानसिकता एक तरह का राजशाही का अन्दाज ही कहा जायेगा जो लोकतंत्र के मूल्यों के विपरीत है। लोकतंत्र में कोई भी सरकार आम जनता की सरकार ही होती है और सरकारी खजाने में जो भी धन जमा होता है वह जनता से वसूले गये शुल्क या टैक्स अथवा राजस्व का ही होता है। राजशाही के विपरीत लोकतन्त्र में जनता के पास ही उसके एक वोट की ताकत के भरोसे सरकार बनाने की चाबी रहती है। दरअसल, जनता के हाथ की इस चाबी को अपने पक्ष में घुमाने एवं जीत का ताला खोलने के लिये यह मुफ्त की संस्कृति एक राजनीतिक विकृति के रूप में विकसित हो रही है। चुनावों में सत्ता हासिल करने के लिए अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों की ओर से किए जाने वाले वादे की शक्ल अब बीते कुछ समय से कोई चीजें या सुविधाएं मुफ्त मुहैया कराने के रूप में सामने आने लगी है। अगर एक पार्टी विद्यार्थियों को मुफ्त लैपटाप, वृद्धों को मुफ्त धार्मिक यात्रा, महिलाओं को मुफ्त बस सफर देने का वादा करती है तो दूसरी पार्टियां बिजली-पानी और स्कूटी या गैस सिलेंडर। हालत यह हो गई है कि इस मामले में लगभग सभी पार्टियों के बीच एक होड़ जैसी लग गई है कि मुफ्त के वादे पर कैसे मतदाताओं से अपने पक्ष में लुभा कर मतदान कराया जा सके। इससे राज्यों का आर्थिक संतुलन लड़खड़ाता है या वे कर्ज में डूबती है तो इसकी चिन्ता किसी भी दल की सरकार को नहीं है। अक्सर विकास से संबंधित किसी काम के समय पर पूरा नहीं होने को लेकर सरकारें कोष में धन की कमी और कर्ज के बोझ का रोना रोती हैं। लेकिन वहीं वे मुफ्त में लोगों को कोई सामान बांटने से लेकर बिजली या पानी जैसी योजनाएं चला कर जनपक्षीय होने का दावा करते हुए राज्य के आर्थिक बजट को डांवाडोल कर देती हैं। चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों की ओर से वादे किए जाने पर पूरी तरह रोक लगाना लोकतांत्रिक मूल्यों की सुरक्षा के लिये जरूरी है। लोगों द्वारा चुने गये प्रतिनिधि जनता के "मालिक" नहीं बल्कि "नौकर" होते हैं और केवल पांच साल के लिए जनता उन्हें देश या प्रदेश की सम्पत्ति या खजाने का रखरखाव (केयर टेकर) करने के लिए चुनती है। लेकिन राजनीति में घर कर रही विकृतियों के कारण, चरमराते राजनीतिक मूल्यों एवं येन-केन-प्रकारेण चुनाव जीतने की होड़ के चलते जन-प्रतिनिधि स्वयं को मालिक मानने की भूल करने लगे हैं। चुनावों से पहले ही मुफ्त सौगात देने के वादे करके राजनीतिज्ञ या राजनीतिक दल जनता के खजाने को निजी सम्पत्ति समझ कर मनचाही सौगात बांटने की जो घोषणा करते हैं, वह पूरी तरह लोकतन्त्र को आधिकारिक रिश्वतखोरी के तन्त्र में बदलने का एक घिनौना एवं विरोधाभासी प्रयास ही कहा जा सकता है। पिछले कुछ दौर से यह मुफ्त की संस्कृति वाली राजनीति एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। सवाल है कि लगभग हर छोटी-मोटी सुविधाओं या आर्थिक व्यवहार को "कर" के दायरे में लाने और उसे सख्ती से वसूलने वाली सरकारें इतने बड़े पैमाने पर कोई चीज कैसे मुफ्त देने लगती हैं? यह जनता को गुमराह करने का जरिया है। इसका एक अन्य पहलू यह है कि कुछ सुविधाएं या सेवाएं मुफ्त किए जाने से इतर सरकार क्या जनता से अन्य मदों में कर नहीं वसूलती है? फिर विशेष या आपात स्थिति में अगर जीवन-निर्वाह के लिए लोगों को कोई सामान निशुल्क दिया जाता है तो क्या वह सरकार की जिम्मेदारी नहीं होती है? एक आदर्श सरकार वही है जो अपनी जनता में मुफ्तखोरी में जीने की आदत डालने की बजाय उसे कर्ममय एवं उद्यमी बनाये। उन्हें रोजगार दें, काम-धंधों में लिप्त करें। जितनी राशि मुफ्त में सुविधाएं या चीजें देने में खर्च होती है, वही राशि यदि उद्यम एवं विकास में खर्च की जाये तो प्रांत का विकास होगा, बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा, समृद्धि का वातावरण बनेगा। मुफ्त की संस्कृति एवं प्रचलन पर नियंत्रण जरूरी है, इसके लिये वित्त आयोग आबंटन के समय किसी राज्य सरकार का कर्ज और मुफ्त में सामान मुहैया कराने की कीमत को देख कर अपना निर्णय ले सकता है। जाहिर है, चुनावों में जीत के लिए कोई चीज या सेवा मुफ्त मुहैया कराए जाने का सवाल विवादों के घेरे में है और इस पर कोई स्पष्ट रुख, नीति एवं प्रावधान सामने आना जरूरी है। भारत की स्थितियां श्रीलंका जैसे बनने में ज्यादा देर नहीं लगेगी। क्योंकि श्रीलंका एवं ऐसे अन्य कुछ देश आज बबार्दी की कगार पर पहुँचे हैं तो इसका सबसे बड़ा कारण यही है कि उसने खर्चों पर लगाम नहीं लगाई और जनता को मुफ्त की रेवड़ियां बांटना बंद नहीं किया। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने से श्रीलंका की तत्कालीन सरकार लोकप्रिय भी हो गयी लेकिन जब यह रेवड़ियां खत्म हो गयीं और बांटने के लिए जीरा भी नहीं बचा तो जनता ने उसी सरकार का बैंड बजा दिया जिसके जिंदाबाद के नारे वह कुछ समय पहले लगाते थे। अरविंद केजरीवाल जैसे नेताओं ने मुफ्त संस्कृति पर नियंत्रण का विरोध इसलिये किया है कि तुष्टिकरण की राजनीति के जरिये और मुफ्त की रेवड़ियों के जरिये वह सत्ता में बने रह सकते है, लेकिन वह अपने राज्य को श्रीलंका जैसी स्थिति की ओर धकेल रहे हैं। भारत में बहुत से ऐसे राज्य है जहां राजनीतिक दलों ने मतदाताओं को मुफ्त सौगात बांटने के वादे किये और सत्ता में भी आ गये मगर खजाने खाली हो गये और यहां की सरकारें भारी कर्जदार हो गईं। लोकतन्त्र में मतदाता राजनीतिक दलों की नीतियों व सिद्धान्तों व भविष्य के कार्यक्रमों को देख कर वोट देते हैं। मगर दक्षिण भारत से शुरू हुई रेवड़ी बांटने की संस्कृति या प्रचलन अब उत्तर भारत में भी शुरू हो गया है। यह मुफ्त संस्कृति के हिमायती राजनेता एक संतुलित एवं विकसित समाज की स्थापना की बजाय गरीबी का ही साम्राज्य बनाये रखना चाहते हैं, इन नेताओं की मुफ्त-सुविधाओं को पाने के लिए गरीब हमेशा गरीब ही बना रहे, यह सोच है इन तथाकथित गरीबों के मसीहा राजनेताओं की। आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए देश राजनीति की इस विकृति से मुक्त हो, यह अपेक्षित है।

इसके लिये इसी संसद के मानसून सत्र में रेवड़ी बांटने के विरुद्ध मोदी सरकार कोई विधेयक लेकर आये तो इससे भारत का लोकतंत्र मजबूत होगा एवं सशक्त भारत बनने की दिशा में हम एक कदम आगे बढ़ा सकेंगे।

डिजिटल शासन के नए युग में परास्त होते गरीब

प्रियंका

सम्मान के साथ जीने का अधिकार एक संवैधानिक अनिवार्यता है। हालाँकि, यह आज शासन में डिजिटल पहल की चचार्ओं में शायद ही कभी प्रकट होता है। केंद्रीकृत डेटा डैशबोर्ड नीतियों का आकलन करने, मानवीय गरिमा और अधिकारों तक पहुँचने में जितनी मदद करती है; उतने ही अक्सर तकनीकी खामियां किसी को अधिकारों तक पहुंचने से रोकती भी हैं। चिंता की बात यह है कि इंटरनेट और अन्य सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों तक पहुंच के बिना गरीब लोगों को नुकसान हो रहा है, क्योंकि वे डिजिटल जानकारी प्राप्त करने, ऑनलाइन खरीदारी करने , लोकतांत्रिक तरीके से भाग लेने, या कौशल सीखने और कौशल प्रदान करने में असमर्थ या कम सक्षम हैं। मौजूदा डिजिटल प्रौद्योगिकी की बढ़ती पैठ किसी देश की अधिक सामाजिक प्रगति से जुड़ी है। लेकिन निश्चित समय में बिना ज्ञान या इंटरनेट तक पहुंच के लोग प्रगति के चक्र में पीछे छूट जाएंगे। ये सच है कि इंटरनेट कनेक्टिविटी और आईसीटी उसकी भविष्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पूंजी को बढ़ा मगर इससे उन लोगों के बीच आर्थिक असमानता पैदा होती है जो प्रौद्योगिकी का खर्च उठा सकते हैं और जो नहीं उठा सकते। प्लेटफॉर्म और ऐप-आधारित समाधान गरीबों को पूरी तरह से सेवाओं से वंचित कर सकते हैं या आगे स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी पहुँच को कम कर सकते हैं। जैसे स्लॉट बुक करना फोन, कंप्यूटर और इंटरनेट के बिना उन लोगों के लिये बहुत कठिन हों सकता है। तकनीकी प्रगति तक पहुंच और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में इसकी समग्र सफलता के बीच सीधा संबंध है। कम डिजिटल गैप वाले देश अधिक डिजिटल गैप वाले देशों की तुलना में अधिक लाभान्वित होते हैं। डिजिटल डिवाइड कम आय वाले बच्चों की सीखने और बढ़ने की क्षमता को भी प्रभावित करता है। इंटरनेट एक्सेस के बिना, छात्र आज की गतिशील अर्थव्यवस्था को समझने के लिए आवश्यक तकनीकी कौशल विकसित करने में असमर्थ हैं. लगभग ६५% युवा विद्वान घर पर इंटरनेट का उपयोग असाइनमेंट को पूरा करने के साथ-साथ चर्चा बोर्डों और साझा फाइलों के माध्यम से शिक्षकों और अन्य छात्रों से जुड़ने के लिए करते हैं। एक हालिया अध्ययन से संकेत मिलता है कि व्यावहारिक रूप से ५०% छात्रों का कहना है कि वे इंटरनेट से जुड़ने में असमर्थता के कारण या कुछ मामलों में कंप्यूटर खोजने में असमर्थता के कारण अपना होमवर्क पूरा करने में असमर्थ हैं। इससे एक नया रहस्योद्घाटन हुआ है; ४२% छात्रों का कहना है कि इस नुकसान के कारण उन्हें निम्न ग्रेड प्राप्त हुआ। अगर हम ध्यान से देखे तो भारत की सामाजिक-आर्थिक समस्याओं का संबंध "डिजिटल डिवाइड" से है, जो डिजिटल क्रांति के युग के दौरान और फिर भारत में इंटरनेट क्रांति के युग के दौरान बनी रही। ग्रामीण भारत सूचना गरीबी से पीड़ित था और आज भी कहीं न कहीं है। एक तथ्य यह है कि "जैसे-जैसे आय बढ़ती है, वैसे-वैसे इंटरनेट का उपयोग भी होता है", यह दृढ़ता से सुझाव देता है कि आय असमानताओं के कारण कम से कम आंशिक रूप से डिजिटल विभाजन बना रहता है। आमतौर पर, एक डिजिटल विभाजन गरीबी और आर्थिक बाधाओं से उपजा है जो संसाधनों को सीमित करता है और लोगों को नई तकनीकों को प्राप्त करने या अन्यथा उपयोग करने से रोकता है। शीर्ष पर कुछ लोगों द्वारा सूचना को नियंत्रित किया जाता है जो इसे नीचे वालों तक सीमित रखते हैं। डिजिटल डिवाइड होने पर सोशल मीडिया के युग में राजनीतिक सशक्तिकरण और लामबंदी मुश्किल है। डिजिटल डिवाइड आबादी के अमीर-गरीब, पुरुष-महिला, शहरी-ग्रामीण आदि क्षेत्रों में बनता है। अंतर को कम करने की जरूरत है, तभी ई-गवर्नेंस के लाभों का समान रूप से उपयोग किया जा सकेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में ई-गवर्नेंस की पहल जमीनी हकीकत की पहचान और विश्लेषण करके की जानी चाहिए। सरकार को विभिन्न हितधारकों जैसे नौकरशाहों, ग्रामीण जनता, शहरी जनता, निर्वाचित प्रतिनिधियों आदि के लिए उपयुक्त, व्यवहार्य, विशिष्ट और प्रभावी क्षमता निर्माण तंत्र तैयार करने पर भी ध्यान देना चाहिए। परिवार के कमाऊ सदस्य को काम पर जाते समय फोन साथ रखना होता है। फोन और इंटरनेट तक पहुंच न केवल एक आर्थिक कारक है बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक भी है। अगर एक परिवार के पास सिर्फ एक फोन है, तो इस बात की अच्छी संभावना है कि पत्नी या बेटी इसका इस्तेमाल करने वाली आखिरी होगी। आने वाले दशक में इस बात की खास जरूरत है कि एक ऐसी प्रक्रिया को अस्तित्व में लाया जाए जिससे तकनीकी क्रांति के फायदों को सब तक पहुंचाना मुमकिन हो सके.

कोरोना वैक्सीनेशन में भारत की उपलब्धि

सुनील कुमार महला

चीन के वुहान में 31 दिसंबर वर्ष 2019 में जब कोरोना का पहला मामला सामने आया था, तब विश्व के लोगों में कोरोना के प्रति इतना भय या डर का माहौल नहीं था, लेकिन बाद में जब 30 जनवरी 2020 को कोरोना संक्रमण का मामला भारत में आया धीरे धीरे यहां के लोगों में इस महामारी के प्रति डर व खौफ का माहौल बनता गया। जैसे जैसे कोरोना का संक्रमण खतरनाक रूप से बढ़ा, इससे अनेक मौतें हुई, लॉकडाऊन लगाये गये, तब सभी ये सोच रहे थे कि इस पर कैसे काबू पाया जाये ?

भारत ने कोरोना का डटकर मुकाबला किया और वैक्सीन बना डाली और हाल ही में, भारत ने कोरोना वायरस के साथ जंग में एक नयी व विशेष उपलब्धि हासिल की है, इसके लिए सरकार बधाई की पात्र है। यह हमारे देश के लिए किसी बड़ी उपलब्धि से कम बात नहीं है कि हमारे देश ने 200 करोड़ वैक्सीनेशन का आंकड़ा छू लिया है। सबसे बड़ी बात यह है कि भारत ने ये आंकड़ा मात्र 18 महीने के कम समय में ही पार किया है। जानकारी देता चलूं कि कोरोना टीकाकरण की शुरूआत भारत के पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा 16 जनवरी 2021 को की थी। यह हमारे लिए एक उपलब्धि ही है कि देश में अब 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को बूस्टर डोज दी जा रही है, तो वहीं 12 साल से कम के बच्चों को भी वैक्सीन लगाई जा रही है। जानकारी देता चलूँ कि भारत में 546 दिन में दो सौ करोड़ डोज का आंकड़ा पार हुआ है। चीन के बाद भारत दूसरा देश है, जहां इतनी संख्या में वैक्सीन की डोज लगाई गई है। यह भारत की एक बड़ी व नायाब उपलब्धि इसलिए कही जा सकती है क्योंकि कोरोना को पूरे विश्व में मानवजाति के लिए खतरनाक माना गया है और भारत ने वैक्सीनेशन करके मानवजाति को इस महामारी से काफी हद तक बचाया है, मानवजाति की रक्षा की है।

वेस्टइंडीज को क्लीन स्वीप करने के बाद भी निराश दिखे शुभमन गिल

पोर्ट ऑफ स्पेन ।भारत ने वेस्टइंडीज को तीसरे वनडे में हराकर मेजबान टीम को उन्हीं के घर में क्लीन स्वीप किया। हालांकि इस जीत के बाद भी भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल के चहरे पर निराशा दिखाई दी क्योंकि वह अपना शतक (98*) पूरा नहीं कर पाए। मैच के बाद गिल ने कहा, मैं शतक लगाने की उम्मीद कर रहा था, लेकिन वह (बारिश) मेरे नियंत्रण में नहीं था। मैं पहले दो वनडे में आउट होने से बहुत निराश था। मैंने गेंद के अनुसार खेलने की कोशिश की। उन्होंने कहा, मैं केवल एक और ओवर चाहता था, इसकी उम्मीद कर रहा था। तीनों मैचों में विकेट शानदार ढंग से खेला। 30 ओवर के बाद गेंद थोड़ी पकड़ में आ रही थी। मेरे प्रदर्शन से खुश हूं। स्पिनर युजवेंद्र चहल और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर के शीर्ष गेंदबाजी स्पेल की मदद से भारत ने गुरुवार को यहां क्वींस पार्क ओवल में बारिश से प्रभावित तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में वेस्टइंडीज को 119 रनों से हरा दिया। भारत ने मेजबान टीम को 3-0 से क्लीन स्वीप किया। अब दोनों टीमें शुक्रवार से शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए भिड़ेंगी।

शतरंज ओलिम्पियाड में सभी की निगाहें भारत पर ,क्या भारत रचेगा इतिहास ?

मामल्लापुरम। शुरू होने वाले 44वें शतरंज ओलिम्पियाड में खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में अपने शुरूआत करेगा। चेन्नई के जवाहर लाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में शतरंज ओलंपियाड का उदघाटन समारोह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तमिलनाडू के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की मौजूदगी मे होगा जहां 188 देशो के खिलाड़ी और आधिकारी शिरकत करेंगे । शतरंज में पिछले बार की स्वर्ण और रजत पदक विजेता टीम रूस और चीन इस बार शतरंज ओलिम्पियाड में भाग नहीं ले रहे हैं और इसके चलते भारत को पुरुष वर्ग में दूसरी तो महिला वर्ग में पहली वरीयता मिली है । मेजबान होने के चलते भारत पुरुष और महिला वर्ग में 3-3 टीमें उतारेगा भारत की बी टीम को 11वीं तो सी टीम को 16 वीं वरीयता मिली है । 5 बार के विश्व चैम्पियन और दिग्गज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद इस बार टीम में खिलाड़ी की जगह मार्गदर्शक (मेंटोर) के रूप में अपनी भूमिका निभाएंगे जबकि श्रीनाथ नारायनन टीम के कोच और कप्तान है । भारतीय ए टीम में विदित गुजराती, पी. हरिकृष्णा, अर्जुन एरिगासी , एस.एल. नारायणन और कृष्णन शशिकिरण को शामिल किया गया है । प्रतियोगिता में शीर्ष वरीयता यूएसए की टीम को दी गयी है जबकि विश्व चैम्पियन मैगनस कार्लसन की अगुवाई वाली नॉर्वे को तीसरी वरीयता मिली है । भारत को इन टीम के अलावा नीदरलैंड , स्पेन ,अजरबैजान और पोलैंड जैसी टीमों से चुनौती मिलेगी ।

दिल्ली हाईकोर्ट से जुडोका जसलीन सिंह को राहत, बर्मिंघम में खेलने की दी अनुमति

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय जूडो खिलाड़ी जसलीन सिंह को राष्ट्रमंडल खेल बर्मिंघम में खेलने की अनुमति दे दी। भारतीय ओलंपिक संघ के महासचिव राजीव मेहता ने बताया, हाईकोर्ट ने जसलीन के हक में निर्णय दिया है। अब वह बर्मिंघम के लिए यात्रा करेंगे। कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप के स्वर्ण विजेता जसलीन स्पेन दौरे के दौरान अपने रूममेट के साथ महिलाओं के विवाद में फंस गए थे। जसलीन को बाद में महिलाओं ने क्लीन चिट दे दी थी। इसी विवाद के बाद जसलीन को राष्ट्रमंडल खेलों की टीम से बाहर कर दिया गया था। इसके बाद जसलीन ने हाईकोर्ट की शरण ली। उच्च न्यायालय ने उन्हें राहत देते हुए राष्ट्रमंडल खेलों में जाने की इजाजत दे दी है। उम्मीद कि वह 29 अगस्त को बर्मिंघम पहुंच जाएंगे। उनका मुकाबला एक और तीन अगस्त को है।

जूडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रशासकों की समिति (सीओए) की ओर से बीते माह मैड्रिड में हुई घटना में जांच बिठाई गई है। घटना में संलिप्त तीनों जुडोकाओं हर्षदीप, दिव्यांशु और जसलीन के जांच का परिणाम आने तक खेलने पर रोक लगा दी गई थी। हालांकि, जसलीन का राष्ट्रमंडल खेलों की टीम में चयन हो चुका था, लेकिन अब तक यह जांच पूरी नहीं हुई है, जिसके चलते जसलीन का नाम बर्मिंघम जाने वाले दल से हटा दिया गया है। बर्मिंघम के लिए विजय यादव (60), जसलीन (66), दीपक देशवाल (100), सुशीला चानू (48), सुचिका तरियाल (57) और तुलिका मान (78) का चयन ट्रायल के आधार पर किया गया था। इन सभी का नाम प्रारंभिक सूची में शामिल था।

मार्टिन गुप्टिल ने रोहित शर्मा को पछाड़ा, टी20टी में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

एडिनबर्ग। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल यहां स्कॉटलैंड के खिलाफ पहले मैच के दौरान भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को पीछे छोड़कर टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने।

गुप्टिल ने 31 गेंदों पर 40 रन बनाए और इस दौरान रोहित शर्मा को पीछे छोड़कर नया रिकॉर्ड बनाया। गुप्टिल के सलामी जोड़ीदार फिन एलन ने भी अपना पहला टी20 शतक जमाया। उन्होंने 56 गेंदों पर 101 रन बनाए जिससे पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने पांच विकेट पर 225 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में

स्कॉटलैंड की टीम आठ विकेट पर 157 रन ही बना पाई।

न्यूजीलैंड की तरफ से ईश सोढ़ी ने 28 रन देकर चार और माइकल सेंटनर ने 23 रन देकर दो विकेट लिए। अपनी पारी के दौरान गुप्टिल ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी रन संख्या 3399 पहुंचाई और रोहित शर्मा की 3389 रन की संख्या को पीछे छोड़ा।

इनके बाद भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली (3308 रन), आयरलैंड के वनडे कप्तान पाल स्टर्लिंग (2894 रन) और आस्ट्रेलिया के कप्तान आरोन फिंच (2855 रन) का नंबर आता है। कोहली 2021 में टी20 अंतरराष्ट्रीय में 3000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने थे।

डेविस कप मैच जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने डोमिनिको विसिनी

बाकू। सैन मैरिनो के डोमिनिको विसिनी डेविस कप मैच जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। विसनी अभी 50 साल के हैं और सितंबर में वह अपना 51वां जन्मदिन मनाएंगे। विसिनी और उनके युगल जोड़ीदार मार्को डी रॉसी ने बुधवार को ग्रुप चार के मैच में अल्बानिया के मार्टिन मुएदिनी और मारियो जिली को 6-3, 7-6 से हराया। यह विसिनी का अपने 24वें डेविस कप टूर्नामेंट में कुल मिलाकर 99वां मैच था। डेविस कप ने ट्वीट किया, 'इतिहास रचने वाले विसिनी अपना 100 वां मैच खेलने से सिर्फ एक कदम दूर हैं। एक ऐसी उपलब्धि जिसे आज तक किसी ने हासिल नहीं किया। विसनी शुक्रवार को यह उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। विसनी ने तीन साल पहले सबसे अधिक उम्र में डेविस कप एकल मैच जीतने का रिकॉर्ड भी बनाया था।

युवा मुक्केबाज की ड्रग ओवरडोज से मौत, 2 गोल्ड सहित जीत चुका था पांच मेडल

बठिंडा। बठिंडा जिले के तलवंडी साबो में गुरुवार को पांच बार के पदक विजेता और राष्ट्रीय स्तर के मुक्केबाज की कथित तौर पर ड्रग ओवरडोज के कारण मौत हो गई। कुलदीप सिंह उर्फ दीप धालीवाल की उम्र मात्र 22 साल थी और वह दो गोल्ड समेत पांच मेडल जीत चुका था।

उनके कोच हरदीप सिंह ने कहा, कुलदीप करीब 11 बजे अपने घर से निकला था। देर शाम तक जब वह नहीं लौटा और संपर्क नहीं हो सका तो परिजन उसकी तलाश करने लगे। उनका शव रमा रोड पर एक पानी के नाले के पास एक खेत में पड़ा मिला।

रिपोर्टस में प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से कहा गया है कि उसके पास एक सिरिंज मिली थी और ऐसा संदेह था कि उसकी मौत कथित तौर पर ड्रग ओवरडोज से

हुई थी। हालांकि उसके परिवार ने दावा किया कि वह एक ड्रग एडिक्ट नहीं था। एसआई धर्मवीर सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी है। बॉक्सर का मैदान में लेटा हुआ एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

यूएई में होगा एशिया कप, श्रीलंका करेगा मेजबानी

कोलंबो। एशियाई क्रिकेट परिषद ने कहा है कि श्रीलंका में चल रहे आर्थिक संकट के कारण एशिया कप का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात में होगा, जबकि मेजबानी के अधिकार श्रीलंका के पास ही रहेंगे। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने बुधवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, श्रीलंका में एशिया कप की मेजबानी के लिए हर संभव प्रयास किया गया था। बहुत सोच विचार के बाद आयोजन स्थल को यूएई में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया। यूएई नया स्थल होगा जबकि श्रीलंका मेजबानी के अधिकार बरकरार रखेगा

उन्होंने कहा, एशिया कप का यह संस्करण अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एशियाई देशों को आईसीसी विश्व कप के लिए तैयार करने में मदद करेगा, और मैं एसएलसी और अमीरात क्रिकेट बोड 'को उनकी समझ और सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूं। अंततः श्रीलंका के आर्थिक संकट के लिये स्थगित कर दिया गया।

एशिया कप की मेजबानी श्रीलंका को सौंपी गई थी, लेकिन कोरोना के कारण पहले यह आयोजन 2021 के लिए और फिर 2022 के कारण इसे यूएई में स्थानांतरित किया गया है जहां यह 27 अगस्त से 11 सितंबर के बीच खेला जाएगा।

सूरज ने अंडर-17 विश्व चैंपियनशिप में जीता ऐतिहासिक स्वर्ण पदक

रोम। भारत के ग्रीको रोमन पहलवान सूरज ने अंडर-17 विश्व चैंपियनशिप में इतिहास रचते हुए 55 किग्रा वर्ग का स्वर्ण हासिल किया। सूरज ने मंगलवार को यूरोपीय चैंपियन अजरबैजान के फराइम मुस्तफायेव को तकनीकी उत्कृष्ठा (11-0) से हराकर भारतीय ध्वज लहराया। सूरज की इस ऐतिहासिक जीत से पहले पप्पू यादव ने 32 साल पहले अंडर-17 चैंपियनशिप 1990 में भारत के लिए स्वर्ण जीता था।

यह अंडर-17 विश्व में भारत का तीसरा और सभी विश्व चैंपियनशिप मिलाकर भारत का चौथा स्वर्ण था। यादव ने 1990 में अंडर-17 के अलावा 1992 में अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप भी जीती थी, जबकि विनोद कुमार ने 1980 में भारत को अंडर-17 स्वर्ण दिलाया था। युनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने सूरज के हवाले से कहा, 'यह मेरा पहला दौरा था। मुझे ग्रिप और स्टांस का बहुत कम अनुभव था। मैंने यह

सब एक कैंप में सीखा था।' 16 वर्षीय सूरज ने फाइनल में चार-पॉइंट के दो थ्रो के साथ अजरबैजान के मुस्तफायेव पर अपना वर्चस्व जमाया। सूरज ने आक्रामकता के साथ मुस्तफायेव के खिलाफ एक ओपनिंग खोजने की कोशिश की जिसके बाद रेफरी ने पहली अवधि में अजरबैजान पहलवान को निष्क्रिय करार दिया। 1-0 की बढ़त हासिल कर चुके सूरज ने दूसरी अवधि में पहले निष्क्रिय होने से परहेज किया और फिर अपनी बढ़त को 3-0 तक बढ़ाने के लिए टेकडाउन मारा। वह अभी भी एक मिनट से अधिक समय के साथ निष्क्रिय कहे जाने के खतरे से जूझ रहे थे, लेकिन उन्होंने अंडरहुक का इस्तेमाल करके चार अंक जुटाए और 7-0 की बढ़त बना ली।

मुस्तफायेव ने लड़ाई में वापसी की कोशिश की लेकिन सूरज ने उसे नियंत्रण के साथ मैट पर फेंक दिया और बाउट और स्वर्ण 11-0 से जीत लिया। रोनित शर्मा को हालांकि ईरान के अली अहमदी वफा से फाइनल बाउट में हारने के बाद सिल्वर मिला। वह इतिहास रच सकते थे लेकिन ईरानी खिलाड़ी ने 48 किग्रा फाइनल में 3-3 से जीत के साथ उन्हें इससे वंचित कर दिया। दोनों इससे पहले अंडर-17 एशियाई चैंपियनशिप में दो मौकों पर मिले थे, जिसमें अहमदी वफा ने ग्रुप स्टेज बाउट और शर्मा ने फाइनल जीता था।

भारतीय ओलंपिक संघ को मिला रिलायंस का साथ, एथलीटों का समर्थन करने के लिए किया बड़ा एलान

नई दिल्ली। अरबपति मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने भारतीय एथलीटों का समर्थन करने के उद्देश्य से एक बड़ा एलान किया है। उसने बुधवार (27 जुलाई) को भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के साथ दीर्घकालिक साझेदारी की घोषणा की। रिलायंस ने राष्ट्रमंडल खेलों, एशियाई खेलों और ओलंपिक सहित प्रमुख बहु-खेल आयोजनों में भारतीय खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए ऐसा किया है। आरआईएल ने एक बयान में कहा कि इस साझेदारी के तहत, आरआईएल और आईओए पेरिस ओलंपिक 2024 में पहली बार इंडिया हाउस भी स्थापित करेंगे। यह ओलंपिक आयोजन के लिए कंपनी की एक और प्रतिबद्धता को दिखाता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की निदेशक और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की सदस्य नीता अंबानी ने कहा, ÷भारत को वैश्विक खेल क्षेत्र में उच्च स्तर पर देखना हमारा सपना है। आईओए के साथ हमारी साझेदारी विश्व स्तर के बुनियादी ढांचे और अवसरों के साथ देश भर में युवा एथलीटों को समर्थन और सशक्त बनाने के लिए रिलायंस फाउंडेशन की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।÷ भारतीय ओलंपिक संघ के महासचिव राजीव मेहता ने कहा, ÷मैं रिलायंस इंडस्ट्रीज और नीता अंबानी को भारतीय ओलंपिक संघ के साथ इस साझेदारी के लिए और भारतीय खेलों का समर्थन करने और अगली पीढ़ी के बच्चों को ओलंपिक में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के लिए धन्यवाद देता हूं। पेरिस 2024 में इंडिया हाउस होना एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। यह ओलंपिक के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए एक बड़ा कदम है। पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए भारत जून 2023 में मुंबई में नव-विकसित बहुस्तरीय केंद्र जियो वर्ल्ड सेंटर में 140वें अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति सत्र की मेजबानी भी करेगा।

भारत ने वेस्टइंडीज को 119 रन से हराया, सीरीज 3-0 से जीती, शुभमन गिल रहे जीत के हीरो

बर्मिंघम। शुभमन गिल बारिश के कारण सिर्फ दो रन से करियर के पहले अंतरराष्ट्रीय शतक से वंचित रह गए लेकिन उनके नाबाद 98 रन और फिर गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने वेस्टइंडीज को वर्षा से प्रभावित तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बुधवार को यहां डकवर्थ-लुईस पद्धति के तहत 119 रन से हराकर श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप किया।

भारत की पारी के 24 ओवर पूरे होने के बाद बारिश के कारण मैच रुका और मुकाबले को 40 ओवर का कर दिया गया। दूसरी बार भारतीय पारी के 36 ओवर पूरे होने के बाद बारिश आई और मेहमान टीम की पारी को यहीं तीन

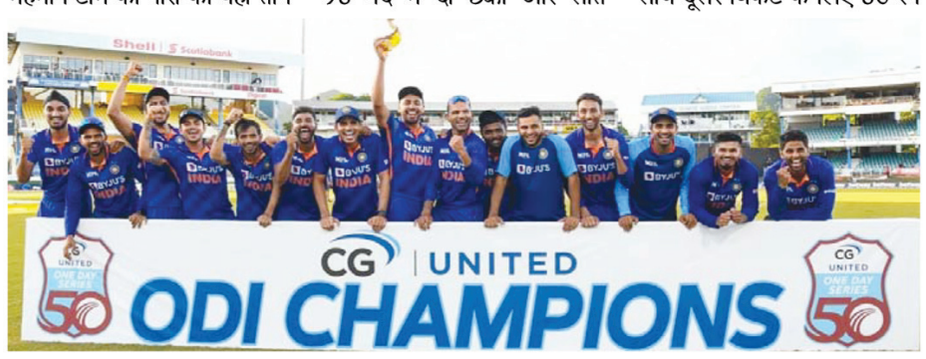

विकेट पर 225 रन के स्कोर पर समाप्त कर दिया गया। वेस्टइंडीज को इसके बाद डकवर्थ-लुईस पद्धति के तहत 35 ओवर में 257 रन का लक्ष्य मिला। गिल ने 98 गेंद में दो छक्कों और सात चौकों की मदद से नाबाद 98 रन की पारी खेली। उन्होंने कप्तान शिखर धवन (58) के साथ पहले विकेट के लिए 113 जबकि श्रेयस अय्यर (44) के साथ दूसरे विकेट के लिए 86 रन की साझेदारी की।

इसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम युजवेंद्र चहल (17 रन पर चार विकेट), मोहम्मद सिराज (14 रन पर दो विकेट) और शार्दुल ठाकुर (17 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 26 ओवर में 137 रन पर सिमट गई। वेस्टइंडीज ने अपने अंतिम पांच विकेट सिर्फ 18 रन पर गंवाए। टीम की ओर से ब्रेंडन किंग (42) और कप्तान निकोलस पूरन (42) ही टिककर बल्लेबाजी कर पाए जबकि उसके चार बल्लेबाज खाता खोलने में भी नाकाम रहे। वेस्टइंडीज ने अपनी पिछली पांच में से चार द्विपक्षीय एकदिवसीय श्रृंखलाएं 0-3 से गंवाई हैं। इस दौरान दो बार भारत जबकि एक बार पाकिस्तान और बांग्लादेश ने उसका सूपड़ा साफ किया।

वनडे रैंकिंग: वेस्टइंडीज को क्लीन स्वीप करने के बाद ऐसी है भारत की स्थिति

दुबई। भारत ने वेस्टइंडीज को उसी की धरती पर तीन मैचों की श्रृंखला में 3-0 से हराने के बाद पुरुषों की एकदिवसीय टीम रैंकिंग में अपना तीसरा स्थान बरकरार रखा है। कई शीर्ष खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में शिखर धवन की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करके वेस्टइंडीज के खिलाफ क्लीन स्वीप किया। भारत ने तीसरे वनडे में 119 रन से बड़ी जीत दर्ज की थी।

यह विजय भारत की वनडे श्रृंखलाओं में लगातार तीसरी जीत है जिससे उसके रेटिंग अंकों की संख्या 110 पर पहुंच गई है। वह अब चौथे स्थान पर काबिज पाकिस्तान (106 अंक) से चार रेटिंग अंक आगे हो गया है। भारत ने इस साल के शुरू में दक्षिण अफ्रीका को उसकी धरती पर हराया था। इस तरह से भारतीय टीम ने पिछले 9 वनडे मैच में से आठ में जीत दर्ज की है।

न्यूजीलैंड वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर बना हुआ है। उसके 128 रेटिंग अंक है जबकि इंग्लैंड 119 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। पाकिस्तान चौथे स्थान पर बना हुआ है। बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम अभी श्रीलंका में दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेल रही है। पाकिस्तान इसके बाद नीदरलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला खेलेगा जिससे उसके पास कुछ रेटिंग अंक

हासिल करने का मौका रहेगा। भारत भी अगस्त में जिंबाब्वे के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला खेलेगा।

WI को क्लीन स्वीप कर बोले धवन- युवा टीम ने जज्बा दिखाया, चुनौती को अवसरों में बदला

पोर्ट ऑफ स्पेन । शिखर धवन ने कहा कि एक कप्तान जिस तरह का संपूर्ण प्रदर्शन चाहता है भारतीय खिलाड़ियों ने वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में उसी तरह का प्रदर्शन किया और युवा खिलाड़ियों ने अपना जज्बा दिखाकर चुनौती को अवसरों में बदला। भारत ने तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में 3-0 से जीत दर्ज करके क्लीन स्वीप किया।

धवन पहले ऐसे कप्तान बन गए हैं जिनकी अगुवाई में भारत ने वेस्टइंडीज का उसी की धरती पर सूपड़ा साफ किया। भारत ने तीसरे वनडे में शुभमन गिल के नाबाद 98 रन की मदद से 119 रन की बड़ी जीत दर्ज की। धवन ने मैच के बाद कहा, 'हमने पूरी श्रृंखला में जिस तरह से प्रदर्शन किया उससे मुझे टीम पर गर्व है। प्रत्येक मैच में हमने अपना जज्बा दिखाया और चुनौतियों को अवसरों में बदला। जिस तरह से प्रत्येक खिलाड़ी ने अपना योगदान दिया उससे मैं बहुत खुश हूं।'

मैं अपनी बल्लेबाजी से बहुत खुश हूं : धवन

उन्होंने कहा, 'एक कप्तान के तौर पर मैं जिस तरह का संपूर्ण प्रदर्शन चाहता था खिलाड़ियों ने वैसा ही खेल दिखाया।' भारतीय बल्लेबाजों ने वेस्टइंडीज के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया। गिल, धवन, श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन और अक्षर पटेल ने बेहतरीन पारियां खेली। धवन ने कहा, 'जिस तरह से मैंने अपने शॉट खेले उसे देखते हुए मैं अपनी बल्लेबाजी से बहुत खुश हूं। इतने अनुभव के बाद मैं जानता हूं कि किस तरह से शांत चित्त होकर खेलना चाहिए। मुझे तब अच्छा लगता है जब मैं शांत चित्त होकर दबाव को झेलता हूं।'

धवन ने श्रृंखला में गिल (205) के बाद सर्वाधिक 168 रन बनाए। उन्होंने कहा, 'टीम के लिहाज से हमारे लिए सब कुछ सकारात्मक रहा। बल्लेबाजी में प्रत्येक ने योगदान दिया। गिल, श्रेयस अय्यर, संजू, अक्षर सभी ने अच्छी बल्लेबाजी की। बल्लेबाजी इकाई के लिए यह बहुत अच्छा संकेत है। सभी युवा हैं और उन्होंने प्रत्येक मैच में अपनी जिम्मेदारी को अच्छी तरह से निभाया। धवन ने कहा, 'गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर और यूजवेंद्र चहल अनुभवी गेंदबाज हैं। अक्षर ने भी अच्छी गेंदबाजी की। यहां तक कि दीपक हुड्डा ने भी अच्छी गेंदबाजी की। गेंदबाजी इकाई ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। जब खेल के दोनों विभागों में आपके खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो यह देखकर अच्छा लगता है।

गिल की तुलना रोहित से की

धवन ने विशेष रूप से 22 वर्षीय गिल की तारीफ की और उनके बल्लेबाजी कौशल की रोहित शर्मा के साथ तुलना की। उन्होंने कहा, 'उनकी (गिल) तकनीक बहुत अच्छी है और वह एक शानदार बल्लेबाज है। मुझे लगता है कि उसमें कुछ हद तक रोहित की झलक दिखती है। वह जिस तरह से बल्लेबाजी करता है उसे देखकर लगता है कि उसके पास काफी समय है। यह देखकर अच्छा लगा कि आज उसने 98 रन की पारी खेली। वह जानता है कि अर्धशतक को कैसे बड़े स्कोर में बदला जाता है। कप्तान ने सिराज और ऑलराउंडर दीपक हुड्डा की भी उनकी गेंदबाजी के लिए प्रशंसा की। धवन ने कहा, '' सिराज बेहतरीन गेंदबाज है। उसका आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। वह जानता है कि उसे क्या करना है।

बीएसएनएल के पुनरुद्धार के लिए 1.64 लाख करोड़ रुपये का पैकेज, कैबिनेट ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की कैबिनेट ने सरकारी दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल के पुनरुद्धार के लिए 1.64 लाख करोड़ रुपये के पैकेज को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया है कि अभी तक ज़िले से ब्लॉक तक का नेटवर्क BSNL प्रबंधित करता है और ब्लॉक से पंचायत तक का नेटवर्क BBNL प्रबंधित करता है।

दोनों टेलीकॉम कंपनियों के बीच समन्वय में दिक्कत ना आए और BSNL का पुनरुद्धार हो इसके लिए सरकार ने BBNL (Bharat Broadband Network Limited) और BSNL (Bharat Shanchar Nigam Limited) के विलय को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि हमें विश्वास है कि देश के कोने-कोने में ब्रॉडबैंड सेवा ले जाने में सरकार के इस फैसले से मदद मिलेगी। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 26,316 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड के माध्यम से देश के सभी

दूर-दराज के गांवों में 4जी सेवा ले जाने की परियोजना को भी मंजूरी दी है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा है कि यह परियाजना सुदूर और दुर्गम क्षेत्रों के 24,680 दूर-दराज के गांवों में 4जी मोबाइल सेवाएं उपलब्ध कराएगी। परियोजना में 20त्न अतिरिक्त गांवों को शामिल करने का भी प्रावधान है। इसके अलावा, केवल 2जी/3जी कनेक्टिविटी वाले 6,279 गांवों को भी 4जी में अपग्रेड किया जाएगा।

ओडिशा में कैंसर अस्पताल बनाने के लिए 650 करोड़ रुपये दिए

टाटा ट्रस्ट के सहयोग से केंद्र सरकार ओडिशा के जतनी में स्थित राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईएसईआर) के परिसर में एक कैंसर अस्पताल और कैंसर के इलाज के लिए कौशल विकास केंद्र की स्थापना करेगी। केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी मामलों के केन्द्रीय राज्य मंत्री जितेन्द्र सिंह और टाटा मेमोरियल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नई दिल्ली में हुई बैठक के बाद उक्त जानकारी दी। भुवनेश्वर से सांसद अपराजिता सारंगी भी बैठक में उपस्थित थीं।

पर्यावरण मुद्दों पर बैंकों के बोर्ड स्तर के प्रबंधन की भागीदारी अपर्याप्त: रिजर्व बैंक सर्वे

मुंबई। जलवायु जोखिम और टिकाऊ वित्त से संबंधित मुद्दों पर बैंकों में शीर्ष प्रबंधन की भागीदारी 'अपर्याप्त' है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। इसमें कहा गया कि बैंकों को पर्यावरण संबंधी मामलों पर पहल करने की जरूरत है। जलवायु जोखिम और टिकाऊ वित्त ने दुनियाभर के नियामकों, राष्ट्रीय प्राधिकरणों और उच्चस्तरीय राष्ट्रीय प्राधिकरणों का ध्यान खींचा है। जलवायु परिवर्तन पर अंतर सरकार समिति (आईपीसीसी) की अगस्त, 2021 की रिपोर्ट ने जलवायु परिवर्तनों पर प्रकाश डाला। रिजर्व बैंक ने बयान में कहा कि जलवायु जोखिम और टिकाऊ वित्त पर इस साल जनवरी में किए गए सर्वेक्षण में 34 प्रमुख अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को शामिल किया गया। इसमें सार्वजनिक क्षेत्र के 12 बैंक, निजी क्षेत्र के 16 बैंक और भारत के छह प्रमुख विदेशी बैंक शामिल हैं।बयान में कहा गया कि प्रतिक्रियाओं से संकेत मिलता है कि बैंकों ने जलवायु जोखिम और टिकाऊ वित्त के क्षेत्र में कदम उठाने की शुरुआत कर दी है, लेकिन इस संबंध में ठोस प्रयासों की जरूरत है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि अधिकांश बैंकों के पास स्थिरता और ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक एवं प्रशासन) से संबंधित पहल के लिए एक अलग व्यावसायिक इकाई नहीं थी।

सेमीकंडक्टर का संकट समाप्त हो रहा है, हर बीतते माह के साथ स्थिति सुधर रही है : टाटा मोटर्स

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) पीबी बालाजी ने कहा कि सेमीकंडक्टर का संकट अब धीरे-धीरे समाप्त हो रहा है और हर बीतते माह के साथ स्थिति सुधर रही है। टाटा मोटर्स को जून तिमाही में 4,951 करोड़ रुपये का

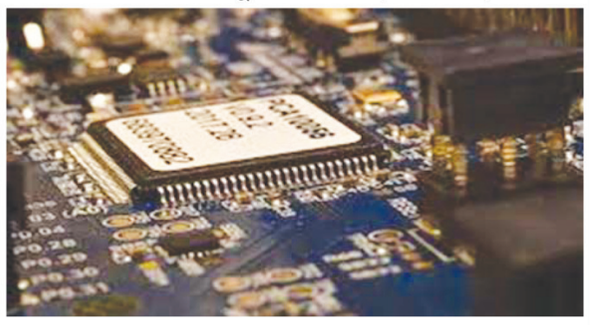

एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ है। सेमीकंडक्टर की कमी और चीन में कोविड-19 प्रतिबंधों ने समूह की जगुआर लैंड रोवर की बिक्री को प्रभावित किया है।

बालाजी ने कॉन्फ्रेंस कॉल में कहा, ''जहां तक सेमीकंडक्टर की कमी का सवाल है, हम देख रहे है कि स्थिति सामान्य होने लगी हैं। घरेलू स्तर पर विशेष रूप से, हम किसी भी महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर से संबंधित चुनौतियों से निपटने की योजना नहीं बना रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''अब भी बहुत चुनौतियां है लेकिन यह तीन महीने पहले की स्थिति के मुकाबले कम है। यह स्थिति भारत में है।

बायोकॉन का जून तिमाही में शुद्ध लाभ 71 प्रतिशत बढ़कर 144 करोड़ रुपये पर

नई दिल्ली। जैव प्रौद्योगिकी कंपनी बायोकॉन का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 71 प्रतिशत बढ़कर 144 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बायोकॉन ने शेयर बाजार को भेजी सूचना में यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही

में कंपनी ने 84 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। कंपनी की चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कुल परिचालन आय बढ़कर 2,217 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 1,808 करोड़ रुपये थी। बायोकॉन की कार्यकारी चेयरपर्सन किरण मजूमदार-शॉ ने कहा कि समान रसायन वाले उत्पादों और जेनेरिक क्षेत्र के कारोबार में मजबूत वृद्धि के कारण कंपनी ने तिमाही के दौरान अच्छी वृद्धि दर्ज की है।

मानसून की इंट्री के बाद देश में घटे सरिया के दाम, दो हफ्तों में 4500 रुपये प्रति टन तक नीचे

नई दिल्ली। बरसात का मौसम शुरू होने के साथ ही देश में सरिया की कीमतों में गिरावट दर्ज गई है। बताया जा रहा है कि इसका कारण मानसून के समय में देश में निर्माण कार्यों का धीमा पड़ना है। बारिश के कारण निर्माण कार्य थमने से निर्माण सामग्रियों की मांग भी घट गई। इससे उनके भाव टूटने लगे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कारीब डेढ़ महीने के बाद सरिया के भाव में गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि बारिश के कारण देश के कई इलाकों में लोग सरिया के दाम गिरने का फायदा नहीं उठा पा रहे हैं। बाजार के जानकारों के अनुसार पिछले दो हफ्तों में बाजार में सरिया की कीमतों में 4500 रुपये प्रति टन तक की गिरावट दर्ज की गई है। आपको बता दें कि देश में सरिये के भाव अप्रैल महीने में उच्चतम स्तर पर पहुंए

गए थे। हालांकि जून महीने में सरिया और सीमेंट की कीमतों में नरमी आने लगी थी। मॉनसून से ठीक पहले निर्माण समग्रियों की कीमत फिर बढ़ गई थी। अब देश के कई इलाकों में बारिश शुरू हो जाने से सरिया की कीमतें फिर नीचे आ गई है।

अप्रैल-जून में मकानों की कीमतें 15 फीसदी बढ़ीं, नोएडा में 87 फीसदी ज्यादा नए मकान बने

नई दिल्ली। देश के प्रमुख नौ शहरों में अप्रैल-जून तिमाही के दौरान मकानों की कीमतें 15 फीसदी बढ़ी हैं। इसमें सबसे ज्यादा चेन्नई में 15 फीसदी भाव बढ़ा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, गुरुग्राम में एक साल पहले मकान का भाव 10,315 रुपये प्रतिवर्ग फुट था जो 12 फीसदी बढ़कर 11,517 रुपये हो गया है। हैदराबाद में 12 फीसदी, नोएडा में 9 फीसदी और बेंगलुरु में आठ फीसदी कीमतें बढ़ी हैं। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और गुरुग्राम में नई लॉन्चिंग में 57 फीसदी की तेजी आई और यह 1,205 यूनिट रही। जबकि नोएडा में नए मकानों की संख्या 87 फीसदी बढ़कर 1,010 यूनिट हो गई।

नोएडा में 7411 रुपये प्रति वर्ग फुट कीमत

नोएडा में मकानों की कीमतें एक साल पहले 6,791 रुपये प्रति वर्ग फुट थीं, जो इस साल अप्रैल-जून में 7,411 रुपये हो गई है। मुंबई में इसी दौरान 18,896 रुपये कीमत रही जबकि ठाणे में 6,325 रुपये कीमत रही। पुणे में भी मामूली बढ़त के साथ भाव 5,348 रुपये प्रति वर्ग फुट रहा।

नौ शहरों में 51 फीसदी बढ़ी मकानों की संख्या

शीर्ष 9 शहरों में कुल 69,813 मकान लॉन्च किए गए। एक साल पहले की तुलना में यह 51

फीसदी अधिक है। हालांकि मार्च तिमाही की तुलना में यह 24 फीसदी कम है। बिना बिके घरों की संख्या 11 फीसदी घटकर 4.05 लाख रह गई।

रोशनी नादर देश की सबसे धनी महिला, NYKAA की फाल्गुनी नायर ने किरण मजूमदार शॉ को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली। फैशन ब्रांड NYKAA की सीईओ फाल्गुनी नायर ने सबसे अमीर सेल्फ मेड वुमन बनने के मामले में बायोकॉन की सीईओ किरण मजूमदार शॉ को पीछे छोड़ दिया है। कोटक प्राइवेट बैंकिंग हुरुन लीडिंग वेल्दी वुमिन लिस्ट के अनुमार NYKAA सीईओ संपत्ति में 963त्न की बढ़त के साथ देश की दूसरी सबसे अमीर महिला बन गई हैं।

रोशनी नादर मल्होत्रा

इस लिस्ट में पहले नंबर पर एचसीएल टेक्नोलॉजी की रोशनी नादर मल्होत्रा का नाम है। वे इस लिस्ट में लगातार दूसरे साल नंबर एक पर हैं। लिस्ट के अनुसार उनकी संपत्ति 84,330 करोड़ रुपये है। वह इस लिस्ट में शामिल एकमात्र महिला हैं जो एक लिस्टेड आईटी कंपनी को लीड कर रहीं हैं। उनके बाद 57,520 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ फाल्गुनी नायर इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं।

किरण मजूमदार शॉ

Biocon की फाउंडर और CEO किरण मजूमदार-शॉ इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं उनकी कुल संपत्ति 29,030 करोड़ रुपये है। अभी हाल ही में बायोकॉन की सब्सिडियरी कंपनी बायोकॉन बायोलॉजिक्स ने अमेरिका में वायट्रिस के बायोसिमिलर बिजनेस को 3 अरब अमेरिकी डॉलर (22,350 करोड़ रुपये) में हासिल करने पर सहमति जताई है।

नीलिमा मोटापर्ती

भारत की अमीर महिलाओं की लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं 40 वर्षीय नीलिमा मोटापर्ती। वे Divi's Laboratories मटेरियल सोर्सिंग व प्रोक्योरमेंट, कॉरपोरेट फाइनेंस और इन्वेस्टर रिलेशंस का काम देखती हैं। लिस्ट के अनुसार उनके पास 28180 करोड़ रुपये की संपत्ति है।

राधा वेम्बु

कोटक प्राइवेट बैंकिंग हुरुन लीडिंग वेल्थ वूमेन लिस्ट 2021 में पांचवे नंबर पर हैं Zoho कंपनी के फाउंडर श्रीधर वेम्बु की बहन 69 साल की राधा वेम्बू। राधा वेम्बु की कुल संपत्ति 26,260 करोड़ रुपय है। वह Zoho Mail में प्रोडक्ट मैनेजर के तौर पर काम करती हैं।

लीना गांधी तिवारी

भारत की सबसे अमीर महिलाओं की लिस्ट में छठे नंबर पर नाम है लीना गांधी तिवारी का। मुंबई स्थित ग्लोबल फार्मास्युटिकल और बायोटेक्नोलॉजी कॉरपोरेशन यूएसवी की 65 वर्षीय लीना गांधी तिवारी के पास कोटक बैंकिंग हुरुन लीडिंग वेल्थ वुमन लिस्ट 2021 के अनुसार 24280 करोड़ रुपये की संपत्ति है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में 24 करोड़ रुपये दान भी किया है।

मेहर पुदुमजी और अनु आगा

कोटक बैंकिंग हुरुन लीडिंग वेल्थ वुमन लिस्ट 2021 के अनुसार एनर्जी और एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग फर्म Therma& की अनु आगा (79) और मेहर पुदुमजी (56) 14,530 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति के साथ लिस्ट में सातवें नंबर पर हैं। 76 साल की उम्र तक पहुंचने के बाद, अनु ने 2018 में थर्मैक्स बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स से इस्तीफा दे दिया। अनु की बेटी मेहर को 2003 में Therma& का चेयरपर्सन नामित किया गया था, उसके बाद उन्होंने कंपनी को शानदार ढंग से चलाया है।

नेहा नरखेड़े

लिस्ट में आठवें नंबर हैं डेटा स्ट्रीमिंग टेक्नोलॉजी बिजनेस Confluent की को-फाउंडर 38 वर्षीय नेहा नरखेड़े सबसे अमीर नई सदस्य हैं।

वह इस लिस्ट में आठवें नंबर पर हैं। लिस्ट के अनुसार, उनकी कुल संपत्ति 13,380 करोड़ रुपये है।

वंदना लाल

साल 2021 की कोटक बैंकिंग हुरुन लीडिंग वेल्थ वुमन लिस्ट में नौवें नंबर पर हैं Dr Lal PathLabs की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर 65 वर्षीय वंदना लाल। वे डॉ लाल पैथलैब्स के रिसर्च एंड डेवलपमेंट डिपार्टमेंट की हेड भी हैं।

रेणु मुंजाल

कोटक बैंकिंग हुरुन लीडिंग वेल्थ वुमन लिस्ट 2021 में दसवें नंबर हैं दिवंगत रमन मुंजाल की पत्नी 67 वर्षीय रेणु मुंजाल। उनकी कुल संपत्ति 6620 करोड़ रुपये आंकी गई है। रेणु हीरो फिनकॉर्प की वर्तमान मैनेजिंग डायरेक्टर और हीरो मोटोकॉर्प की पूर्व कार्यकारी निदेशक हैं।

पवार ने खाद्य सुरक्षा में सुधार के लिए जीएम फसलों का समर्थन किया

नई दिल्ली। पूर्व कृषि मंत्री शरद पवार ने आनुवंशिक रूप से संवर्धित फसलों के उपयोग के लिए जोरदार पैरोकारी की। उन्होंने कहा कि यदि फसल विज्ञान में हुई प्रगति की अनदेखी की गई तो देश की खाद्य सुरक्षा प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो सकती है। पवार ने यहां अन्नासाहेब शिंदे शताब्दी स्मारक व्याख्यान में कहा कि यूरोपीय देशों ने भी कोविड महामारी और हाल में सामने आए खाद्य संकट के मद्देनजर आनुवंशिक रूप से संवर्धित (जीएम) फसलों के बारे में अपने विचारों को बदलना शुरू कर दिया है। देश पहले जीएम फसलों का पुरजोर विरोध कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत ने हाल में जीएम फसलों की उपेक्षा शुरू कर दी और जीएम कपास की सफलता के बावजूद आनुवंशिक रूप से संशोधित सरसों की खेती की अनुमति नहीं दी गई।

शेयर बाजार में एक दिन की तेजी से निवेशकों ने 3 लाख करोड़ रुपये कमाए

नई दिल्ली। फेडरल रिजर्व के ब्याज दर में इजाफे के बावजूद घरेलू शेयर बाजार में शानदार तेजी रही। शेयर बाजार में लंबे समय बाद आई तेजी से निवेशकों को जबरदस्त मुनाफा हुआ है।

गुरुवार को दिनभर के कारोबार में जोरदार खरीदारी से सेंसेक्स 1041 अंक उछलकर बंद हुआ। इससे निवेशकों को एक ही दिन में 3 लाख करोड़ रुपये का फायदा हुआ है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी से तीन दिन में मिलीं 1,49,623 करोड़ रुपये की बोलियां

नई दिल्ली। पांचवीं पीढ़ी के स्पेक्ट्रम 5जी की नीलामी के तीसरे दिन गुरुवार तक 16 दौर की नीलामी में कुल 1,49,623 करोड़ रुपये की बोलियां प्राप्त हुई हैं। स्पेक्ट्रम के लिए नीलामी के लिए चौथे दिन शुक्रवार को भी नीलामी जारी रहेगी।

दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 5जी स्पेक्ट्रम के लिए तीन दिन में 16 दौर की बोली संपन्न हुई है। नीलामी का तीसरा दिन समाप्त होने तक सरकार को इससे कुल 1,49,623 करोड़ रुपये की बोलियां मिली हैं। वैष्णव ने बताया कि नीलामी के दूसरे दिन बुधवार को नौवें दौर की नीलामी में 1,49,454 करोड़ रुपये की बोलियां मिली थीं। तीसरे दिन गुरुवार तक 16 दौर की नीलामी में कुल 1,49,623 करोड़ रुपये की बोलियां प्राप्त हुई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार दूरसंचार सेवाओं को गांवों तक ले जाने को प्रतिबद्ध है। इसलिए 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी के लिए चौथे दिन की बोली शुक्रवार को भी जारी रहेगी।

5जी स्पेक्ट्रम के लिए निजी क्षेत्र की चार प्रमुख दूरसंचार कंपनियां रिलायंस जियो, भारती एयरटेल, वोडाफोन-आइडिया और अडाणी एंटरप्राइजेज इस नीलामी प्रक्रिया में हिस्सा ले रही है। देश में 5जी सर्विस आने से इंटरनेट की गति 4जी के मुकाबले करीब 10 गुना ज्यादा हो जाएगी।

5जी स्पेक्ट्रम की वैधता 20 साल के लिए होगी। 5जी स्पेक्ट्रम के लिए चार प्रमुख दूरसंचार मोबाइल कंपनियों ने 21,800 करोड़ रुपये बतौर बयाना जमा कराया है।

रिलायंस जियो ने 5जी स्पेक्ट्रम के लिए 14 हजार करोड़ रुपये एयरटेल ने 5,500 करोड़ रुपये, वीआई ने 2,200 करोड़ रुपये और अडानी डेटा नेटवर्क्स ने 100 करोड़ रुपये जमा कराया है। इन कंपनियों ने 5जी स्पेक्ट्रम के लिए आक्रामक तरीके से बोली लगाई है। सरकार ने 5जी स्पेक्ट्रम को 14 अगस्त तक आवंटित किये जाने का लक्ष्य रखा है, जबकि इसकी सर्विस इस साल के अंत तक देश के कई शहरों में शुरू होने की उम्मीद है।

अगले आठ हफ्तों तक स्पाइसजेट 50 फीसदी फ्लाइट्स का ही संचालन कर सकेगी, DGCA की कार्रवाई

नई दिल्ली। विमानन कंपनी स्पाइसजेट में विभिन्न स्पॉट चेक, निरीक्षण और कारण बताओ नोटिस के जवाब के मद्देनजर डीजीसीए ने एयरलाइन कंपनी को निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट इस आदेश के जारी होने की तारीख से 8 सप्ताह के लिए अपनी स्वीकृत उड़ानों में से 50फीसदी का ही संचालन कर सकेगी।

डीजीसीए की ओर से यह आदेश कंपनी की उड़ानों के दौरान हाल के दिनों में एक बाद एक गड़बड़ी की खबरों के बाद जारी किया गया है। गड़बड़ियां मिलने के बाद विमानन नियामक डीजीसीए ने स्पाइसजेट को शोकॉज नोटिसा जारी किया था। अब इस मामले में कंपनी ने विभिन्न जांच प्रक्रिया के बाद यह कड़ा फैसला लिया है।

डीजीसीए की ओर से जारी अंतरिम आदेश में कहा गया है कि स्पाइसजेट की उड़ानों में बीते एक अप्रैल से पांच जुलाई 2022 के बीच रिपोर्ट की गई घटनाओं की जांच में पाया गया कि कई मौकों पर विमानन कंपनी के एयरक्रॉफ्ट्स को अपने आरंभस्थल पर वापस लौटना पड़ा या अपने गंतव्य स्थल पर कमतर सुरक्षा के बीच लैडिंग करना पड़ा। जांच के दौरान यह पाया गया कि ऐसा खराब आंतरिक सुरक्षा के इंतजामों और अपर्याप्त मेंटेनेस के कारण हुआ। ऐसा होने से विमानों के सुरक्षा मानकों के साथ समझौता करना पड़ा।

स्पाइसजेट ने अपने वेंडर्स का समय से नहीं किया भुगतान

डीजीसीए की ओर से यह भी कहा गया है कि सितंबर 2021 में नियामक की ओर से की गई आर्थिक जांच के दौरान यह पाया गया था कि विमानन कंपनी स्पाइसजेट जिन वेंडर्स की सेवाएं ले रही हैं उन्हें लगातार समय पर भुगतान नहीं किया गया, जिससे जरूरी स्पेयर्स और दूसरी चीजों की कमी पैदा हुई और विमानों का परिचालन प्रभावित हुआ।

डीजीसीए के अनुसार हाल के दिनों में हुई गड़बड़ी की घटनाओं के बाद यह निष्कर्ष निकाला गया कि यह एयरक्रॉफ्ट रूल्स 1937 के प्रावधानों का उल्लंघन है। इस संबंध में बीते पांच जुलाई को स्पाइसजेट कंपनी को शोकॉज नोटिस जारी किया गया था। स्पाइसजेट से इस मामले में तीन हफ्तों के भी भीतर जवाब मांगा गया गया था।

पांच जुलाई को जारी शो-कॉज का स्पाइसजेट ने बीते 25 जुलाई को दिया जवाब

डीजीसीए ने अपने अंतरिम आदेश में कहा गया है कि विमानन कंपनी ने शो-कॉज का जवाब 25 जुलाई को दिया। उनकी ओर से कहा गया है कि वह अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठा रहा है। डीजीसीए के अंतरिम

आदेश के आनुसार स्पाइसजेट एयरलाइन में स्पॉट चेक, निरीक्षण और विमानन कंपनी की ओर से दिए गए जवाब के आधार पर सुरक्षित और भरोसेमंद हवाई यात्रा सेवा सुनिश्चित करने के लिए कंपनी के स्वीकृत उड़ानों में 50 फीसदी की कटौती की गई है।

आठ हफ्तों तक स्पाइसजेट के आधे उड़नों पर रहेगी रोक

कटौती का यह फैसला डीजीसीए का आदेश जारी होने के आठ हफ्तों के बाद तक लागू रहेगा। इन आठ हफ्तों के दौरान डीजीसीए एयरलाइन कंपनी के परिचालन पर नजर बनाकर रखेगी, उसके बाद आगे का फैसला लिया जाएगा। डीजीसीए की ओर से यह अंतरिम आदेश सिविल एविएशन के ज्वाइंट डायरेक्टर जनरल मनीष कुमार ने जारी किया है

डीजीसीए के निर्देशों के अनुसार करते रहेंगे विमानों का परिचालन : स्पाइसजेट

वहीं, इस मामले में स्पाइसजेट की ओर से कहा गया है कि डीजीसीए का आदेश मिल गया है और हम नियामक के निर्देशों के अनुसार काम करेंगे। स्पाइसजेट की ओर से कहा गया है कि मौजूदा समय में कम यात्रा के मौसम के कारण, स्पाइसजेट ने अन्य एयरलाइनों की तरह अपने उड़ानों का संचालन को पहले ही पुनर्निर्धारित कर दिया था, इसलिए हमारे उड़ान संचालन पर डीजीसीए के आदेश का बिल्कुल कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। हम सभी सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए

डीजीसीए की ओर से यह आदेश कंपनी की उड़ानों के दौरान हाल के दिनों में एक बाद एक गड़बड़ी की खबरों के बाद जारी किया गया है।

डीजीसीए के दिशा-निर्देशों के अनुसार विमानों का परिचालन करते रहेंगे।

तीन B777-200LR बड़े विमान बेचेगी एयर इंडिया

टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने अपने तीन B777-200LRबड़े विमानों को बेचने के लिए एक निविदा जारी की। इन विमानों का निर्माण 2009 में किया गया था। टाटा समूह ने 27 जनवरी को एयर इंडिया की कमान संभाली थी। कंपनी वर्तमान में एयरबस और बोइंग के साथ एक बड़ा विमान ऑर्डर करने की तैयारी कर रही है। टेंडर में कहा गया है कि त्रश्च90-110 इंजन से चलने वाले तीन विमानों के लिए 16 अगस्त तक बोलियां जमा करनी होंगी।